3 राजधानी
केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार

6 अभिमत
तीसरी बार मोदी सरकार

10 राष्ट्रीय
लोकसभा के लिए चुनी गईं 73 महिला सांसद

12 स्पोर्ट्स
भारत ने आयरलैंड को हराकर शुरुआत की

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 208
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 6 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

चुनाव भारत के सवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार
विदेश-11

आठ को शपथ ले सकते हैं मोदी

नई दिल्ली में बुधवार को एनडीए की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा घटक दलों के अन्य नेता।

राजेश कुमार। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी सात जून को सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। मोदी के आठ जून को शपथ लेने की संभावना है। जवाहरलाल नेहरू के बाद यह पहली बार है कि कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में वापसी करेगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की और सर्वसम्मति से उन्हें गठबंधन नेता के रूप में चुना, जिससे उनके लगातार तीसरी बार शपथ लेने का मार्ग प्रशस्त हुआ। एनडीए ने लोकसभा चुनाव में 293 सीटें जीती हैं, जो 543 सदस्यीय सदन में बहुमत के आंकड़े 272 से काफी ऊपर है। इसके अलावा, 10 निर्दलीय विधायकों ने भी एनडीए और उसके सहयोगियों को अपना समर्थन दिया है, जिससे उसकी संख्या 303 हो गई है।

हालाँकि, नई सरकार की संरचना और चरित्र अलग होने की संभावना है और इसमें भाजपा के सहयोगियों को बड़ी हिस्सेदारी मिलेगी। एचएएम (सेक्युलर) नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने बैठक में भाग लेने के बाद कहा, एनडीए सांसद 7 जून को मिलेंगे और गठबंधन के नेता अपना समर्थन पत्र सौंपने के लिए राष्ट्रपति के पास जाएंगे। भाजपा और उसके सहयोगी कितनी जल्दी प्रत्येक पार्टी को मिलने वाले मंत्रालयों की हिस्सेदारी और बातचीत की अन्य शर्तों जैसे मामलों पर एक समझौते पर पहुंचते हैं, यह भी शपथ ग्रहण के समय को तय करने में एक कारक हो सकता है या वे समाधान के लिए पेचीदा मुद्दों को टाल सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि एनडीए सहयोगी दलों के नेताओं की दूसरी बैठक शुक्रवार को होगी और उसी दिन वे सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। सूत्रों ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह और पीयूष गोयल को एनडीए सहयोगियों के साथ समन्वय करने का काम सौंपा गया है।

इससे पहले दिन में, मोदी ने कैबिनेट बैठक के बाद अपने मंत्रिपरिषद के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया। वर्तमान 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है, जिससे यह परिवर्तन भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में एक सामयिक और महत्वपूर्ण चरण बन गया है। एनडीए की बैठक में पारित प्रस्ताव में नेताओं ने गरीबों, महिलाओं, युवाओं, किसानों और समाज के वंचित वर्गों की सेवा के लिए गठबंधन सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इसमें कहा गया, हम सभी को गर्व है कि एनडीए ने 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में (शेष पेज 9)

इंडिया गठबंधन को उचित समय का इंतजार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए जहां केंद्र में सरकार बनाने के लिए जोड़तोड़ में जुटी हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन ने बुधवार को उन सभी दलों का स्वागत किया जो सरकार गठन के लिए संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्यों के प्रति मौलिक प्रतिबद्धता साझा करते हैं। एक बयान में इंडिया गठबंधन ने 'उचित समय' का संकेत देते हुए कहा कि वह मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के फासीवादी शासन के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, हम भाजपा सरकार द्वारा शासित नहीं होने की लोगों की इच्छा को पूरा करने के लिए उचित समय पर उचित कदम उठाएंगे। यह हमारा निर्णय है कि हमने लोगों से जो भी वादे किए हैं, हम उन्हें पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, जनादेश निर्णायक रूप से मोदी के खिलाफ है, उनके और उनकी राजनीतिक तौर तरीकों के खिलाफ है। यह स्पष्ट नैतिक हार के अलावा व्यक्तिगत रूप से उनके लिए एक बहुत बड़ी राजनीतिक क्षति है। हालांकि, वह लोगों की इच्छा के खिलाफ सरकार बनाने में जुटे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, इंडिया गठबंधन उन सभी दलों का स्वागत करता है जो हमारे संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्यों और आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय के लिए इसके कई प्रावधानों के प्रति इसकी मौलिक प्रतिबद्धता को साझा करते हैं।

नई दिल्ली में इंडिया गुट की बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव, डीएमके सुप्रीमो और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन व अन्य। फोटोः पायनियर

इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा, मैं इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगियों का स्वागत करता हूं। हमने एकजुट होकर दृढ़ता के साथ बेहतर लड़ाई लड़ी। इंडिया गठबंधन के घटक हमारे गठबंधन को मिले भारी समर्थन के लिए भारत के लोगों को धन्यवाद देते हैं। एक प्रस्ताव में कहा गया है कि लोगों के जनादेश ने भाजपा और उनकी नफरत, भ्रष्टाचार और अभाव की राजनीति को करारा जवाब दिया है। यह भारत के संविधान की रक्षा और महंगाई, बेरोजगारी और क्रोनी पूंजीवाद के खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने के लिए जनादेश है, इसमें आगे कहा गया है। बैठक में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, एनसीपी के शरद पवार, सुप्रिया सुले, डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनकी पार्टी के सहयोगी आर. बालू, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, सपा के रामगोपाल यादव, टीएमसी के अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) से संजय राउत और अरविंद सावंत, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, सीपीआईएम के सीताराम येचुरी सीपीआई (एम), सीपीआई, जेएमएम नेता और झारखंड के सीएम चंपई सोरेन, जेल में बंद जेएमएम नेता हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, आप से संजय सिंह और राघव चड्ढा और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला समेत अन्य घटक दल के नेता मौजूद थे।

फडणवीस ने ली जिम्मेदारी पद छोड़ने की पेशकश

टीएन रघुनाथ। मुंबई

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए 'पूरी जिम्मेदारी स्वीकार' करते हुए, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य सरकार में अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की ताकि वह पार्टी में सुधार के लिए पूर्णकालिक काम कर सकें। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, फडणवीस ने कहा कि वह भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से उन्हें महाराष्ट्र सरकार में सभी जिम्मेदारियों से मुक्त करने के लिए कहेंगे ताकि वह राज्य विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के लिए पूर्णकालिक काम कर सकें। उन्होंने कहा, मैं महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। मैं स्वीकार करता हूं कि कहीं न कहीं मुझसे चूक हुई, जिसकी वजह से चुनाव में पार्टी को झटका लगा। राज्य भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, मैं केंद्रीय भाजपा नेतृत्व को बताने जा रहा हूं कि मैं राज्य विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के लिए पूर्णकालिक काम करना चाहता हूं। मैं अपने पार्टी नेतृत्व से अनुरोध करने जा रहा हूं कि मुझे राज्य सरकार से मुक्त किया जाए और पार्टी के लिए काम करने का मौका दिया जाए। फडणवीस के बयान को इस तथ्य के प्रकाश में देखा जाना चाहिए कि सत्तारूढ़ महायुति – जिसमें भाजपा,

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राकांपा (अजित पवार) शामिल हैं – ने कुल 48 सीटों में से केवल 17 सीटें जीतीं। जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) जिसमें कांग्रेस, शिव सेना (यूबीटी) और शिव सेना (शरद पवार) शामिल हैं ने 30 सीटें जीती थीं। व्यक्तिगत स्तर पर, भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में जीती गई 23 सीटों के मुकाबले केवल नौ सीटें जीतीं। इसकी तुलना में विपक्षी कांग्रेस ने 13 सीटें जीतकर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि 2019 के लोकसभा चुनावों में उसने केवल एक सीट जीती थी, जिसमें उसने निराशाजनक प्रदर्शन किया था।

मुख्यमंत्री पद से हटने की फडणवीस की पेशकश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम एक सामूहिक जिम्मेदारी थी क्योंकि सभी तीन सत्तारूढ़ दल – भाजपा, उनके नेतृत्व वाली शिवसेना और राकांपा (शरद) (पवार)–सामूहिक रूप से चुनाव लड़ा था। (शेष पेज 9)

24 साल बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री पद से हटे नवीन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/भुवनेश्वर

ओडिशा में अपने 24 साल के शासन के अंत को चिह्नित करते हुए बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक ने राज्य में विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की हार के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों ने बताया कि पटनायक ने राजभवन में राज्यपाल रघुबर दास को अपना इस्तीफा सौंप दिया। पटनायक ने पहली बार 5 मार्च 2000 को ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। हालाँकि, बीजद के कई नेता पटनायक के आवास पर एकत्र हुए थे, लेकिन वह अपना इस्तीफा देने के लिए राज्यपाल के आवास अकेले गए। बीजद सुप्रीमो ने इंतजार कर रहे पत्रकारों की ओर केवल हाथ हिलाया और अपना त्यागपत्र सौंपने के बाद परिसर से चले गए। ओडिशा में बीजेपी 147 विधानसभा सीटों में से 78 सीटें हासिल कर सत्ता में आई, जबकि बीजेडी केवल 51 सीटें जीतने में कामयाब रही। कांग्रेस ने 14 निर्वाचन क्षेत्र जीते और सीपीआई (एम) ने एक सीट हासिल की, जबकि तीन निर्दलीय उम्मीदवार भी विजयी हुए। नतीजे मंगलवार को घोषित किये गये।

पटनायक और भाजपा तथा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष क्रमशः मनमोहन सामल और शरत पटनायक को ओडिशा विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। हालाँकि, पटनायक ने गंजम जिले में अपनी पारंपरिक हिन्जिली विधानसभा सीट से 4,636 वोटों के मामूली अंतर से जीत हासिल की, लेकिन पांच बार के

भुबनेश्वर में इस्तीफा देने राजभवन पहुंचे ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक राज्यपाल रघुबर दास के साथ।

पूर्व मुख्यमंत्री को बोलांगीर के कांताबांजी निर्वाचन क्षेत्र में एक नौसिखिए नेता से अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा।

बीजद सुप्रीमो कांताबांजी में भाजपा के लक्ष्मण बाग से 16,344 वोटों से हार गए। बाग को जहां 90,876 वोट मिले, वहीं पटनायक को 74,532 वोट मिले। यह पहली बार था जब पटनायक को अपने 26 साल के राजनीतिक करियर में चुनावी हार का सामना करना पड़ा। जबकि भाजपा विधानसभा में 78 सीटें हासिल करके ओडिशा में सत्ता में आई, पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल को चांदबाली क्षेत्र में बीजद के ब्योमकेश रे से 1,916 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। रे को जहां 83,063 वोट मिले, वहीं सामल 81,147 वोट ही हासिल कर सके। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरत पटनायक को इससे भी बुरी स्थिति का सामना करना पड़ा क्योंकि वह नुआपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में चौथे स्थान पर रहे, उन्हें केवल 15,501 वोट मिले। यह सीट बीजद उम्मीदवार राजेंद्र ढोलकिया को मिली, जिन्हें 61,822 वोट मिले, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार घासीराम माझी 50,941 वोट हासिल करके दूसरे स्थान पर रहे।

दुनिया ने ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए मोदी को सराहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विश्व नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी तीसरी पारी की जीत पर बधाई दी है। अमेरिका, रूस, श्रीलंका, मालदीव, ईरान, सेशेल्स के राष्ट्रपतियों और नेपाल, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, मॉरीशस के प्रधानमंत्रियों ने बधाई भेजी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को लोकसभा चुनाव में जीत के लिए बधाई दी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की, आम चुनावों में उनकी पार्टी की सफलता के लिए बधाई दी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी, कहा–ब्रिटेन और भारत की दोस्ती और प्रगाढ़ होगी। जी20 देशों में इटली, जापान के प्रधानमंत्रियों और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को बधाई दी है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी नरेंद्र मोदी को बधाई दी। चीन ने भी इस जीत की सराहना की। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने कहा, 'भारत ने दुनिया में सबसे बड़ा चुनाव संपन्न किया है! मेरे प्रिय मित्र, नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई। हम साथ मिलकर भारत और फ्रांस को एकजुट करने वाली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना जारी रखेंगे।' सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग (शेष पेज 9)

चुनाव नतीजों के झटके से उबरा सेंसेक्स 2,303 अंक चढ़ा

पीटीआई। मुंबई

चुनाव नतीजों के झटके से उबरते हुए स्थानीय शेयर बाजारों ने बुधवार को जोरदार वापसी की और बीएसई सेंसेक्स 2,300 अंक से अधिक की छलांग लगा गया। एनएसई निफ्टी भी 735 अंक के लाभ में रहा। लोकसभा चुनाव परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं रहने के कारण शेयर बाजार में मंगलवार को चार साल में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट आई थी। भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों की सरकार गठन को लेकर बातचीत के बाद बाजार चढ़ा है। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 2,303.19 अंक यानी 3.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,382.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 2,455.77 अंक तक चढ़ गया था। बैंक, वाहन तथा पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 735.85 अंक यानी 3.36 प्रतिशत उछलकर 22,620.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 785.9 अंक तक चढ़ गया था। सेंसेक्स और निफ्टी में शामिल सभी शेयर लाभ में रहे। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में भारी लिवाली से बाजार में तेजी आई। बुधवार को बाजार में आई तेजी से निवेशकों को 13.22 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। भाजपा की अगुवाई वाले राजग ने 543 सदस्ईय लोकसभा में 272 के बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है। लेकिन भाजपा 2014 के बाद पहली बार बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई और सरकार गठन के लिए उसे अपने सहयोगियों पर निर्भर रहना होगा।

एक पेड़ मां के नाम, अभिनव मुहिम शुरू

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' नामक एक अभिनव अभियान की शुरुआत की, जिसका लक्ष्य देश भर में लाखों पेड़ लगाना है। यह पहल, हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में पेड़ों के पोषण और जीवन-निर्वाह की भूमिका को उजागर करती है और माताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली देखभाल के समानांतर चित्रित करती है, जिसका लक्ष्य आने वाले महीनों में देश भर में लाखों पेड़ लगाना है।

सरकार ने 'संपूर्ण सरकार' और 'संपूर्ण समाज' दृष्टिकोण का पालन करते हुए सितंबर 2024 तक 80 करोड़ पेड़ और मार्च 2025 तक 140 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखने की भी योजना बनाई है। दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में एक पौधा लगाते हुए, मोदी ने नागरिकों से हैशटैग प्लांट4मदर का उपयोग करके अपनी माताओं के नाम पर लगाए गए पेड़ों की तस्वीरें साझा करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना भी मौजूद थे। केंद्र और राज्य सरकार के विभागों और स्थानीय निकायों को अभियान का समर्थन करने के लिए सार्वजनिक स्थानों की पहचान करने के लिए कहा गया है। इससे पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र को संबोधित किया, जिसमें जलवायु परिवर्तन से निपटने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया और एक टिकाऊ और हरित दुनिया के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि धरती माता की रक्षा करना एक मौलिक जिम्मेदारी है। अपनी ओर से, अधिकारी भी पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं। (शेष पेज 9)

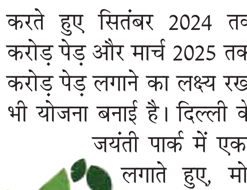

चुनावी झटके के बाद मोदी ने बढ़ाया योगी का मनोबल

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

लोकसभा चुनाव में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन को दरकिनार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, जिसका उद्देश्य उनके नेतृत्व के बारे में बढ़ती अटकलों के बीच उनका मनोबल बढ़ाना था। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर, मोदी ने उत्तर प्रदेश के विकास में योगी आदित्यनाथ के महत्वपूर्ण योगदान और वंचितों को सशक्त बनाने की दिशा में उनके प्रयासों पर प्रकाश डाला, उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की। चुनाव के बाद, योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए, लेकिन चुनावी नतीजों का विश्लेषण करने के लिए पार्टी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। झटके के बावजूद पीएम मोदी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के समर्थन को पार्टी के भीतर योगी की स्थिति मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

योगी ने जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया, विशेष रूप से प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन की सराहना की, जिसे उन्होंने आत्मनिर्भर और समृद्ध उत्तर प्रदेश की दिशा में काम करने के लिए प्रेरणादायक बताया। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने सुहेलदेव भारतीय

समाज पार्टी (एसबीएसपी), निषाद पार्टी, अपना दल (एस) तथा राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) जैसी विभिन्न जाति-आधारित पार्टियों के साथ गठबंधन के बावजूद अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वोटों को सुरक्षित करने में गठबंधन सहयोगियों की असमर्थता को चुनावी विफलता के लिए जिम्मेदार ठहराया। 400 सीटों के अपने राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने वाली भाजपा पीछे रह गई। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने अफसोस जताया, हमारे सहयोगी मतदाताओं को एकजुट करने में विफल रहे। जाति-आधारित नेताओं ने भाजपा को वोट देने के लिए अपना समर्थन आधार नहीं जुटाया। समाजवादी पार्टी (एसपी) के पीडीए फॉर्मूले से प्रतिस्पर्धा का सामना करते हुए, भाजपा ने राजभर वोटों को सुरक्षित करने की उम्मीद में एसबीएसपी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को एनडीए में फिर से शामिल कर लिया। (शेष पेज 9)

गाजियाबाद में अब विस उपचुनाव को लेकर रस्साकशी

● पांच लाख से अधिक वोट पाने वाली सपा-कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जोश बढ़ा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अतुल गर्ग की जीत के बाद अब गाजियबाद विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना तय हो गया है। माना जा रहा है कि आने वाले छह महीनें में चुनाव कराया जा सकता है। उपचुनाव में भाजपा का टिकट पाने की इच्छा रखने वाले नेताओं ने भागदौड़ शुरू कर दी है।

गाजियाबाद भाजपा का अभेद गढ़ बन चुका है। लोकसभा में तीन लाख से अधिक वोट से भाजपा के अतुल गर्ग जीत चुके हैं। अब विधानसभा सीट खाली हो गई है। चुनाव आयोग कुछ महीने में उपचुनाव की घोषणा कर सकता है। लोकसभा की ही तरह विधानसभा उपचुनाव में भी टिकट पाने के लिए भाजपा में सबसे ज्यादा भीड़ जुटेगी। क्योंकि इस चुनाव में भी भाजपा का टिकट जीत की गारंटी समझा जा रहा है। हालांकि जिस मजबूती से डॉली शर्मा चुनाव लड़ी और पांच लाख से अधिक वोट ले आईं उससे सपा-कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जोश और उमंग बढ़ चुकी है।

उपचुनाव लड़ने का सपना देख रहे भाजपा के नेता अपने-अपने राजनीतिक आकाओं से संपर्क साध रहे हैं। शहर विधानसभा सीट के लिए भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, अशोक मोंगा, अजय शर्मा, मयंक गोयल, बलदेव राज शर्मा, पृथ्वी सिंह, पंकज शर्मा समेत भाजपा के कई दिग्गज नेताओं ने पूरी गंभीरता के साथ अपने प्रयास शुरू कर दिए हैं।

विपक्षी दल इस बात को अब बखूबी समझ चुके हैं कि अगर मिलकर प्रयास किए जाएं तो भाजपा को हराना इतना मुश्किल भी नहीं है। भारतीय जनता पार्टी पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में गाजियाबाद से 5 लाख से भी अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज करती आ रही थी। परंतु इस बार सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी डॉली शर्मा से मिली चुनौती ने उसे परेशानी में डाल दिया है। चर्चा यह भी है कि लोकसभा में कम अंतर से जीत का असर शहर विधानसभा के उपचुनाव में भी पड़ सकता है और विपक्षी एकता भाजपा की जीत में रोड़ा भी अटका सकती है।

गाजियाबाद लोकसभा सीट से जीत करने के बाद बुधवार को अतुल गर्ग लोगों को धन्यवाद देते हुए।

जनता का भरोसा कायम है : रेनू चंदेला

गाजियाबाद। भाजपा महिला मोर्चा की महानगर महामंत्री रेनू चंदेला ने भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग की प्रचंड जीत पर गाजियाबाद लोकसभा के मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि जनता ने एक बार फिर भाजपा प्रत्याशी पर विश्वास जताया है। रेनू चंदेला ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिलना यह साबित करती है कि देश की जनता का भरोसा कायम है। रेनू चंदेला ने सांसद अतुल गर्ग को शुभकामनाएं देते हुए जिले की जनता का भी आभार व्यक्त किया है।

लोगों का विश्वास ही भाजपा की जीत है: अनिल अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा के महानगर संयोजक, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल यूपी के मेरठ मंडल अध्यक्ष व कपड़ा व्यापारी एसोसिएशन गाजियाबाद के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल सांवरिया ने भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग की गाजियाबाद लोकसभा सीट पर प्रचंड पर जीत खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस जीत के लिए गाजियाबाद वासियों का आभार है।

जिन्होंने इस सीट से पहली बार वैश्य चेहरे पर भरोसा जताया और प्रत्याशी ने भारी जीत हासिल कर इस भरोसे को कायम रखा। अनिल सांवरिया ने कहा कि आने वाले पांच साल में नए सांसद के नेतृत्व में गाजियाबाद का चहुंमुखी विकास होगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, व्यापारियों को भी लाभ होगा।

उन्होंने भाजपा प्रत्याशी की जीत पर मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए भाजपा के केन्द्र व प्रदेश नेतृत्व का भी आभार जताया, जिन्होंने अतुल गर्ग पर अपना विश्वास जताकर उन्हें चुनाव लड़ाया। इस जीत से गाजियाबाद के हर वर्ग में खुशी की लहर है।

पार्टी पूर्ण बहुमत में आती तो ज्यादा खुशी होती : अतुल

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव में मिली जीत के बाद अतुल गर्ग गौरवांवित हैं। मगर भाजपा को बहुमत नहीं मिलने से निराश भी हैं। वह कहते हैं कि कि अगर चार सौ पार का आंकड़ा मिल जाता तो उनकी जीत का मजा कई गुना ज्यादा हो जाता।

मतगणना परिणाम आने के बाद बातचीत में अतुल गर्ग ने कहा कि गाजियाबाद में भाजपा को जितना वोट मिलता आया है उतना वोट मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति के तहत कार्य करना और कार्यकर्ताओं की मेहनत है, जिसका परिणाम जीत के रूप में सामने आया है।

अतुल गर्ग ने कहा कि सांसद बनने के बाद कई कार्यों में गति लाने का प्रयास किया जाएगा। जैसे गाजियाबाद में एयरपोर्ट है लेकिन कई शहरों के लिए उड़ाने शुरू नहीं हो पा रही हैं। कोशिश की जाएगी कि गाजियाबाद की जनता को एयरपोर्ट का ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है, यहां ज्यादा से ज्यादा ट्रेनों का स्टॉपेज मिल सके इस पर काम किया जाएगा।

जीत का अंत कम होने की बात पर अतुल बोले कि अंतर कम होने की वजह गठबंधन प्रत्याशी को अपेक्षा से मिले ज्यादा वोट हैं। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय संगठन,कार्यकर्ताओं और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को दिया है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल है। अतुल गर्ग ने कहा कि अब गाजियाबाद में ही रहेंगे और जनता के लिए सहज उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनको राष्ट्र नायक नरेन्द्र मोदी के साथ काम करने का मौका मिलेगा, इसको महसूस करके ही वह रोमांचित हो जाते हैं। लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में बैठने का मौका मिला है इससे बड़ी बात कुछ हो नहीं सकती। ज्ञात हो कि गाजियाबाद से अतुल गर्ग ने करीब तीन लाख वोटों से जीत दर्ज की है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रेनो अधिकारियों की तरफ से पौधरोपण किया गया।

संदिग्ध परिस्थिति में किशोरी गायब

नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी से 12 वर्षीय किशोरी रहस्य में परिस्थिति में गायब हो गई । घटना की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई गई है । पुलिस किशोरी की तलाश में लगी है । पुलिस ने बताया कि जनपद बुलंदशहर के गांव निवासी एक परिवार बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के छपरौला गांव के पास एक कॉलोनी में मकान बनाकर रहते हैं । 28 मई को परिवार के लोग बुलंदशहर स्थित अपने गांव में गए थे । घर पर 12 वर्षीय किशोरी अकेली थी । जब वह शाम को घर वापस आए तो 12 वर्षीय किशोरी घर पर नहीं मिली । आसपास पूछताछ की गई कोई सुराग नहीं लगा । उसके बाद सगे संबंधियों के यहां भी संपर्क किया गया लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली । इस मामले में किशोरी के पिता ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है । पुलिस किशोरी की तलाश में लगी है ।

एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

नोएडा। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर मंगलवार की रात में एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है । पुलिस शिनाख्त करने की प्रयास में लगी है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार की रात में ट्रेन संख्या 12554 दिल्ली से कानपुर की तरफ जा रही थी । जब ट्रेन दादरी रेलवे स्टेशन के समीप आर ओ बी पुल के नीचे पहुंची तो पैदल लाइन पार कर रहे 40 वर्षीय व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया । जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई । ट्रेन चालक ने टूंडला कंट्रोल रूम को घटना की सूचना दी। टूंडला कंट्रोल रूम से रेलवे स्टेशन ददरी को जानकारी दी गई। जानकारी मिलने पर कांस्टेबल चरण सिंह को तत्काल घटना स्थल पर भेजा गया । वहां पर व्यक्ति के शव पड़ा हुआ था। सूचना पाकर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंच गई और मृतक की जेब से कोई आईडी नहीं मिली । आसपास के लोगों से मृतक की पहचान करने का पुलिस ने प्रयास किया । लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शवको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने के प्रयास में लगी है।

गौतमबुद्ध नगर व गाजियाबाद सीट पर फेल हुई राहुल गांधी-अखिलेश यादव की जोड़ी

● दोनों सीटों पर भाजपा का रहा दबदबा, रिकॉर्ड मतों से जीते महेश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पूरे उत्तर प्रदेश में डंका बजाने वाली दो लड़कों की जोड़ी आखिर नोएडा-गाजियाबाद में क्यों फेल हुई, इस बात को लेकर यहां के लोगों में तरह-तरह की चर्चा है। एक तरफ जहां भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का चुनाव भी काटे का रहा, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, अजय टेनी जैसे कद्दावर नेता चुनाव हार गए।

उल्लेखनीय है कि दादरी विधानसभा क्षेत्र में सपा प्रत्याशी डॉ महेंद्र नागर का गांव भी आता है। जेवर विधानसभा सीट पर जहां भाजपा ने 1,04,759 मत हासिल किया। वहीं सपा 31,228 और बसपा 62,662 मत हासिल कर पाई। गौतम बुद्ध नगर के तीनों विधानसभा सीटों में भाजपा प्रत्याशी की एक तरफा जीत रही। जबकि गठबंधन के प्रत्याशी बुरी स्थिति में रहे। भाजपा प्रत्याशी डॉ महेश शर्मा की जीत में दादरी और नोएडा विधानसभा सीट का महत्वपूर्ण रोल रहा। दोनों विधानसभा सीटों में उन्हें झोली भरकर वोट मिला। नोएडा विधानसभा सीट पर डॉक्टर महेश शर्मा को 75 प्रतिशत जबकि दादरी विधानसभा सीट पर उन्हें 65.32 फीसदी मत मिला। नोएडा विधानसभा सीट पर करीब पौने आठ लाख मतदाता हैं। यह सीट यहां के लोकसभा प्रत्याशी का भविष्य तय करने में अहम भूमिका निभाती है। इसके बावजूद भी सपा के नेताओं ने इस सीट पर भरपूर प्रयास नहीं किया। सपा के पुराने नेताओं का मानना है कि अगर नोएडा महानगर में के संगठन में चरण चुंबक के अलावा मजबूत, समर्पित और मेहनती लोगों को जिम्मेदारी दी जाती तो यह स्थिति इतर हो सकती थी। आलम यह था कि लोकसभा चुनाव के दिन नोएडा की कई सोसाइटियों और सेक्टरों में बूथ पर सपा का बस्ता भी नहीं लगा था।

क्षत्रिय ही नहीं सर्व समाज को साधने में सफल रहे महेश शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

क्षत्रिय समाज के विरोध की आशंका के बीच चुनाव मैदान में उतरे डॉक्टर महेश शर्मा ने इस समाज के मतदाताओं को साधने में सफलता हासिल की। डॉ महेश शर्मा जब लोकसभा चुनाव के लिए टिकट मांग रहे थे, उस समय क्षत्रिय समाज के कई लोग यहां से चुनाव लड़ने के लिए ताल ठोक रहे थे।

गौतम बुद्ध नगर में बी एन सिंह भी चुनाव लड़ने के लिए जी जोड़ तोड़ मेहनत कर रहे थे। इस बीच डॉक्टर महेश शर्मा पर आला कमान ने विश्वास जताते हुए उन्हें टिकट दे दिया। जैसे ही टिकट मिला क्षत्रिय समाज के लोगों के बीच उनके प्रति विरोध के स्वर उभरने लगे। क्षत्रिय बाहुल कई गांव में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी हुआ।

सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों से लोगों ने इसे खूब प्रसारित भी किया, लेकिन राजनीति के महारथी डॉक्टर महेश शर्मा ने जहां क्षत्रिय समाज के नेताओं को एक तरफ करते हुए सीधे क्षत्रिय समाज के लोगों से संवाद स्थापित किया। वहीं क्षत्रिय समाज के बड़े चेहरे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का दो बार गौतम बुद्ध नगर में रैली कराई, और चुनाव के अंतिम दिनों में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की रैली करवाकर उन्होंने बाजी पलट दी।

अलग-अलग स्थानों पर 5 ने की आत्महत्या

● मृतकों में बीएससी का छात्र शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर-61 स्थित पंचुली अपार्टमेंट में रहने वाले बीएससी के छात्र ने आठवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर लिया।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया (गेल) में काम करने वाले पीपी सिंह के बेटे अर्चित ने अपनी सोसाइटी के आठवीं मंजिल से नीचे छलांग लगा दिया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बीटा- दो क्षेत्र में रहने वाले रंजन पुत्र बिंदेश्वरी ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। दीप्ति शुक्ला पत्नी दीपक शुक्ला निवासी अजनारा ली गार्डन सोसायटी (29 वर्ष) ने मंगलवार को अपनी सोसाइटी की 13वीं मंजिल से छलांग लगा दिया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया की महिला की कुछ समय पूर्व शादी हुई थी।

अपर पुलिस उपायुक्त की निगरानी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि थाना फेस -दो क्षेत्र में रहने कुमारी कल्पना पुत्री हरी लाल उम्र 27 वर्ष ने अज्ञात कारण के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। वहीं जनपद के विभिन्न जगहों पर रहने वाले 9 लोगों की संदिग्ध हालात मे मौत हो गई है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना ईकोटेक-प्रथम क्षेत्र में रहने वाले मनोज कुमार पर 35 वर्ष की अज्ञात कारण से मौत हो गई है। उनके परिजनो के अनुसार वह ज्यादा शराब के सेवन करते थे। उन्होंने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र में रहने वाले एक अज्ञात व्यक्ति जिसकी उम्र 25 वर्ष है, उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि बिसरख थाना क्षेत्र में रहने वाले प्रेमचंद उम्र 36 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बादलपुर क्षेत्र में रहने वाले महेंद्र पाल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मथाना सूरजपुर क्षेत्र के घंटा चौक पर एक 27 वर्षीय व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है।

स्वर्ण आभूषणों के नीलामी की सार्वजनिक सूचना

केप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड - गोल्ड लोन
पंजीकृत और कॉर्पोरेट कार्यालय का पता 502, टावर ए, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत, पिनकोड - 400013. दूरभाष: 40888100, फैक्स: 40888170

सोने की नीलामी की सूचना
इसके द्वारा सभी संबंधितों की जानकारी के लिए सूचना दी जाती है कि कंपनी की निम्नलिखित शाखाओं के अंतर्गत गिरवी रखे गए सोने के आभूषण, जो रिडेम्प्शन के लिए अतिदेय थे और बार-बार नोटिस भेजने के बावजूद अब तक नहीं लौटाए गए हैं, हम संबंधित शाखाओं में **10th June 2024** को **11:00 AM** बजे नीलामी उसकी आयोजित करेंगे। ऐसे तालुकों/केंद्रों का पता हमारी वेबसाइट www.capriloans.in पर विधिवत प्रकाशित किया गया है। केप्री ग्लोबल के पास बिना किसी भी खाते को नीलामी सूची से हटाने का अधिकार है और बिना पूर्व सूचना के नीलामी की तारीख को रद्द करने/बदलने का भी अधिकार है।

नीचे शहर के नाम और गोल्ड लोन नंबर्स दिये गये हैं

Delhi-NCR - Dadri - GL2305322764, GL2305329825, GL2305348047, GL2305352291, GL2306374071, GL2306385171, GL2306398432, GL2306403592, GL2307446963, GL2307448650, GL2307450897, **Delhi -** GL2209017708, GL2301135183, GL2301141522, GL2302162966, GL2302181446, GL2302188914, GL2303213919, GL2303213924, GL2303221197, GL2303233151, GL2303241346, GL2303243497, GL2303245613, GL2304255834, GL2304256099, GL2304262247, GL2304266576, GL2304266650, GL2304267936, GL2304268822, GL2304272601, GL2304272668, GL2304274000, GL2304287686, GL2304288239, GL2304299055, GL2305308348, GL2305309128, GL2305316262, GL2305318069, GL2305319597, GL2305321025, GL2305323202, GL2305324943, GL2305325007, GL2305326681, GL2305329052, GL2305329498, GL2305333933, GL2305334510, GL2305337152, GL2305339373, GL2305339906, GL2305340327, GL2305341446, GL2305346592, GL2305347553, GL2305356075, GL2305357229, GL2305358129, GL2305359581, GL2305360054, GL2305362396, GL2305363889, GL2305364011, GL2305365649, GL2306366342, GL2306367419, GL2306372616, GL2306373082, GL2306373547, GL2306374019, GL2306375863, GL2306379176, GL2306379607, GL2306380199, GL2306380680, GL2306380922, GL2306381365, GL2306381799, GL2306382187, GL2306384750, GL2306385097, GL2306385653, GL2306386679, GL2306386691, GL2306388632, GL2306389572, GL2306389928, GL2306390235, GL2306390581, GL2306390677, GL2306392346, GL2306392692, GL2306393505, GL2306393772, GL2306394292, GL2306398423, GL2306400799, GL2306404035, GL2306406166, GL2306408894, GL2306409175, GL2306410645, GL2306413082, GL2306419126, GL2306421118, GL2306421325, GL2306422975, GL2306426376, GL2306426879, GL2306430322, GL2307434899, GL2307436176, GL2307437957, GL2307438261, GL2307441810, GL2307442504, GL2307445144, GL2307447192, GL2307449306, GL2307453468, GL2307453747, GL2307454805, GL2307454934, GL2307455087, GL2307457588, GL2307457745, GL2307458419, GL2307461794, GL2307462103, GL2307462689, GL2307466700, GL2307466948, GL2307466975, GL2307467693, GL2307473427, GL2307476326, GL2307478810, GL2307478944, GL2307479391, GL2307479942, GL2307481053, GL2307481120, GL2307481954, GL2307483321, GL2307484558, GL2307487734, GL2307488183, GL2307489398, GL2307490724, GL2307492045, GL2307492260, GL2307494025, GL2307495346, GL2307497033, GL2307501293, GL2308505580, GL2308506554, GL2308507293, GL2308508663, GL2308510325, GL2308512373, GL2308512632, GL2308517002, GL2308519192, GL2308520412, GL2308522173, GL2308523472, GL2308524640, GL2308526789, GL2308526885, GL2308532054, GL2308536008, **Ghaziabad -** GL2305340093, GL2305341306, GL2305341652, GL2307456132, GL2307457220, GL2307462522, GL2307498573, **Greater Noida -** GL2211055924, GL2307447443, **Noida -** GL2305347434

दिनांक:
6th June 2024

अधिकृत अधिकारी
(केप्री ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड)

इंडियन बैंक Indian Bank
लक्ष्मी नगर शाखा:
ए-11, भूतल, प्रियदर्शनी विहार लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092.
दूरभाष: 011-22420242.
ईमेल आईडी: Laxminagar.delhi@indianbank.co.in

कब्जा सूचना (अचल सम्पति हेतु)
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 8(1) के अंतर्गत

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन इंडियन बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हमारी इंडियन बैंक लक्ष्मी नगर शाखा के उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता अर्थात मेसर्स जे.के. फैशन को एक मांग सूचना दिनांक 03.07.2021 को जारी की गई थी जिसने सूचना मे उल्लेखित राशि रु. 25,83,240.31 (रु. पच्चीस लाख तिरासी हजार दो सौ चालीस और पैसे इकत्तीस मात्र) और दिनांक 03.07.2021 से भविष्य का ब्याज इत्यादि पूर्ण भुगतान की तिथि तक, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।

उधारकर्ता/गारंटर/ बंधककर्ता उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिये एतद्द्वारा उधारकर्ता/गारंटर/ बंधककर्ता तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने सम्पत्ति का कब्जा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) के नियम 8 और 9 साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप धारा (4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति पर दिनांक 04.06.2024 को कब्जा ले लिया है।

विशेष रूप से उधारकर्ता/गारंटर/ बंधककर्ता तथा सामान्य रूप से जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्तियो के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन बैंक, के प्रभार वास्ते बकाया राशि रु. 39,72,332.37 (रु. उनतालीस लाख बहत्तर हजार तीन सौ बत्तीस और पैसे सैंतीस मात्र) दिनांक 04.06.2024 तक और भविष्य का ब्याज, लागत, प्रभार एवं खर्चे इत्यादि सहित के अधीन होगा।

उधारकर्ता/गारंटर/ बंधककर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13(8) के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

*दिनांक 12.10.2021 का पूर्व कब्जा नोटिस वापस लिया जाता है।

अचल सम्पति का विवरण

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि यूजीएफ, प्लॉट नं. 5 (ओल्ड) और नया नं. 510, गली नं. 3, महारथी रोड, ज्वाला नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032. संपत्ति की चौहद्दी: उत्तर में – सड़क, दक्षिण में – अन्य की संपत्ति, पूरब में – गली, पश्चिम में – शेष भाग

दिनांक: 04.06.2024 । स्थान: नई दिल्ली हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी) इंडियन बैंक

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वच्छ मिनी मैराथन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

विश्व पर्यावरण दिवस पर नोएडा प्राधिकरण द्वारा नोएडा स्टेडियम में स्वच्छ मिनी मैराथन का आयोजन किया गया।

इस मौके पर मिनी मैराथन के जरिए नोएडावासियों को स्वच्छ रखने तथा पौधारोपण व जल संचयन को लेकर जागरूक किया गया। इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने हरी झंडी देकर स्वच्छता, मिनी मैराथन को रवाना किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य लोग आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों तथा सफाईकर्मियों को सम्मानित व पुरस्कृत भी किया गया।

इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के अलावा जनस्वास्थ्य विभाग के उप महाप्रबंधक एसपी सिंह, उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, आर.के. शर्मा, फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, महासचिव के.के. जैन, डीडीआरडब्ल्यूए अध्यक्ष एनपी सिंह तथा कई आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। 5 जून को शाम को सेक्टर-50 स्थित कम्युनिटी सेंटर एंड कल्चरल क्लब से पर्यावर्तन कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें 100 से अधिक बच्चों की पेंटिंग प्रदर्शित की जाएगी। गुरुकुल के बच्चों द्वारा पर्यावरण से संबंधित स्लोक व गायन किया जाएगा।

नोएडा स्टेडियम में आयोजित स्वच्छ मिनी मैराथन में शामिल हुए नोएडा विकास प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम।

इंडियन ओवरसीज बैंक
निठारी शाखा
बी-5, सैक्टर-31, निठारी, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा-201301, यू.पी.
ईमेल: iob0597@iob.in, फोन: 0120-2457261 | 0120-2457321

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी अधिनियम) की धारा 13(2) के अंतर्गत प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 (नियम) के नियम 3(1) के साथ पठित

1. चूंकि अधोहस्ताक्षरी सरफेसी अधिनियम के तहत इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी हैं और धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किया है, जिसमें नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों (जिन्हें आगे "उक्त उधारकर्ता" के रूप में संदर्भित किया गया है) से नोटिस में उल्लिखित राशि को नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार चुकाने के लिए कहा गया है।
2. उक्त नोटिस डाक अधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए वापस कर दिए गए हैं / उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों द्वारा विधिवत रूप से स्वीकार नहीं किए गए हैं। *इसलिए बैंक अत्यधिक सावधानी बरतते हुए मांग नोटिस का प्रकाशन कर रहा है। अतः नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम के अनुसार उक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों के अंतिम ज्ञात पते के परिसर में इन नोटिसों को चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां नीचे हस्ताक्षरकर्ता के पास उपलब्ध हैं और उक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों यदि चाहें तो किसी भी कार्य दिवस पर सामान्य कार्यालय समय के दौरान नीचे हस्ताक्षरकर्ता से उक्त प्रतियां प्राप्त कर सकते हैं।
3. उपर्युक्त पृष्ठभूमि के विरुद्ध, एक बार फिर उक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों को इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर इंडियन ओवरसीज बैंक को ऋण और अन्य दस्तावेजों के तहत नीचे दी गई/देय राशि का भुगतान करने के लिए नोटिस दिया जाता है। ऋण की उचित चुकौती के लिए सुरक्षा के रूप में, संबंधित पक्षों द्वारा निम्नलिखित परिसंपत्तियों को इंडियन ओवरसीज बैंक के पास नीचे दिए अनुसार गिरवी रखा गया है।

क्र. सं.	उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों का नाम एवं पता	कुल बकाया* रु. 36,69,898/- दिनांक 29.05.2024 तक (तिथि)	सुरक्षित आस्तियों का विवरण	मांग सूचना की तिथि
1.	श्री श्याम सेल्स (प्रोप नीती गर्ग, उधारकर्ता), अजय गर्ग (गारंटर) सीमा गर्ग, (गारंटर)	रु. 36,69,898/-	वाणिज्यिक दुकान जोकि दुकान सं. 01, भूतल, ब्लॉक एफ, महागुन मेपल मार्ट, और प्लॉट सं. 26, सेक्टर – 50, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में स्थित	06.05.2024

*उपरोक्त तिथि से भुगतान की तिथि तक अनुबंधित दरों/शेषों पर अतिरिक्त ब्याज के साथ देय होगा।
4. यदि उक्त उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर उपर्युक्त अनुसार इंडियन ओवरसीज बैंक को भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो इंडियन ओवरसीज बैंक उपरोक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों के विरुद्ध सरफेसी अधिनियम और नियमों की धारा 13(4) के अंतर्गत पूरी तरह से उक्त उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर के जोखिम, लागत और परिणामों पर कार्यवाही करेगा।
5. इसके अलावा, उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिए उनके पास उपलब्ध समय के संबंध में है।
6. उक्त उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर को सरफेसी अधिनियम के तहत सुरक्षित परिसंपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा भारतीय ओवरसीज बैंक की पूर्व लिखित सहमति के बिना हो।
कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम की धारा 29 के तहत दिए गए कारावास और/या जुर्माने के लिए उत्तरदायी होगा।

दिनांक: 03.05.2024
स्थान: नोएडा सेक्टर 31

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी,
इंडियन ओवरसीज बैंक

प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई भविष्य की झलक

● आरआरटीएस की उपयोगिता को लेकर छात्रों द्वारा बनाई गईं पेंटिंग्स की प्रदर्शिनी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में (एनसीआरटीसी) ने अपने कर्मचारियों और ऑपरेटर (डीबी आरआरटीएस इंडिया) के बच्चों के लिए नए भारत हरित भविष्य के लिए नए युग का परिवहन थीम पर ऑन-साइट ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की।

यह प्रतियोगिता गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन पर आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता एनसीआरटीसी के निरंतर जागरूकता अभियानों के अनुरूप आयोजित की गई, जिसके तहत दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के आसपास स्थित स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों में जागरूकता के लिए नुक्कड़-नाटक, नमो भारत ट्रेन राइड और ड्राइंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा चुकी हैं। इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य एनसीआर में आरआरटीएस को सार्वजनिक परिवहन के एक स्थायी साधन के रूप में बढ़ावा देना है, जिससे लोग स्वच्छ और हरित पर्यावरण की दिशा में योगदान दे सकें।

इस प्रतियोगिता में बच्चों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई, क्योंकि यह इन युवा कलाकारों के लिए गर्मी की छुट्टियों के दौरान अपनी रचनात्मकता और कल्पना को व्यक्त करने का एक उत्कृष्ट अवसर था। इस दौरान नैशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) के सहयोग से एक आकर्षक कहानी सत्र का भी आयोजन किया गया। इस सत्र में, विभिन्न प्रकार के इंटरैक्टिव गेम और गतिविधियों जैसे कि जैव विविधता डार्ट गेम, ओरिगेमी वर्कशॉप, पहेलियाँ, प्रश्नोत्तरी और सांप और सीढ़ी के खेल आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के विषय में जागरूकता भी हुई? इनका उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण के मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाना, संरक्षण के लिए बेहतर भविष्य के प्रति साझेदार बनाना और छात्रों को हमारे ग्रह के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाना था। इसके अतिरिक्त, स्कूली छात्रों के लिए पहले स्कूलों में आयोजित की गई ड्राइंग प्रतियोगिताओं में बनाई गई बेहतर तस्वीरों को प्रदर्शित के रूप में गाजियाबाद स्टेशन पर पेश किया गया। इन चित्रों और पेंटिंग्स में नमो भारत ट्रेनों और आरआरटीएस प्रणाली की स्थिरता और हरित पहलुओं को खूबसूरती से दर्शाया गया है।

राजधानी में चला प्रधानमंत्री मोदी का जादू

● भाजपा ने सभी सीटों पर लगातार तीसरी पर विजयी, चांदनी चौक और नई दिल्ली में भाजपा को मिली टक्कर

नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा की विजेता उम्मीदवार बांसुरी स्वराज का स्वागत करते प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व साथ में रामवीर सिंह बिधूड़ी। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समचार सेवा। नई दिल्ली

मोदी फैक्टर और भ्रष्टाचार के आरोपों पर आम आदमी पार्टी के खिलाफ लक्षित अभियान के दम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली की सभी सात सीट पर जीत हासिल की।

हालांकि वर्ष 2019 के चुनाव की तुलना में विजेताओं की जीत का अंतर सभी सात संसदीय क्षेत्रों में काफी कम हो गया। विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवारों (कांग्रेस और आम आदमी पार्टी) ने चांदनी चौक और नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर दी।

भाजपा को पड़ोसी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान जैसे हिंदी पट्टी के राज्यों में अपने गढ़ों में आश्चर्यजनक हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली में एक को छोड़कर बाकी सभी उम्मीदवारों को बदलने का भाजपा का दांव कामयाब रहा। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिले वोट आप और कांग्रेस उम्मीदवारों को मिले वोटों से भी ज्यादा थे। भाजपा का वोट प्रतिशत 2019 में 56.7 प्रतिशत से घटकर इस बार लगभग 54 प्रतिशत हो गया, हालांकि, यह पार्टी के 2014 की 46.6 प्रतिशत वोट हिस्सेदारी से अधिक है।

भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार शपथ लेते देखेंगे।

दिल्ली ने भ्रष्ट इंडिया गठबंधन को नकार दिया है और देश ने भी यही किया है। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि न केवल दोनों विपक्षी दल (आप और कांग्रेस) जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से एक साथ आने में विफल रहे, बल्कि दोनों दलों के समर्थकों और मतदाताओं के बीच विश्वास की कमी भी दिखी। उन्होंने कहा, यह उम्मीद की जा रही थी कि अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस और आप के मतदाता एक-दूसरे को वोट देंगे। जिस अंतर से भाजपा जीती, उसका मतलब है कि यह जमीनी स्तर पर पूरी तरह से हुआ नहीं।

आप ने 2019 में हुए लोकसभा चुनाव से अपने वोट प्रतिशत में सुधार किया है, जबकि कांग्रेस को इस बार झटका लगा। आप का वोट प्रतिशत 2019 में 18.2 प्रतिशत था जो इस बार बढ़कर लगभग 24 प्रतिशत हो गया जबकि कांग्रेस का वोट प्रतिशत 2019 में 22.6 प्रतिशत था जो इस बार घटकर लगभग 18 प्रतिशत रह गया। ज्ञात हो कि दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है और इस बार उसके विजई प्रत्याशियों में दो पूर्व महापौर, एक लोकप्रिय अभिनेता और एक पूर्व विदेश मंत्री की बेटी शामिल हैं।

भाजपा सांसदों ने जीत का श्रेय पीएम को दिया

● पार्टी मुख्यालय पर आयोजित एक समारोह में सभी उम्मीदवारों को सम्मानित किया गया

● सभी ने कहा, पूरी निष्ठा से दिल्ली की जनता की सेवा करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की सात संसदीय सीटों से नवनिर्वाचित भाजपा सांसदों ने बुधवार को अपनी जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया और दावा किया कि अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में आएगी। दिल्ली में लगातार तीसरी बार भाजपा की जीत के एक दिन बाद, प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी नेताओं द्वारा एक समारोह में सातों नवनिर्वाचित सांसदों को सम्मानित किया गया।

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मोदी को राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी के इस शानदार प्रदर्शन का नायक करार दिया और कहा कि 1952 के बाद पहली बार किसी पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी में लगातार सभी लोकसभा सीटें जीती हैं। उन्होंने कहा, अब अगले साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य है। सचदेवा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में मिली भारी जीत के बाद पार्टी की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं और पार्टी के नवनिर्वाचित सांसद पूरी निष्ठा से दिल्ली की जनता की सेवा करेंगे तथा उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज ने कहा कि यह जीत मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं में लोगों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से नवनिर्वाचित सभी सात सांसद मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से मनोज तिवारी, उत्तर-पश्चिम दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया और चांदनी चौक सीट से प्रवीण खंडेलवाल सहित नवनिर्वाचित भाजपा सांसदों ने लोगों को विकास के लिए काम करने और उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

उत्तर-पश्चिम दिल्ली सीट पर पड़े ज्यादा नोटा को वोट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय राजधानी की सात सीटों पर नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) के तहत पड़े कुल 45,554 मतों में से सबसे अधिक 8,984 मत उत्तर-पश्चिम दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में पड़े। यह जानकारी चुनाव आयोग के आंकड़ों से प्राप्त हुई है। इस (उत्तर-पश्चिम दिल्ली) निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के योगेंद्र चंदोलिया ने कांग्रेस के उदित राज को 2,90,849 मतों के अंतर से हराया। इस चुनाव में हालांकि दिल्ली के निर्वाचन क्षेत्रों में नोटा मतों की कुल संख्या में मामूली गिरावट देखी गई, जो 2019 में 45,629 से घटकर इस बार 45,554 रह गई। सबसे कम नोटा वोट नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में डाले गए, जहां भाजपा की बांसुरी स्वराज का मुकाबला आम आदमी पार्टी (आप) के सोमनाथ भारती से था। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 4,813 मतदाताओं ने इस विकल्प को चुना। नोटा विकल्प मतदाताओं को चुनाव मैदान में मौजूद सभी उम्मीदवारों को खारिज करने का विकल्प देता है। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद सितंबर 2013 में इसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में शामिल किया गया था।

चांदनी चौक निर्वाचन क्षेत्र में 5,563 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना। इस सीट से भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल ने 89,325 मतों के अंतर से जीत हासिल की। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दो पूर्वांचली नेताओं- भाजपा के मनोज तिवारी और कांग्रेस के कन्हैया कुमार- के बीच सीधा मुकाबला था। इस सीट पर 5,873 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना। पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में यह आंकड़ा लगभग करीब था, जहां 5,394 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना, जबकि दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में 5,961 मतदाताओं ने ऐसा ही किया। नोटा के लिए दूसरा सबसे बड़ा वोट पश्चिमी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में पड़ा, जहां 8,699 वोट पड़े। यहां आप के महाबल मिश्रा का मुकाबला भाजपा की कमलजीत सेहरावत से था।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने हाल ही में नोटा को प्रतीकात्मक प्रभाव वाला बताया था और कहा था कि अगर किसी सीट पर इसे 50 प्रतिशत से अधिक वोट मिलते हैं, तभी चुनाव परिणामों पर इसे कानूनी रूप से प्रभावी बनाने पर विचार किया जा सकता है। रावत ने कहा था कि अगर 100 में से 99 वोट नोटा विकल्प के पक्ष में जाते हैं और किसी को एक वोट मिलता है, तब भी उम्मीदवार विजयी होगा।

दिल्ली में भाजपा की जीत का कम रहा अंतर : आप

● संदीप पाठक ने कहा, इंडिया गठबंधन ने विपरीत परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में लोकसभा चुनाव में भले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत हुई है लेकिन इस बार जीत का अंतर कम है।

आप के राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस ने विपरीत परिस्थितियां होने के बावजूद काफी अच्छा प्रदर्शन किया। दिल्ली में इस बार जीत का अंतर कम था। यहां मतदाता लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए और विधानसभा चुनावों में आप और अन्य दलों के लिए वोट करना पसंद करते हैं। दिल्ली में आप -कांग्रेस गठबंधन को एक भी सीट नहीं मिली और भाजपा ने 2019 की तरह इस बार भी सभी सात लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की। पंजाब में सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ा। आप ने राज्य में तीन सीट जीती। पाठक ने कहा, पिछले चुनावों में हमने एक सीट जीती थी और हमारा मत प्रतिशत सात फीसदी था। इस बार हमने तीन सीट जीती और दो अन्य सीट पर कड़ी चुनौती दी। हमने और सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया था हालांकि, हमारा मत प्रतिशत बढ़ा है।

केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार

● विशेष न्यायाधीश ने अधिकारियों को न्यायिक हिरासत में चिकित्सकीय जरूरतों को ध्यान रखने के निर्देश दिए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में स्वास्थ्य आधार पर जमानत देने का आग्रह करने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका बुधवार को खारिज कर दी।

विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों को न्यायिक हिरासत में केजरीवाल की चिकित्सकीय जरूरतों का ध्यान रखने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 19 जून तक के लिए बढ़ा दी। अदालत मामले में वैधानिक जमानत का आग्रह करने वाली केजरीवाल की याचिका पर सात जून को सुनवाई कर सकती है। शनिवार को सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आवेदन का विरोध करते हुए कहा था कि उन्होंने पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार किया लेकिन अब जब उन्हें आत्मसमर्पण करना है तो वह अचानक बीमार होने का दावा कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक ने रविवार को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण कर दिया क्योंकि उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई उनकी अंतरिम जमानत की अवधि एक जून को समाप्त हो गई थी।

यह मामला दिल्ली सरकार की 2021-22 के लिए आबकारी नीति बनाने और उसे लागू करने में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन से संबंधित है। इस नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। विशेष न्यायाधीश बावेजा ने कहा था कि आवेदन चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत देने के लिए है, न कि उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम जमानत के विस्तार के लिए।

शीर्ष अदालत ने 10 मई को मुख्यमंत्री को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए 21 दिन की अंतरिम जमानत दी थी। तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और महाराष्ट्र में प्रचार किया। केजरीवाल की अर्जी पर सुनवाई के दौरान उनके वकील ने अदालत को बताया कि उनका मुवक्किल बीमार है और उसे इलाज की जरूरत है।

तिहाड़ में सुनीता और राघव से मिले मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने बुधवार को यहां तिहाड़ जेल में मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि जेल नियमों के अनुसार दोनों को दोपहर एक बजे आधे घंटे के लिए आगंतुक कक्ष में आप प्रमुख से मिलने की अनुमति दी गई। नियमों के अनुसार, जेल में एक कैदी से दो आगंतुक हफ्ते में दो बार मिल सकते हैं। कैदी को अपने परिवार के सदस्यों से प्रतिदिन पांच मिनट तक फोन पर बात करने की भी अनुमति है। जेल के एक सूत्र ने यह भी बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने मंगलवार को अपनी कोठरी में टेलीविजन पर लोकसभा चुनाव के नतीजे देखे। जेल अधिकारियों के अनुसार, मधुमेह के मरीज केजरीवाल की निगरानी के लिए दो डॉक्टर हैं और उन्हें रोजाना इंसुलिन दी जा रही है।

दिल्ली मेट्रो को मिला कार्बन न्यूट्रल प्रमाण पत्र

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को कार्बन न्यूट्रल का प्रमाण पत्र मिला है। परिवहन प्रणाली में शहर में प्रदूषण को 630,000 टन प्रतिवर्ष के स्तर पर कम करने में सहायता होने का प्रमाण मिला था। यह सर्टिफिकेट नोएडा के सेक्टर-50 में डीएमआरसी के स्टाफ क्वार्टर को कार्बन न्यूट्रल के रूप में प्रमाणित करने के बाद मिली है।

आंखों के अस्पताल में भीषण आग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण पूर्व दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में बुधवार को आंखों के एक निजी अस्पताल में भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि दो मंजिला इमारत के भूतल पर शॉर्ट सर्किट के कारण एक एयर कंडीशनर में आग लगी। सोशल मीडिया पर अस्पताल में आग लगने के बारे में कई वीडियो प्रसारित हो रहे हैं। एक वीडियो में अस्पताल की इमारत से आग की लपटें निकलते हुए और आसमान में काले धुएं का गुबार उठते हुए देखा गया।

अधिकारियों ने बताया कि आई 7 चौधरी आई सेंटर में आग लगने के बारे में सूचना सुबह करीब साढ़े 11 बजे मिली और घटनास्थल पर दमकल की 12 गाड़ियों को भेजा गया है। बाद में और पांच गाड़ियों को भेजा गया।

एमसीडी एक जुलाई से चेक से नहीं स्वीकारेगा संपत्ति कर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चेक बाउंस के मामलों को देखते हुए आगामी एक जुलाई से चेक के माध्यम से संपत्ति कर का भुगतान स्वीकार नहीं करेगा।

एमसीडी ने बुधवार को बयान में कहा कि अगले महीने से संपत्ति कर का भुगतान डिजिटल तरीके से यूपीआई, वॉलेट, डिमांड ड्राफ्ट, पे ऑर्डर या किसी भी ऑनलाइन भुगतान माध्यम के जरिए करना होगा। निकाय ने कहा, चेक बाउंस होने से उत्पन्न कानूनी मुद्दों के कारण इस माध्यम से संपत्ति कर का भुगतान जुलाई से बंद कर दिया जाएगा।

एमसीडी ने संपत्ति मालिकों और खाली पड़ी जमीनों और इमारतों पर कब्जा करने वालों से वर्ष 2024-25 के लिए कर का भुगतान करने और 30 जून से पहले एकमुश्त भुगतान पर 10 प्रतिशत की छूट पाने की भी अपील की है। कर भुगतान के लिए संपत्ति मालिक निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉग इन कर सकते हैं।

दिल्ली नगर निगम (संशोधन) अधिनियम के अनुसार, दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी इमारतें और खाली भूमि संपत्ति कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस : पौधे लगा जलवायु परिवर्तन पर लगेगी रोक

● स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग में चलाया पौधरोपण अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गार्डन कमेटी के सहयोग से अपने परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया। एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सतत प्रथाओं के महत्व को रेखांकित करना था। इस पौधारोपण अभियान में संकाय, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की उत्साही भागीदारी रही। इस अवसर पर एसओएल के प्रिंसिपल प्रो. अजय जायसवाल भी उपस्थित रहे। इसके पश्चात प्रो. पायल मागो ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह को भी पौधा भेंट करके विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई दी।

अपने संबोधन के दौरान प्रो. पायल मागो ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। स्थिरता की दिशा में एक प्रतीकात्मक संकेत के रूप में, उन्होंने एसओएल के पूरे परिसर में रोजाना एक घंटे के लिए एयर कंडीशनिंग इकाइयों को बंद करने की प्रतिबद्धता की घोषणा भी की। यह प्रतिज्ञा कार्बन उत्सर्जन को कम करने के वैश्विक आह्वान के साथ संरेखित है(

51000 पेड़ लगाने का लिया संकल्प

नई दिल्ली। *पालम 360 खाप के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने 5 जून पर्यावरण दिवस के अवसर पर पेड़ लगाकर पर्यावरण बचाओ का संदेश दिया । खाप अध्यक्ष ने कहा की पालम 360 खाप पर्यावरण बचाने के लिए 51000 पेड़ दिल्ली में लगाएगी जिससे धरती को बचाया जा सके। दिल्ली प्रदेश में पेड़ लगाकर बढ़ते हुए तापमान को काबू करने के लिए व बिगड़ते पर्यावरण की चुनौती का सामना करने के लिए आज खाप अध्यक्ष ने पेड़ लगाकर इस मुहिम की शुरुआत की।*

बच्चों को दी पर्यावरण संरक्षण की सीख

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, 'मेरा प्लैनेट, मेरा घर' अभियान के तहत 5-12 वर्ष की आयु के बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के साथ पर्यावरण संरक्षण की सीख भी दी गई। सेसमी वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट की पहल 'मेरा प्लैनेट, मेरा घर' एक पर्यावरण साक्षरता पाठ्यक्रम है, जो 5-12 वर्ष के बच्चों को अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करता है। ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी, सोनाली न ने कहा हमारी पहले में छोटे नागरिकों को इस अभियान में शामिल करना है ताकि हम बच्चों के टिकाऊ भविष्य को आकार दे सकें।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में डीयू रहा अव्वल

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: 2025

● भारत के शीर्ष 10 संस्थानों में 79 रैंक का हुआ सुधारः कुलपति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2025 में दिल्ली विश्वविद्यालय ने भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही देश भर के अन्य संस्थानों की सूची में पिछले वर्ष के 9वें स्थान के मुकाबले डीयू इस बार 7वें स्थान पर पहुंचा है। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि भारत के शीर्ष 10 संस्थानों में दिल्ली विश्वविद्यालय ने 79 रैंक ऊपर उठकर सबसे अधिक प्रगति की है। इस उपलब्धि के लिए कुलपति ने सम्पूर्ण दिल्ली विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी।

उन्होंने कहा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के अकादमिक वातावरण एवं राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान की बदौलत डीयू निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कुलपति ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2025 में वैश्विक स्तर पर 328वां स्थान प्राप्त किया है जोकि पिछले वर्ष की रैंकिंग में 407वें स्थान से काफी बेहतर है। इम्प्लॉयमेंट आउटकम्स एवं सस्टेनेबिलिटी में भारत के संस्थानों में दिल्ली विश्वविद्यालय पहले स्थान पर रहा है। इनके अलावा इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क में तीसरा, अकादमिक रेप्युटेशन में पांचवाँ तथा एम्प्लॉयर रेप्युटेशन में डीयू को आठवां स्थान मिला।

कुलपति ने बताया कि वैश्विक स्तर पर नौ संकेतकों में से चार संकेतकों में दिल्ली विश्वविद्यालय को 270 संस्थानों में शामिल किया गया है। इनमें इम्प्लॉयमेंट आउटकम्स में 44वां, सस्टेनेबिलिटी में 220वां, अकादमिक रेप्युटेशन में 225वां और एम्प्लॉयर रेप्युटेशन में 269वां स्थान मिला है। प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस बार नौ प्रदर्शन संकेतकों में से पिछले साल के मुकाबले पाँच में सुधार किया है। इनमें से एक है सस्टेनेबिल्टी संकेतक जिसके तहत शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र के रूप में विश्वविद्यालयों के सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है।

दूसरा है अकादमिक रेप्युटेशन संकेतक जिसे वैश्विक शिक्षाविदों की धारणाओं का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि कौन से संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर रहे हैं। तीसरा संकेतक है एम्प्लॉयर रेप्युटेशन जो वैश्विक नियोक्ताओं की धारणाओं का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि कौन से संस्थान सबसे अधिक नौकरी के लिए तैयार स्नातक प्रदान कर रहे हैं। चौथा संकेतक है अनुसंधान नेटवर्क जो किसी संस्थान की अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान साझेदारी की समृद्धि और विविधता का आकलन करता है।

गुड़गांव में मेरे 7.33 लाख परिवार: राज बब्बर

कांग्रेस नेता बोले, वे किसी के विरोधी नहीं, अब गुड़गांव को ही राजनीतिक कर्मभूमि बनाकर करेंगे काम

- मतगणना से पहले राव इंद्रजीत को दी थी शुभकामनाएं बदले में उन्होंने भी दी

संजय कुमार। मेहरा गुरुग्राम

गुरुग्राम में पत्रकारों से बात करते कांग्रेस के उम्मीदवार राज बब्बर।

गुड़ांव लोकसभा चुनाव 2024 में 733257 वोटों से पराजित हुए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राज बब्बर ने कहा कि गुड़गांव में वे यहां हार-जीत के लिए नहीं, जनता का दिल जीतने के लिए आए थे। उसमें वे कामयाब रहे हैं। मुंबई में उनका एक छोटा सा परिवार है और गुड़गांव में उनके 7 लाख 33 हजार परिवार बने हैं। वे यहां सेक्टर-15 पार्ट-1 में अपने चुनाव कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे।

राज बब्बर ने मीडिया का शुक्रिया करते हुए कहा कि उनके लिए आज का दिन नई शुरुआत करने का है। गुड़गांव की जनता के वे आभारी हैं कि उनके पूर्वजों की धरती ने उन्हें अपनाया है। उन्होंने कहा कि जहां पैदा हुआ हूं, वहां भी इतनी तादाद में नहीं अपनाया, जितना गुड़गांव ने अपनाया है। चुनाव में प्रचार के मात्र 18 दिन ही सही से काम कर पाया। तीन मई को उन्होंने नामांकन किया था। पांच को चुनाव प्रचार में उतरे और 23 मई तक 18 दिन खूब मेहनत की। रोजाना 50 हजार लोगों तक पहुंचे और उन्हें अपना बनाया। लोगों ने ही अहसास करा दिया कि मैं बाहरी नहीं हूं। बहुत से लोगों तक पहुंच भी नहीं पाए। राज बब्बर ने कहा कि गुड़गांव को उन्हें वचन दिया था कि वे चुनाव लड़ने नहीं आए। जीतने-हारने नहीं आए, दिलों में बसने आए हैं। वह काम किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जो कुछ कहा गया हो, गुड़गांव के लोगों ने उनका साथ दिया है। अब वे गुड़गांव की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते रहेंगे। जिन्हें जनता ने प्रतिनिधि चुना है, उनसे बात करके समाधान कराएंगे। राज बब्बर ने कहा कि इतनी अधिक गर्मी में भी उन्होंने जनता के बीच में रहकर काम किया। भविष्य में भी वे गुड़गांव की जनता के बीच रहेंगे। आज से वे अपने लोकसभा क्षेत्र में धन्यवादी दौरे शुरू कर रहे हैं। पहले दिन वे मेवात में जा रहे हैं। गुरुवार को दूसरे दिन रेवाड़ी, बावल, पटौदी में जाएंगे। शुक्रवार को गुड़गांव, सोहना और बादशाहपुर जाकर लोगों का आभार जताएंगे। गुड़गांव का हर व्यक्ति उनके लिए सम्मानित है।

राज बब्बर ने कहा कि मतगणना से एक दिन पहले उन्होंने राव इंद्रजीत को फोन करके शुभकामनाएं दी थीं। बदले में राव इंद्रजीत ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मैंने कभी किसी की अदावत नहीं की। किसी के खिलाफ नहीं बोला। चुनाव में हार के विश्लेषण की बात पर राज बब्बर ने कहा कि विश्लेषण तब होता है जब आप जनता ने अस्वीकार किए हों। यहां तो जनता ने खूब प्यार दिया है। उन्होंने यह जरूर कहा कि टिकट की घोषणा थोड़े दिन पहले हो जाती तो और अधिक लोगों तक पहुंच पाते। उन्होंने बीजेपी के 400 पार के नारे को लेकर कहा कि उनका क्या हुआ। अब नीतीश, नायडू का इंतजार कर रहे हैं। एगिजट पोल पर उन्होंने कहा कि मीडिया घरानों को सोचना चाहिए। अपने दायित्व को ठीक से निभाना चाहिए।

कैप्टन का दावा, मुझे टिकट मिलता तो एक लाख वोटों से जीतता

गुरुग्राम। गुड़गांव लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राज बब्बर की हार को गलत टिकट आवंटन को बताया है। यहां पत्रकारों से बातचीत में कैप्टन अजय यादव ने कहा कि उन्हें टिकट मिलती तो एक लाख वोटों से जीत होती। साथ ही उन्होंने कहा कि राज बब्बर अच्छा चुनाव लड़े हैं। उन्होंने कहा कि राज बब्बर को लाने की चूक जिसकी भी थी, ये एक बहुत बड़ी चूक है। जो राज बब्बर को लेकर आया है गलती उसकी है ना कि राज बब्बर की। उन्होंने कहा कि राज बब्बर को चुनाव के ऐन वक्त पर नहीं बल्कि 6 महीने पहले लाना चाहिए था। कैप्टन अजय यादव ने कहा कि राज बब्बर 6 महीने पहले यहां आकर तैयार करते तो जरूर जीत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि गुरुग्राम लोकसभा सीट से पंजाबियों से जितने वोटों की उम्मीद थे, उतने नहीं मिपाए। कैप्टन ने कहा कि अगर वे स्वयं होते तो करीब 45 प्रतिशत यादव वोट उन्हें मिलते।

गुरुग्राम पुलिस की गिरफ्त में एटीएम से रुपये चोरी करने के आरोपी।

एटीएम मशीन के पावर प्लग में चिप लगाकर निकालते थे रुपये

- शिकायत मिलने पर पुलिस ने दो युवतियों व 3 पुरुषों को पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एटीएम मशीनों से रुपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो युवतियां भी शामिल हैं। एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने बुधवार को बताया कि आरोपियों के पास से वारदात में प्रयोग की गई गाड़ी व 23200 रुपये नकदी बरामद हुई है।

एक्सिस बैंक के एटीएम से रुपये चोरी होने की शिकायत बैंक के प्रबंधक ने 3 जून को दी थी। उन्होंने कहा था कि 2-3 जून की रात को सेक्टर-10 स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम से कुछ लोगों ने रुपयों की चोरी कर ली है। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू की। पुलिस थाना सेक्टर-10 की पुलिस टीम ने इस अपराध में 2 महिलाओं सहित 5 आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों की पहचान अहसान, नंदिनी, महक, रईस व अशफाक के रूप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपी अहसान, नंदिनी, महक को 3 जून को सेक्टर-10 गुरुग्राम से तथा आरोपी रईस व अशफाक को बुधवार 5 जून को पिनगवां जिला नूंह से काबू किया। आरोपी अहसान पिनगंवा का रहने वाला है। नंदिनी पठानपुरा शाहदरा दिल्ली, महक भोलानाथ नगर शाहदरा दिल्ली, रईस पिनगवां व अशफाक कस्बा खानपुर जिला ओरैया यूपी का रहने वाला है। वह फिलहाल पिनगवां रहता है।

आरोपी ऐसे अंजाम देते थे चोरी की घटना को

पुलिस पूछताछ में आरोपियों से पता चला है कि वे एटीएम मशीन के पावर प्लग में एक चिप सेट लगा देते थे और रिमोट के माध्यम से मशीन को स्विच ऑफ व ऑन कर देते थे। जब भी कोई व्यक्ति रुपये निकालने का प्रोसेस करता तो वे रुपये निकलने से ठीक पहले मशीन को बंद कर देते थे। इसके बाद आरोपी महिलाएं रुपये निकालने आए व्यक्ति को समझातीं कि आपके रुपये 24 घंटे में आपके खाते में वापस आ जाएंगे। जब वह व्यक्ति वापस चला जाता तो ये कैश ट्रे से रुपये निकाल ले जाते। आरोपियों ने इस तरह से एटीएम से रुपये चोरी करने की दो वारदात दिल्ली में, एक वारदात फरीदाबाद में व एक वारदात गुरुग्राम में की।

कांग्रेस की हार में अपनों ने भी निभाई भूमिका

- पार्टी के कद्दावर नेताओं का नहीं मिल पाया साथ
- आम आदमी पार्टी ने भी गठबंधन धर्म सही से नहीं निभाया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लोकसभा चुनाव-2024 के मात्र 24 दिन पहले टिकट लेकर गुड ?ांव पहुंचे इंडिया गठबंधन प्रत्याशी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज बब्बर को सिर्फ भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह ने नहीं हराया, बल्कि यहां के कांग्रेसी नेताओं की निष्क्रियता से भी वे हारे हैं। साथ ही आम आदमी पार्टी ने भी गठबंधन धर्म ठीक से नहीं निभाया।

राज बब्बर ने बेटी, दामाद के साथ भीषण गर्मी में खूब पसीना बहाया, मगर सोशल मीडिया पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले नेताओं ने उनके लिए मेहनत नहीं की। कुछ नेता मजबूती से साथ खड़े रहे। कुछ नेता बब्बर के साथ फोटो सेशन में ही व्यस्त रहते थे। जनता के बीच जाकर वोट प्रतिशत बढ़ाने का काम ये नेता नहीं कर पाए। वर्ष 1991 से 1996 तक तीन बार मंत्री रहे राव धर्मपाल सिंह अंतिम बार बादशाहपुर विधानसभा सीट से विधायक बने थे। उनकी मजबूत सीट रही बादशाहपुर से बहुत बड़े अंतर से राज बब्बर हारे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ चुके पूर्व मंत्री स्वर्गीय राव धर्मपाल सिंह के पुत्र विरेंद्र सिंह का इस चुनाव में क्या योगदान रहा।

कांग्रेस के जहां मजबूत नेता नहीं थे वहां से कांग्रेस जीती। जहां नेता खुद को मजबूत दिखा रहे थे वहां से कांग्रेस हार गई। ऐसी तस्वीर बादशाहपुर की भी रही और पटौदी विधानसभा की भी। नेताओं ने राज बब्बर का अपने स्तर पर चुनाव प्रचार में कोई ध्यान नहीं दिया। कुछ नेता सेलिब्रिटी राज बब्बर के साथ-साथ रहने में ही खुद को प्रमोट कर रहे थे। सबके साथ आत्मीयता से मिलना राज बब्बर का स्वभाव है, लेकिन अपने साथ रहने वाले नेताओं की कार्यप्रणाली पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। आम आदमी पार्टी का भले ही इंडिया गठबंधन के तहत राज बब्बर का साथ हो, लेकिन जमीनी स्तर पर आम आदमी पार्टी को राज बब्बर से शायद कोई सरोकार ही नहीं था। टिकट ना मिलने पर रूठे पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव को भले ही राज बब्बर ने मना लिया हो, लेकिन उनके प्रचार में कैप्टन अजय यादव उनके विधायक पुत्र चिरंजीव राव का कोई रोल नजर नहीं आया। हालांकि राज बब्बर उनके लिए यह जरूर कहते रहे कि वे साथ मेहनत कर रहे हैं। गुड़गांव से पूर्व मुख्यमंत्री के करीबी एवं पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया भी चुनाव में कटे से नजर आए। उन्होंने भी चुनाव में अपने स्तर पर कुछ खास नहीं किया। यह हाल तो तब रहा जब राज बब्बर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की पसंद के उम्मीदवार थे और सुखबीर कटारिया हुड्डा खेमे के नेता हैं। यह जरूरी नहीं कि जब भूपेंद्र सिंह हुड्डा आएं, तभी सुखबीर कटारिया सरीखे नेता मैदान में हों। संगठन के लिए उनकी यह नैतिक जिम्मेदारी बनती थी कि वे चुनाव प्रचार में निकलते। हालांकि संगठन के तौर पर ऐसा अभाव भारतीय जनता पार्टी में भी नजर आया, लेकिन कांग्रेस को यहां स्थापित होना था। उनके लिए जमीनी स्तर पर मजबूती के लिए मेहनत जरूरी थी, जो नहीं की गई।

नूंह जिले से राव तो बादशाहपुर व पटौदी विधानसभा से राज बब्बर को मिली हार

- सोहना में रहा कांटे का मुकाबला, भाजपा को 6100 वोट अधिक मिले

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

18वीं लोकसभा के लिए 2024 के चुनाव में गुड़गांव लोकसभा का चुनाव काफी दिलचस्प रहा। बेशक इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राज बब्बर चुनाव हार गए हों, लेकिन उन्होंने भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह को कड़ी टक्कर दी। राज बब्बर को गुड़गांव लोकसभा में 9 विधानसभाओं में से गुड़गांव विधानसभा, बादशाहपुर और पटौदी विधानसभा से बड़ी हार मिली, वहीं राव इंद्रजीत सिंह को पूरे नूंह जिला से हार मिली।

इंद्रजीत की जीत में उनके गृह नगर की रेवाड़ी सीट से भी अधिक गुड़गांव से बादशाहपुर की सीट से मदद मिली। इस चुनाव में बीजेपी के राव इंद्रजीत को 808336 वोट मिले हैं, जबकि इंडिया गठबंधन के राज बब्बर को 533257 लाख वोट मिले हैं। हार-जीत का अंतर 75079 वोटों का रहा। गुड़गांव विधानसभा की बात करें तो यहां से भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह को 162825 वोट मिले, वहीं राज बब्बर को मात्र 60825 वोट मिले। एक लाख से भी अधिक के अंतर से वे गुड़गांव विस से हारे। बादशाहपुर विधानसभा से राव इंद्रजीत सिंह को 196805 वोट, जबकि राज बब्बर को 75081 वोट मिले। इसमें इंद्रजीत सिंह को 121724 वोटों की बढ़त मिली। यहीं से हार-जीत की स्थिति साफ हो गई थी। विशेष बात यह है कि बादशाहपुर से जितने वोट राज बब्बर को मिले उनसे मात्र दो कम वोटों से उनकी हार हुई। यानी 75079 वोटों से वे हारे। बात करें पटौदी विधानसभा (सुरक्षित) की तो यहां से भी इंद्रजीत सिंह ने अच्छी बढ़त बनाई। यहां राव इंद्रजीत को 101187 वोट मिले, जबकि राज बब्बर को 58197 वोट मिले।

मतगणना की शुरुआत में नूंह ने बढ़ाया आत्मविश्वास

मतगणना की शुरुआत में नूंह जिला के वोटों की गिनती के जब रुझान आने शुरू हुए तो कांग्रेस का आत्मविश्वास बढ़ा नजर आया। नूंह जिला से भाजपा को पिछली बार से करीब 20000 वोट कम मिले। नूंह विधानसभा से राव इंद्रजीत को मात्र 30568 वोट ही मिले, जबकि राज बब्बर ने यहां बढ़त बनाते हुए 98070 वोट हासिल किए। जिस फिरोजपुर झिरका में पूर्व सीएम मनोहर व राव इंद्रजीत सिंह ने जनसभा करके जनता से भावुक अपील की थी, उस अपील के उलट जनता ने इंद्रजीत सिंह को बड़ी हार दी। फिरोजपुर झिरका से राव इंद्रजीत सिंह को मात्र 25100 वोट मिले, जबकि राज बब्बर को रिकॉर्ड 123568 वोट मिले। पुन्हाना से राव इंद्रजीत सिंह को मात्र 16181 वोट और राज बब्बर को 108645 वोट मिले। यहां से कांग्रेस मजबूत स्थिति में नजर आई। सोहना विधानसभा में भी बब्बर ने इंद्रजीत को कड़ी टक्कर दी। यहां राव इंद्रजीत सिंह को 89645 वोट मिले तो राज बब्बर को 83545 वोट मिले। यहां मात्र 6100 वोटों का अंतर रहा।

ड्रा के माध्यम से किया जोनल सिटी सुपरवाइजरी कमेटी सदस्यों का चयन

गुरुग्राम। नगर निगम के कार्यों व सेवाओं में जनभागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से जोनवाईज सिटीजन सुपरवाईजरी कमेटी का गठन किया गया है। निगम के चारों जोन में संयुक्त आयुक्त की अध्यक्षता में ये कमेटियां काम करेंगी। कमेटी के सदस्यों का चयन ड्रा के माध्यम से किया गया। अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुए इस ड्रा में उपस्थित आवेदकों के सामने ड्रा निकाले गए। जोन-1 क्षेत्र की सिटीजन सुपरवाईजरी कमेटी में रितु चौधरी, महेश चन्द्र, अश्विनी शर्मा तथा मनीष कौशिक का चयन हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

क्रिकेट मैच में विजेता टीम को ट्रॉफी देते आयोजक।

पुलिस ने युवाओं को खेलों के प्रति किया प्रोत्साहित

फरीदाबाद। पुलिस थाना सेक्टर 31 की टीम ने बंगाल शूटिंग रेंज सेक्टर 31 में क्रिकेट मैच का आयोजन करवा युवाओं को प्रोत्साहित किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इसका उद्देश्य खेल भावना को बढ़ावा देना तथा अच्छे खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स हीरो के रूप में प्रदर्शित कर अन्य युवाओं को खेलों में बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया जाए तथा खेल जगत में आगे बढ़कर अपने देश का नाम रोशन करें। इसी के तहत फरीदाबाद की बंगाल शूटिंग रेंज सेक्टर 31 मे इवेंट करवाया जिसमे एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इसी के तहत पुलिस टीम द्वारा क्रिकेट मैच का आयोजन करवाया गया तथा विजेता टीम को ट्रोफी व अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कुश्ती एकेडमी में मारपीट करने के मामले में 2 काबू

गुरुग्राम। नौरंगपुर गांव की कुश्ती एकेडमी में खिलाड़ियों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने 2 और आरोपियों को काबू किया है। इस केस में अब तक पुलिस 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। बता दें कि 9 अप्रैल 2024 को एक व्यक्ति ने पुलिस चौकी बार गुर्जर में शिकायत देकर कहा था कि 9 अप्रैल 2024 को सुबह अपने घर से नव-शक्ति-एकेडमी नौरंगपुर में कुश्ती की प्रेक्टिस के लिए जा रहा था। रास्ते में बाईक पर सवार होकर आए 2 लड़कों ने उनका रास्ता रोक लिया और उनकी आपस में कहासुनी हो गई। कुछ समय बाद वे लड़के अपने साथियों के साथ नव शक्ति एकेडमी में आए तथा लाठी डंडों से उसके व उसके साथियों के साथ मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी। इस शिकायत पर थाना खेड़की दौला में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा मानेसर ने 2 और आरोपियों को मानेसर से काबू किया है। आरोपियों की पहचान विक्रम व परमजीत निवासी गांव शिकोहपुर के रूप में हुई है।

नगर निगम कार्यालय परिसर में लगाए पौधे

गुरुग्राम। विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को नगर निगम गुरुग्राम द्वारा पौधे लगाए गए। नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह व अन्य अधिकारियों ने कार्यालय परिसर में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर डा. सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों की बहुत बड़ी भूमिका है। हम सभी को इस मानसून के दौरान अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनका पालन-पोषण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें पेड़ बनाएंगे, हमारा पर्यावरण उतना ही बेहतर होगा। पौधे केवल मानव जीवन के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। पेड़ों से हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन मिलती है, जो कि जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

पर्यावरण दिवस पर महिलाओं व बच्चों ने की 75 साल से पुराने पेड़ों की पूजा

- ग्रामीणों ने लिया पेड़ों को बचाने का संकल्प

दयाराम वशिष्ठ फरीदाबाद

विश्व पर्यावरण दिवस पर वन विभाग फरीदाबाद वनमंडल द्वारा प्राण वायु देवता स्कीम के तहत 75 साल से पुराने पेड़ों की पूजा की गई।

इस दौरान जिन गांवों में 75 वर्ष पुराने पेड़ थे उन गावों में मौजूद व्यक्ति, महिलाएं, मंदिर के पुजारी, सरपंच, स्कूल के शिक्षक व बच्चों सहित अन्य लोगों ने मिलकर इन पेड़ों की पूजा के साथ साथ में इन पेड़ों को बचाने का संकल्प लिया। इस दौरान विभिन्न गावों जैसे की छायंसा, मौजपुर, अटाली, पनेहरा, जसाना, नरियाला, हीरापुर इत्यादि गांवों में पेड़ों की पूजा की गई।

प्राणवायु देवता महोत्सव के दौरान महिलाओं ने पेड़ों को बचाने और पर्यावरण के संरक्षण को लेकर विभिन्न प्रकार के लोक गीत गाए। इसके अतिरिक्त बच्चों ने पेड़ों को बचाने के लिए शपथ ली। वन विभाग ने इस दौरान पेड़ों के आस पास पौधारोपण का समग्र अभियान चलाया जिसमें प्राणवायु पेड़ों के आस पास त्रिवेदी और पंचवटी वाटिका लगाना सुनिश्चित किया गया।

श्री विश्वकर्मा कौशल विवि में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि यदि पौधे हैं तो प्राण हैं। पौधों के बिना प्राण की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वह बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित कर रहे थे। कुलपति डॉ. राज नेहरू, कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा, अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़, डीन प्रोफेसर जॉय कुरियाकोजे ने अपने हाथों से पौधे लगाए और विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय परिसर को हर भरा बनाने का संकल्प लिया। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा पौधों का सीधा सरोकार जीव जगत से है।

रामायण व अन्य ग्रंथ प्रसन्नता के कारक: सीकरी

- 16 महीनों से जारी हनुमान चालीसा मुहिम का 21 जून को होगा समापन
- पार हुआ 6 लाख 42 हजार हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हनुमान चालीसा पाठ में शिरकत करते श्रद्धालु व समाजसेवी बोध राज सीकरी।

समाजसेवी बोध राज सीकरी की पिछले 16 महीनों से निरन्तर चल रही हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत श्री श्याम जी महाराज मंदिर न्यू कॉलोनी में अशोक सीकरी ने यजमान बनकर पंडित भीम दत्त के माध्यम से विधिवत पूजा अर्चना करवाकर गजेन्द्र गोसाई के माध्यम से 21 बार पाठ का आयोजन किया, जिसे लगभग 125 भक्तों ने प्रेममय तरीके से किया।

ज्योत्सना बजाज के ऑनलाइन हनुमान चालीसा के पाठ के आयोजन में 20 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्ट्री के 62 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। इस प्रकार अब तक 299 स्थानों पर 46,413 साधकों द्वारा 642,406 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। पाठ उपरांत पुष्पा नासा ने भजन के माध्यम से अपनी उपस्थिति लगायी। बोध राज सीकरी ने बताया कि रामायण और अन्य ग्रंथ जीवन में प्रसन्नता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ को 21 जून शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लेजर वैली मैदान सेक्टर-29 गुरुग्राम में सुबह 5:30 बजे 6000 लोगों की उपस्थिति में स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के आशीर्वचन के साथ विश्राम दिया जाएगा। यजमान व्यक्तियों में अशोक सीकरी, शील सीकरी मौजूद रहे। डॉ. अलका शर्मा, राम लाल ग्रोवर, विजय दीवान और सीमा दीवान, ओम प्रकाश नरूला, सुरेश सीकरी, सतपाल नासा, पुष्पा नासा, प्रमोद सलूजा, केसर दास ग्रोवर, द्वारका नाथ मक्कड़, सुभाष ग्रोवर, सुभाष अदलखा, अनिल कुमार, संजय तनेजा, राजिंदर बजाज, वीरेंद्र पाहुजा, युधिष्ठिर अल्मादी, रणधीर टंडन, जगदीश रखेजा, सहगल, लीलू बुद्धिराजा, अनिल बुद्धिराजा, दलीप लूथरा, अभिनव सीकरी, तिरलोक गोसाईं, नरेश गुरेजा, रविंदर मेहता मौजूद रहे।

पेड़ों की संख्या बढ़ाई जाए तो कम होगी एसी की जरूरत: गोयल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कबीर पार्क में नवकल्प फाउंडेशन के सहयोग से पक्षियों के लिए दाना-पानी घोंसले लगाते नवीन गोयल, नवकल्प के संस्थापक अनिल आर्य व अन्य सहयोगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नवकल्प फाउंडेशन के साथ मिलकर व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा हरियाणा के प्रमुख नवीन गोयल ने कबीर पार्क में पक्षियों के लिए दाना-पानी घोंसले लगाकर प्रकृति बचाने का संदेश दिया। उन्होंने पर्यावरण शुद्धि के अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। नवकल्प फाउंडेशन के संस्थापक अनिल आर्य, रवि सिंगला, नीरज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पिछले 5 साल से नवकल्प फाउंडेशन की ओर से पक्षियों के लिए चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते हुए नवीन गोयल ने कहा कि बेजुबानों के लिए यह काम प्रकृति के संरक्षण में बेहद लाभकारी साबित होगा। उन्होंने सभी लोगों से अपील की है कि सभी अपने घरों में, सोसायटी में, कालोनी में, सड़कों किनारे, पार्कों में पक्षियों के लिए घोंसले बनाएं इनका संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि हमारी प्रकृति में हर जीव-जन्तु, वन्य प्राणियों का महत्व है। हमारा जीवन इन सबसे जुड़ा है। नवकल्प फाउंडेशन के संस्थापक अनिल आर्य ने बताया कि पिछले पांच साल से नवकल्प पक्षियों के लिए दाना-पानी घोंसले पेड़ों पर लगाता आ रहा है। अभी तक फाउंडेशन की ओर से पांच साल में 2500 से अधिक दाना-पानी घोंसले लगाए जा चुके हैं। नवीन गोयल ने अहम जानकारी सांझा करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार शहरी इलाकों में पेड़ हवा को 5 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा कर सकते हैं, जिससे एयर कंडीशनिंग की जरूरत 25 प्रतिशत कम हो जाती है।

हमारी भूमि, हमारा भविष्य है इसे सुरक्षित करें: संजय चुघ

गुरुग्राम। ऊर्जा समिति ने बुधवार को पर्यावरण दिवस मनाते हुए आह्वान किया है कि सभी अपनी भूमि को सुरक्षित करने में योगदान दें।

हमारी भूमि हमारा भविष्य है इसलिए इसको सुरक्षित करते हुए पौधे लगायें और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित करें। ऊर्जा समिति के महासचिव संजय कुमार चुघ ने कहा कि हर वर्ष पांच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस हमारे धरती की सुरक्षा के लिए अधिक टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है।

पर्यावरण दिवस पर की गई प्राण वायु देवता वृक्षों की पूजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पुराने पेड़ों की पूजा करते एपीसीसीएफ (दक्षिण) अनंत प्रकाश पांडे व डीएफओ राजीव तेजयान।

बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हरियाणा के वन विभाग ने 75 वर्ष से अधिक आयु के प्राण वायु देवता वृक्षों की पूजा कर पर्यावरण दिवस मनाया। गुरुग्राम के भोंडसी में मुख्य रूप से अनंत प्रकाश पांडे, एपीसीसीएफ (दक्षिण) व राजीव तेजयान, डीएफओ ने संयुक्त रूप से प्राण वायु देवता वृक्षों के सम्मान समारोह में भाग लिया। वन अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

इस अवसर पर अनंत प्रकाश पांडे ने प्राण वायु देवता योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हमें वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। इसके साथ-साथ पौधों की देखभाल भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। पर्यावरण संरक्षण आज के समय की जरूरत भी है। साउथ सर्कल के सभी डिवीजनों गुरुग्राम, फरीदाबाद, रेवाड़ी, पलवल, नूंह और मेवात में एक साथ इसी तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रत्येक डिवीजन में संबंधित डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) सहित वन कर्मचारियों ने इन स्थानीय समारोहों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 6 जून, 2024

हरियाणा में हाथ को मिला जनता का साथ

भाजपा का वोट शेयर 6.09 फीसदी घटा, जबकि कांग्रेस का 15.16 प्रतिशत बढ़ा, इनेलो को भी बड़ा नुकसान

● निर्दलीयों के खाते में आए 1.84 फीसदी वोट, जजपा महज 0.87 फीसदी पर सिमटी

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

भाजपा 2019 के चुनाव परिणाम दोहराने में विफल रही। 10 में से 5 सीटें जीतने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 6.09 फीसदी लुढ़का है, जबकि हाथ को मजबूती मिली है। 2024 के चुनाव में कांग्रेस पांच जीत के साथ वोट प्रतिशत 15.16 फीसदी बढ़ाने में कामयाब रही है, वहीं इनेलो का 2024 के चुनाव निराशाजनक प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा। यही नहीं जजपा को भी 2024 के चुनाव में करारा झटका लगा है।

प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों पर तकरीबन 65 फीसदी मतदान हुआ था। चार जून को नतीजे आए तो कांग्रेस जनसमर्थन के साथ प्रदेश में सबसे बड़े दल के तौर पर उभरी। वहीं भाजपा को पांच सीटों के हार का नुकसान झेलना पड़ा। इसके साथ ही गठबंधन में चुनाव लड़ने का आम आदमी पार्टी को भी फायदा हुआ। आप के खाते में 3.94 फीसदी वोट आए।

भाजपा और कांग्रेस ने पांच-पांच सीटों पर जीत दर्ज की, लेकिन कांग्रेस का वोट शेयर 2019 के मुकाबले 15.16 फीसदी बढ़ा है। इसके साथ ही दलितों में अच्दी खासी पैठ रखने वाली बहुजन समाज पार्टी अपनी छाप नहीं छोड़ पाई।

कांग्रेस के संविधान बचाओ नारे के चलते दलित वोट बैंक कांग्रेस की ओर शिफ्ट होने से बसपा को नुकसान उठाना पड़ा। बसपा को महज 1.28 फीसदी ही वोट मिले, जोकि 2019 के मुकाबले बसपा का निराशाजनक प्रदर्शन है।

2019 में भाजपा ने हासिल किए 52.20 फीसदी वोट

दल	वोट प्रतिशत
भाजपा	52.20
कांग्रेस	28.51
बसपा	3.64
इनेलो	1.90
जजपा	4.9

2024 में वोट राजनीतिक दलों का प्रदर्शन

दल	वोट प्रतिशत
भाजपा	46.11
कांग्रेस	43.63
आप	03.94
इनेलो	1.74
जजपा	0.87
एनसीपी	0.22
अन्य	1.84
नोटा	0.33

देवीलाल परिवार के चारों सदस्य हारे

● अभय, नैना और सुनैना की जमानत जब्त

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हिसार, सिरसा और भिवानी में लाल घराने ही निर्णायक होते थे, लेकिन अब हरियाणा में लाल घरानों की राजनीति सिमटती जा रही है। 2024 के चुनाव में देवीलाल परिवार के चार सदस्य चुनावी रण में उतरे और चारों चित्त हुए। यही नहीं तीन सदस्य तो अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए।

2014 के बाद ऐसे समीकरण बदले कि महज 10 साल में ही देवीलाल, बंसीलाल और भजन लाल परिवार राजनीतिक तौर पर सिमटता हुआ चला गया। चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री देवीलाल के परिवार की दूसरी पीढ़ी से लेकर तीसरी पीढ़ी के सदस्य चुनावी रण में उतरे, लेकिन सभी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, कोई भी चुनाव नहीं जीत पाया। हिसार सीट पर भाजपा की तरफ से देवीलाल के बेटे रणजीत सिंह चौटाला ने चुनाव लड़ा। इसी सीट पर इनेलो से सुनैना चौटाला और जजपा से नैना चौटाला मैदान में थीं। वहीं कुरुक्षेत्र के रण में देवीलाल के पोते अभय चौटाला उतरे। वह दूसरी बार भी नहीं जीत पाए।

अभय अपनी जमानत बचाने में नाकामयाब रहे। यही नहीं हिसार से नैना और सुनैना की भी जमानत जब्त हुई। अभय चौटाला को 6.53 फीसदी वोट मिले। जबकि नैना चौटाला को 1.88 तो सुनैना चौटाला को 1.9 फीसदी ही वोट मिले। महज रणजीत चौटाला की कांग्रेस उम्मीदवार जयप्रकाश को टक्कर दे पाए। रणजीत को 43.19 फीसदी वोट मिले।

हिमाचल से लोकसभा के लिए चुनी जाने वाली कंगना चौथी महिला

शिमला: बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश से लोकसभा के लिए चुनी जाने वाली चौथी महिला हैं और ऐसी पहली महिला हैं जिनका संबंध भूतपूर्व शाही परिवार से नहीं है। भाजपा की उम्मीदवार कंगना ने कांग्रेस के अपने प्रतिद्वंद्वी एवं रामपुर रियासत के वंशज विक्रमादित्य सिंह को मंडी लोकसभा क्षेत्र से 74,755 वोट से पराजित किया है। सिंह प्रदेश में लोक निर्माण मंत्री भी हैं। इससे पहले देश की पहली स्वास्थ्य मंत्री और कपूरथला के तत्कालीन राजघराने से ताल्लुक रखने वाली राजकुमारी अमृत कौर 1952 में मंडी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुनी गई थीं। जोधपुर के पूर्व राजघराने की चंद्रेश कुमारी 1984 में कांगड़ा सीट से जीती थीं। उनका विवाह हिमाचल में हुआ था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं रामपुर के पूर्ववर्ती राजघराने से ताल्लुक रखने वाली प्रतिभा सिंह 2004, 2013 और 2021 में मंडी सीट जीत चुकी हैं।

प्रदेश में 168 प्रत्याशियों को मिले नोटा से भी कम वोट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

लोकसभा चुनाव में 223 प्रत्याशी चुनावी रण में उतरे। चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्याशियों ने खूब जोर-अजमाइश लेकिन नतीजे चौंकाने वाले रहे। 75 फीसदी प्रत्याशियों के खाते में नोटा से भी कम वोट आए। यही नहीं क्षेत्रीय दल जननायक जनता पार्टी के प्रत्याशियों को फरीदाबाद और अंबाला में जनता ने नजरअंदाज करते हुए नोटा को तरजीह दी।

प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों पर 43 हजार 539 लोगों ने नोटा का बटन दबाया, जिसके चलते 168 प्रत्याशियों के खाते में नोटा से कम वोट आए। 223 प्रत्याशियों में जननायक जनता पार्टी और इंडियन नेशनल लोकदल जैसे सरीखे दलों की बजाय जनता ने नोटा का बटन दबाया। प्रदेश की 10 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला रहा। कुरुक्षेत्र सीट पर गठबंधन प्रत्याशी सुशील गुप्ता के साथ इनेलो से अभय चौटाला ने जरूर दमखम दिखाया और सिरसा में इनेलो प्रत्याशी संदीप लोट के खाते में अच्छी खासी वोट आई। बाकी अन्य सीटों पर इनेलो के साथ जजपा भी चुनावी रण में पिछड़ती नजर आई। जजपा को अंबाला और फरीदाबाद में नोटा से कम वोट पड़े, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सत्ता में सहयोगी रही जजपा की जनता के बीच कितनी पैठ है। अंबाला में 14 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे, जिनमें से 9 प्रत्याशियों के खाते में नोटा से कम वोट आए।

इसके साथ ही सिरसा में 19 में से 12 प्रत्याशियों को नजर अंदाज करते हुए जनता की पसंद नोटा बना। वहीं हिसार में 28 में से 22, सोनीपत में 22 में से 17, रोहतक में 26 में से 21, कुरुक्षेत्र में 31 में से 22, करनाल में 19 में से 13, भिवानी में 17 में से 13, गुरुग्राम में 23 में से 19 और फरीदाबाद में 24 में से 20 प्रत्याशियों को नोटा से कम वोट मिले।

पर्यावरण दिवस पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। धर्मशाला

पर्यावरण दिवस पर साहाजा पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते बच्चे।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंटरनेशनल साहाजा पब्लिक स्कूल, तालणू सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

विश्व के 32 से भी अधिक राष्ट्रों से इस स्कूल में पढ़ रहे बच्चों ने अत्यंत सराहनीय भूमिका निभाई। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने हृदय को भाव-विभोर करती कविताएं सुनाई, वहीं माइम और नृत्य के माध्यम से समाज को सहज पद्धत्ति से पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश दिया। स्कूल प्रधानाचार्य साशीज ओर्रम पोक्किल बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए पर्यावरण संरक्षण में बच्चों की भूमिका को सुनिश्चित करने का संदेश दिया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे प्रोफेसर शरत चंद्र शर्मा (सेवानिवृत डीन, सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली) ने स्कूल के बच्चों को पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया।

नवीन जिन्दल ने किया कार्यकर्ताओं का धन्यवाद

सौरभ चौधरी। कैथल

धन्यवाद सभा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सांसद नवीन जिंदल।

कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी के नेता नवीन जिन्दल ने कैथल में मतदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे सबका विकास-सबका विश्वास मंत्र के साथ पूरे कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का विकास करेंगे।

कैथल जिन्दल हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल समेत सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया कि उन्होंने पुनः कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनता की सेवा करने का अवसर दिया।

सरकार के बहुमत साबित करने पर राज्यपाल करेंगे फैसलाः गुप्ता

चंडीगढ़। हरियाणा में अल्पमत की सरकार द्वारा सदन में बहुमत साबित किए जाने के मुद्दे पर स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने गेंद राज्यपाल के पाले में डाल दी है। विधानसभा स्पीकर ने कहा है कि इस राज्यपाल के निर्देश के बाद इस बारे में अगली कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने बुधवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी करनाल से विधायक निर्वाचित हो चुके हैं। राज्यपाल की तरफ से आज ही इस संबंध में विधानसभा को पत्र भेजा गया है। स्पीकर ने कहा कि अब राज्यपाल की सूचना के बाद हरियाणा विधानसभा में भाजपा विधायकों की संख्या 41 हो गई है। नियमानुसार नायब सैनी को जल्द ही बतौर विधायक शपथ दिलवाई जाएगी।

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्रीमती तनुश्री यादव पत्नी श्री रोहित यादव संपत्ति संख्या 94 व 95, खसरा संख्या 54/12 (क्षेत्रफल 300 वर्ग गज) के मालिक हैं, जो हास्टसल एक्स., विधा विहार, उत्तम नगर, दिल्ली-110059 के रूप में जाना जाता है। रिक्सुलमेंट द्वारा निष्पादित पंजीकृत संख्या दिनांक 18.04.2023, दिल्ली के माध्यम से श्रीमति सुमन यादव पत्नी श्री नरेन्द्र यादव उपरोक्त संपत्ति श्रीमती तनुश्री यादव पत्नी श्री रोहित यादव डीड दस्तावेज संख्या 9649, SR-IIB फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास बंधक होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/ ग्रहणाधिकार, अधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से सलाहकार/अधोहस्ताक्षरी विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092 के पते पर सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा।
एडवोकेट विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092, मो. 9811215181

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that We 1. (A) Chanchal Puri W/o late Deepak Puri (B) Aryan Puri S/o late Deepak Puri (C) Shreya Puri (Minor) D/o late Deepak Puri 2. (A) Ashu Puri S/o late Yashpal Puri (B) Ruchika Anthony D/o late Yashpal Puri are filing application in L&DO for substitution of the property no. A-1/173, Lajpat Nagar, New Delhi-110024 in the name of 1. (A) Chanchal Puri (B) Aryan Puri (C) Shreya Puri (Minor) 2. (A) Ashu Puri (B) Ruchika Anthony, on the grounds of Relinquishment Deed/ Death Certificate & Legal Heirs. If there are any objections / claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO with supporting documents through registered post or by visiting L&DO at Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at ldo@nic.in, within 30 days of publication of this notice.
Name : Ashu Puri
Address: A-1/173, Lajpat Nagar, New Delhi-110024
Phone : 9811995657

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Mohd Rashid, S/o. Samiullah, R/o. F-272, 4th Floor, Abul Fazal Enclave Part-2, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, New Delhi-110025 have changed my name to Mohammad Rashid for all future purposes.
PD(499)A

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that is the Shri Yoginder Kumar owner of Flat No. 14-C, On 2nd Floor & 3rd Floor, Block A-4, Supriya Aparment Paschim Vihar New Delhi (called 'Property' hereinafter). That Original property document like 1. Orignal Share Certificate and 2. Original Allotment Letter Dated 29.04.1986 Both Issueed By The Rabindra Co-Operative Group Housing Society In the Name of Shri Yoginder Kumar Wadhwa in respect of the said property has lost anywhere in Delhi. An FIR/NCR to that effect has already been lodged with Delhi Police Crime Branch Vide L.R. No. 1789651/2024 dated 04.06.2024. If any persons find the above stated document, She/he/they is/are requested to hand over the same to the undersigned. And if any person(s)/financial institution have any claim whatsoever with respect to the property on the basis of above lost Property document may file objection with proof within fifteen days from the date of this publication on only Email-ranjanjha318@gmail.com or undersigned. If no claim is received it shall be presumed after fifteen days (15) that the property is free from all encumbrance.
Ranjan Kumar Jha (Advocate)
Chamber:231,Western Wing Tis Hazari Court Delhi-110054, Mobile : 9990647903

PUBLIC NOTICE

"It is to inform to the public at large that Mr. Pawan Kumar Goel and Mr. Chander Bhan Kalra has acquired Property No. RZF-171 (old plot no. 1710 area 40 sq. yrds., Khasra No. 514, situated at Village Nasirpur Delhi, colony known as Sadh Nagar, Palam Colony, New Delhi vide GPA dt. 14.12.2010 along with ATS & Will executed by Mr. Ghanshyam Sharma, Now Mr. Pawan Kumar Goel and Mr. Chander Bhan Kalra are the undisputed owners of above said property.
OR
Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.
Ajay Giri (Advocate) "H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi 110024"

SALE NOTICE

The under mentioned Assets will be sold through auction on "AS IS WHERE IS BASIS" and "AS IS WHAT IS BASIS" for recovery of dues as per court orders, in the following cases:-

CASE DETAILS	Asset Details
ICICI BANK Vs. JITENDARA BHATI AND OTHERS, CS (COMM) 2690/21	Vehicle No. UP16FT8014, Make and Model- ASHOK LEYLAND LTD PARTNER, Manu Year- 2018

Auction Date: June 21, 2024 From 11:00 AM to 02:00 PM.
Place of Auction: Mahakal Parking yard, Khasra No 527 Village Banthla Near Indane Gas Plant Loni Ghaziabad-UP- 201102
Contact Person: Swapnil Upadhyay (8126013708)/ Rohit Shrivastava (8657476284)

Terms of Sale

The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves/ itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids. All bidders are required to come at auction site with original KYC documents to participate in the auction.
Successful bidder shall have to deposit sale amount within 5 days from the approval date by the way of pay order/ demand draft/ RTGS/ NEFT.
The intending bidders may visit at ICICI Bank Ltd, Shal tower Plot no. 23, New Rohtak Road Karol Bagh, Delhi- 110005 for details and inspection of the said hypothecated vehicles.

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **दिनेश कुमार और मधु पॉल** को **14.09.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLDMT00277119** की राशि **रू.18,02,293.64 /- (रुपए अठारह लाख दो हजार दो सौ तिरानवे और चौसठ पैसे मात्र)** और **26.06.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **01.06.2024** को संपत्ति पर **आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एततद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.18,02,293.64 /- (रुपए अठारह लाख दो हजार दो सौ तिरानवे और चौसठ पैसे मात्र) 26.06.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
फ्लैट नं.202, पहली मंजिल सामने आरएचएस, प्लॉट नं.बी-12/5, डीएलएफ अंकुर विहार, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश-201010
दिनांक :01.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद
सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **परवीन वर्मा और मुस्कान वर्मा** को **14.03.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLDCP00327272** की राशि **रू.9,92,415.30 /- (रुपए नौ लाख बानवे हजार चार सौ पंद्रह और तीस पैसे मात्र)** और **11.03.2024** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **01.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एततद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.9,92,415.30 /- (रुपए नौ लाख बानवे हजार चार सौ पंद्रह और तीस पैसे मात्र) 11.03.2024** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
फ्लैट नं.1215, जिसका सुपर एरिया 590 स्के.फीट, बारहवीं मंजिल पर, टॉवर-ए1, गोल्फ विलेज से पहचाने जाने वाले प्रोजेक्ट में, टीएस-5 पर स्थित, सेक्टर 22डी, यमुना एक्सप्रेसवे, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा – 201304, उत्तर प्रदेश
दिनांक :01.06.2024
स्थान : नोएडा
सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **विवेक थपलियाल और अनीता थपलियाल** को **05.03.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLNOD00234387** की राशि **रू.47,31,417.72 /- (रुपए सैंतालीस लाख इकतीस हजार चार सौ सत्रह और बहत्तर पैसे मात्र)** और **20.02.2024** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **01.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एततद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.47,31,417.72 /- (रुपए सैंतालीस लाख इकतीस हजार चार सौ सत्रह और बहत्तर पैसे मात्र) 20.02.2024** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
फ्लैट नं.301, जिसका सुपर एरिया 1545 स्के.फीट, तीसरी मंजिल पर, ब्लॉक-जी2, ईको विलेज-2 से पहचाने जाने वाले प्रोजेक्ट में, प्लॉट नं. जीएच-01 पर स्थित, सेक्टर 16बी, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा – 201307, उत्तर प्रदेश, एक कवर्ड कार पार्किंग जगह के साथ।
दिनांक :01.06.2024
स्थान : ग्रेटर नोएडा
सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **हिमांशु, अनीता देवी और राम कुमार (गारंटर)** को **20.02.2023** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLNOD00278490** की राशि **रू.14,09,072.89 /- (रुपए चौदह लाख नौ हजार बहत्तर और नवासी पैसे मात्र)** और **17.02.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **01.06.2024** को संपत्ति पर **आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एततद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.14,09,072.89 /- (रुपए चौदह लाख नौ हजार बहत्तर और नवासी पैसे मात्र) 17.02.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
फ्लैट नं.306 (एल.आई.जी.), दुसरी मंजिल पर (पीछे मध्य भाग), जिसका एरिया 30 स्के.मी. (रूफ राइट्स के साथ), प्लॉट नं.10 पर निर्मित, रोड नं.ए-3 (प्लॉट नं.ए-3/10) डीएलएफ अंकुर विहार की आवासीय कॉलोनी में, गाँव लोनी, तहसील और जिला गाज़ियाबाद-201010, उत्तर प्रदेश और जो निम्ननुंसार परिबद्ध है:
पूर्व: फ्लैट नं. 307 — **पश्चिम: फ्लैट नं. 305**
उत्तर: कॉमन पैसेज और फ्लैट नं. 304 — **दक्षिण: प्लॉट नं.एमएम-20 और एमएम-22**
दिनांक :01.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद
सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **अमित कुमार और रीना बालियान** को **28.08.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज **खाता नं. HHLNOI00303982** की राशि **रू. 21,37,299.83 (रूपये इक्कीस लाख सैंतीस हजार दो सौ निन्यानवे और तिरासी पैसे मात्र)** और **24.05.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतदद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **04.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतदद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 21,37,299.83 (रूपये इक्कीस लाख सैंतीस हजार दो सौ निन्यानवे और तिरासी पैसे मात्र) 24.05.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
फ्लैट नंबर एस-4, एमआईजी, दुसरी मंजिल, पीछे दाहिने हाथ की ओर, प्लॉट नंबर सी/1/103, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन-II, गाज़ियाबाद- 201010, उत्तर प्रदेश।
दिनांक : 04.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद
सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती अरूणा देवी व उसके पति श्री सुरेन्द्र, पता म0न0, D-35 विजय नगर कालोनी बवाना दिल्ली-39 ने अपने पुत्र रिन्कू व उसकी पत्नी मधुबाला को उनके गलत चाल चलन, अनियन्त्रण व झगडेलू व्र्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से हमेशा के लिए बेदखल कर दिया हैं। अतः उनके किसी कार्य के प्रति मेरे मुवक्किल अरूणा व सुरेन्द्र जिम्मेदार नहीं होगें।
के. के. कोशिक (अधिवक्ता)
Ch. No-913 Lowyer's Chamber Block, Rohini-P

SALE NOTICE

The under mentioned Assets will be sold through auction on "AS IS WHERE IS BASIS" and "AS IS WHAT IS BASIS" for recovery of dues as per court orders, in the following case:

ICICI Bank Limited Vs Sandeep Kumar, RC NO. 90/2019, IN OA/ 43/2017	Vehicle No.- UP16BE5195, Make and Model-Renault Fluence, Manf. Year-2015

Auction Date: June 21, 2024 From 11:00 am to 2:00 pm.
Auction Type: Online Auction
Auction Portal Name & URL Link: Bid Karo and https://www.bidkaro.net
Contact Person: Swapnil Upadhyay (8126013708) / Rohit Shrivastava (8657476284)

Terms of Sale

The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves / itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids.
Successful bidder shall have to deposit sale amount within 5 days from the approval date by the way of pay order/demand draft/RTGS/NEFT.
The intending bidders may visit at ICICI Bank Ltd, Shal Tower Plot no. 23, New Rohtak Road, Karol Bagh, Delhi-110005 for details and inspection of the said hypothecated vehicles.

ELECTION PROGRAMME

Election programme for the election of the Managing Committee of The Manesar Primary Agriculture Co-operative Society Ltd., Manesar to be held on 28.07.2024.

SR.NO.	PARTICULAR	DATE	TIMES	PLACE
01.	Exhibition of List of voters as required under Sub Para(2) of rule 35 and objection on the list of Voters will be submitted on the last day Exhibition of Voter list in the office of Assistant registrar, Coop. Societies Gurugram	07-06-2024 to 17-06-2024	9:00 a.m. to 5:00 p.m.	(1). In the Regd. Office of the Society & Village failing in the area operation of the Society. (2). Assistant Registrar Co-operative Societies, Gurugram Near John Hall Civil Line, Gurugram (3). Central Cooperative Bank, Gurugram
02.	Hearing of objection of the list of voters as required under sub para(4) of rule 35	18-06-2024	10:00 a.m. to 3:00 p.m.	ARCS Office, Gurugram
03.	Filing of Nomination Papers.	09-07-2024	10:00 a.m. to 2:00 p.m.	In the office of Assistant Registrar, Co-operativeSocieities, Gurugram, Near John Hall, Civil Line, Gurugaon
04.	Scrutiny of Nomination Papers.	10-07-2024	10:00 a.m. to 2:00 p.m.	---------- Do-------------
05.	Display of List of Validity nominated Candidates.	10-07-2024	4:00 p.m.	---------- Do-------------
06.	Withdrawal of Nomination Paper display of list of candidates.	16-07-2024	10:00 a.m. to 2:00 p.m.	---------- Do-------------
07.	Allocation of Symbols	16-07-2024	03:00 p.m.	---------- Do-------------
08.	Display of List of contesting candidates.	16-07-2024	04:00 p.m.	---------- Do-------------
09.	Taking of poll, if necessary.	28-07-2024	08:00 a.m. to 4:00 p.m.	In the premises as per list of booth attached.

Note:- (1) Election of the Managing Committee of the said society will be held as per section 28 ibid of the Haryana Cooperative Societies Act 1984 (2) Election will be held as per orders of Hon'ble High Court of Punjab & Haryana in BejulSomaia Vs. State of Haryana in CWP no. 3648 of 2007
(Devender Beniwal)
Assistant Registrar, Co-operative Societies, Gurugram, (Returning Officer)

BAJAJ Allianz
Caringly yours
हम रखते हैं आपका ख़्याल
बजाज आलियांज़ जनरल इन्श्योरेंस ने आयोजित किया है
ग्राहक दिवस
शुक्रवार, ७ जून, २०२४ को, अपने हेल्थ इन्श्योरेंस क्लेम्स से संबंधित सवालों के हल देने के लिए.
समय:
सुबह १०:०० से शाम ०४:००
पता:
बजाज आलियांज़ जनरल इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड
यूनिट नंबर ६०७ ए, ६०७ बी, छठी मंज़िल,
कॉर्पोरेट पार्क, संजय प्लेस,
आगरा - २८२००२
बजाज आलियांज़ जनरल इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड, बजाज आलियांज़ हाउस, एयरपोर्ट रोड, यरवडा, पुणे - 411006. IRDAI पंजीकरण नंबर: 113. CIN: U66010PN2000PLC015329
वेब: www.bajajallianz.com | BJAZ-S-0200/09-05-2024

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 6 जून, 2024

सहज सत्ता हस्तांतरण

लोकतंत्र की विजय

सहज सत्ता हस्तांतरण देश में लोकतांत्रिक मूल्यों तथा जनता की इच्छाशक्ति की विजय का संकेत देता है। लोकसभा चुनाव 2024 हाल ही में समाप्त हुए हैं और अब सबकी नजरें नई सरकार के गठन पर टिकी हैं। अक्सर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है और यह कोई व्यंग्य नहीं है। 1.4 बिलियन से अधिक जनसंख्या तथा 900 मिलियन से अधिक मतदाताओं वाले देश में यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया एक अत्यन्त व्यापक कार्यक्रम है। लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण वे लोकतांत्रिक आदर्श हैं जो लोकतंत्र का मजबूत आधार प्रदान करते हैं। 75 वर्ष से अधिक समय से हमारे यहां एक भी ऐसा अवसर नहीं आया है जब सत्ता हस्तांतरण सहज न रहा हो या चुनाव परिणामों की घोषणा पर पार्टियों में विवाद हुआ हो। असाधारण विविधता एवं जटिलताओं के बावजूद भारत का लोकतंत्र फल-फूल रहा है जो इस बात का उदाहरण है कि सरकार बदलने में सुविधा प्रदान करने वाले सहज चुनाव जनता की इच्छाशक्ति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इसे अनेक संस्थानों और ढांचों ने संभव बनाया है जो भारत को जीवन्त लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रदान करते हैं। उदाहरणार्थ, भारत निर्वाचन आयोग-ईसीआई स्वतंत्र एवं स्वच्छ चुनाव कराने में केन्द्रीय भूमिका अदा करता है। सटीक नियोजन तथा तकनीक के प्रयोग से चुनाव आयोग पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करता है। इससे चुनाव में 'धोखाधड़ी' न्यूनतम होती है तथा आदर्श आचार संहिता का क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है। हालांकि, आयोग विवादों से परे नहीं है, पर मोटेतौर से उसने एक के बाद दूसरे चुनाव में शानदार काम किया है। हालांकि, इस बार मतदान प्रतिशत पिछले चुनावों की तुलना में

थोड़ा कम था, पर सामान्य रूप से मतदाताओं की सहभागिता उच्च स्तर पर थी। शहरी केन्द्रों व सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों जैसी विभिन्न पृष्ठभूमियों के नागरिकों ने जोश के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह व्यापक सहभागिता भारतीय जनसंख्या का लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास प्रदर्शित करती है। इससे वे प्रभावी परिवर्तन में अपने वोट की शक्ति पर विश्वास भी जताते हैं। लेकिन भारत में लोकतंत्र की बेहतरी का सबसे बड़ा श्रेय राजनीतिक पार्टियों को दिया जाना चाहिए। वैचारिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने आमतौर से चुनाव परिणाम स्वीकारने में प्रशंसनीय परिपक्वता का परिचय दिया है।

यह स्वीकार्यता राजनीतिक स्थिरता तथा जन-विश्वास बनाए रखने के लिए जरूरी है। चाहे एक या दूसरी पार्टी से हो अथवा गठबंधन से, सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में राजनीतिक संस्थानों की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। अनेक सरकारों के समक्ष संविधान के रक्षक की प्रमुख भूमिका निभाने में भारत का सर्वोच्च न्यायालय उल्लेखनीय योगदान करता है। भारतीय न्यायपालिका संविधान की संरक्षक के रूप में सुनिश्चित करती है कि चुनाव कानूनों का समुचित पालन हो तथा विवादों का निष्पक्ष निपटारा हो। सर्वोच्च न्यायालय के उल्लेखनीय फैसलों और हस्तक्षेपों से अक्सर चुनावी निष्ठा तथा लोकतांत्रिक मानक मजबूत हुए हैं। लेकिन भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कुछ चुनौतियां भी मौजूद हैं। इनमें चुनावी हिंसा, धन बल तथा दुष्प्रचार अभियान शामिल हैं जो अक्सर चुनाव प्रक्रिया को बदरंग कर देते हैं। भारत का लोकतंत्र संस्थाओं की शक्ति, नागरिकों की सक्रिय सहभागिता तथा राजनीतिक पार्टियों की परिपक्वता से फलता-फूलता है। हालांकि, लोकतंत्र दृढ़ होने के साथ संवेदनशील भी है और इसकी जीवन्तता हमारी सामूहिक चेतना पर निर्भर है।

तीसरी बार मोदी सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रचंड बहुमत के अनुमानों के विपरीत चुनाव परिणामों ने अलग तस्वीर पेश की है। भाजपा अपने राजग सहयोगियों के साथ साधारण बहुमत से सरकार बनाने जा रही है।

कुमार चेलप्पन
(लेखक, द पायनियर के विशेष संवाददाता हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रचंड बहुमत के अनुमानों के विपरीत चुनाव परिणामों ने अलग तस्वीर पेश की है। भाजपा अपने राजग सहयोगियों के साथ साधारण बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। मेरे यह स्तंभ लिखने के समय टीवी खबरिया चैनल यह खबर चला रहे थे कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी-भाजपा ने 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है और वह सुरक्षित 'लीड' के लिए पुनर्जीवित कांग्रेस से कड़ा संघर्ष कर रही है। नरेन्द्र मोदी फिलहाल साधारण बहुमत के साथ भाजपा तथा राजग के अन्य सहयोगियों के साथ सरकार बनाने की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन परिणामों से संकेत मिला कि राजग के लिए 400 प्लस तथा भाजपा के लिए 370 प्लस का मोदी का दावा निरर्थक साबित हुआ है। वास्तव में 2024 का लोकसभा चुनाव एक राजनीतिक सुनामी की तरह था। भाजपा को उम्मीद थी कि वह उत्तर प्रदेश में क्लीन स्वीप करेगी, पर उसका लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। भाजपा का महाराष्ट्र विजय का सपना भी टूट गया है।

इन परिणामों से गंभीर संकेत मिलते हैं कि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने भाजपा द्वारा रांकापा से अलग हुए समूह तथा जयंत चौधरी के नेतृत्व वाले रालोद के साथ गठबंधन पसंद नहीं किया है। भाजपा शायद यह इतिहास भूल गई थी कि चौधरी चरण सिंह ने कैसे मोराजी देसाई नीत जनता पार्टी सरकार गिरा दी थी क्योंकि वे प्रधानमंत्री बनना चाहते थे। चौधरी चरण सिंह के पुत्र अजीत सिंह ने भी वीपी सिंह, चंद्रशेखर तथा अटल बिहारी वाजपेयी की पीठ में छुरा भोंका था।

ऐसे में यह रहस्य है कि आखिरकार भाजपा ने रालोद के साथ गठबंधन का फैसला क्यों किया। इसी प्रकार अजीत पवार व प्रफुल्ल पटेल को साथ लेने का भाजपा का निर्णय भी रहस्यमय है, क्योंकि अजीत पवार ने उसे 'भ्रष्टाचार का मूर्त रूप' कहा था। पता नहीं भाजपा ने महाराष्ट्र के एक नेता की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा को अनदेखा कैसे कर दिया। इसी नेता ने पिछले विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री अजीत पवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला कर देश को आश्चर्यचकित कर दिया था। हालांकि, बाद में अजीत पवार को अपमानजनक तरीके से इस्तीफा देना पड़ा था। आमतौर से राजनेता अतीत की गलतियों से सबक सीख कर स्वयं को ठीक करते हैं ताकि वे फिर पुरानी गलतियां न दुहरायें। लेकिन ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने इस रास्ते पर न चल कर मतदाताओं से प्राप्त सदिच्छा का नुकसान किया है।

केवल अयोध्या में भव्य राम मंदिर मतदाताओं को संतुष्ट करने के लिए काफी नहीं था। मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए बहुत उच्च स्थान निर्धारित किया था और उन्होंने मोदी की निष्ठा, ईमानदारी और देशभक्ति की हमेशा प्रशंसा की है। लेकिन जब सत्यपाल मलिक जैसे दलबदलुओं को भाजपा में समाहित कर उनको कश्मीर के राज्यपाल जैसा महत्वपूर्ण पद दिया गया तो भाजपा की छवि के बारे में अनेक लोगों की अवधारणा को चोट पहुंची। इसी प्रकार कर्नाटक में परिवार-नियंत्रित जेडीएस के साथ गठबंधन ने भाजपा को नुकसान पहुंचाया। 2014 में शानदार विजय के फौरन बाद मोदी ने राजग नेता के रूप में मतदाताओं को इस मामले में आश्वस्त किया था कि वे पांच साल के कार्यकाल के बाद अपने 'प्रगति कार्ड' के साथ उनके पास आएंगे। उनको सभी मतदाताओं ने ए प्लस दिया और भाजपा की सीटें बढ़ीं। वह 2019 में पूर्ण बहुमत के साथ लोकसभा में वापस आई जो भारत के चुनाव इतिहास में पिछले 35 साल की विरली घटना थी। किसी भी पार्टी को 1984 चुनाव के बाद पूर्ण बहुमत नहीं मिला था, जब राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी अपने दम पर 400 से अधिक सीटें पाने में सफल हुई थी। 2019-2024 के बीच प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल बहुत अच्छा रहा। प्रधानमुंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 वैश्विक महामारी का सामना कर तथा विपक्षी दलों और मीडिया पर समग्र रूप से हमला कर अपना स्थान बनाया था।

मोदी ने देश को अपने दो कार्यकाल में 'भ्रष्टाचार मुक्त सरकार' दी है। लेकिन मोदी की प्रशंसा करने वाले हर ऐरे-गैरे के साथ गठबंधन बना कर मोदी ने कांग्रेस और विपक्षी दलों का रास्ता आसान कर दिया जो वे पिछले दशक में नहीं कर सके थे। मोदी सरकार ने एक दशक में बीपीएल श्रेणी में आने वाले गरीबों के लिए 11 करोड़ से अधिक शौचालय तथा पांच करोड़ बेहतरीन आवास बनवाये। उनकी 'आयुष्मान भारत' चिकित्सा सहायता से 50 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ हुआ तथा कारीगरों एवं छोटे व मझोले उद्यमियों के लिए 'मुद्रा लोन योजना' से आम आदमी को सीधा लाभ हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मीडिया से संवाद में बार-बार कहा कि संगठित क्षेत्र में 6 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला। विपक्ष ने इसे 'जुमला' बता दिया। लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कर्मचारी प्रावीडेंट फंड में योगदान करने वालों की संख्या में 400 प्रतिशत से अधिक बढ़ोत्तरी हुई जिससे स्पष्ट होता है कि उनकी सरकार के दस साल के कार्यकाल में लाखों लोगों को रोजगार मिला। लेकिन विपक्ष इस मामले पर चुप्पी लगा गया। इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए कि जब 1929-1941 की महामंदी में अमेरिकन अर्थव्यवस्था बदबाद हो गई थी तथा 1939-1945 तक विश्व युद्ध का इस पर भयानक विपरीत प्रभाव पड़ा था तब 1953-1961 तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे डेविड ड्वाइट आइजेनहावर ने इसे पुनर्जीवित किया था।

राष्ट्रपति आइजेनहावर ने अंतर-राज्य राजमार्ग व्यवस्था बनाने का आदेश दिया था जो अब तक का सबसे बड़ा राजमार्ग निर्माण कार्यक्रम है। अमेरिका में बने इन राजमार्गों पर विशाल परिवहन विमान उड़ाए व उतारे जा सकते थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दस वर्ष के कार्यकाल में भारत में भी विशाल ढांचागत निर्माण कार्य कराया और सारी दुनिया में इसकी प्रशंसा हुई। लेकिन केवल एक व्यक्ति के सत्ता के लालच के कारण आज भाजपा पूर्ण बहुमत पाने से वंचित रह गई है। विपक्ष को 2024 के चुनाव परिणाम से यह सबक जरूर सीखना चाहिए कि 'जनता जनार्दन' ऐसा नेता पसंद करती है जो उनको अपने समान समझे, 'भिखारी' नहीं। लेकिन विडंबना है कि शायद विपक्ष ने यह सबक सीखा है कि यह समय मोदी की छवि किसी कीमत पर ध्वस्त करने के लिए बहुत अच्छा है और इसीलिए वह 'इंडिया' गठबंधन के रूप में एकजुट हुआ है। हालांकि, भाजपा की कुछ रणनीतिक कमियों तथा पूरे देश में संविधान और लोकतंत्र खतरे में है का शोर मचाने के बावजूद विपक्ष सत्ता से बहुत दूर है।

विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार द्वारा पिछले दस साल में किए विकास के कामों से जनता का ध्यान हटाने के लिए बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही उसने जातीय जनगणना कराने तथा आरक्षण की संविधान सम्मत 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा बढ़ाने का वादा भी किया। विपक्षी दलों ने येन-केन-प्रकारेण सत्ता तक पहुंचने के लिए जनता को भांति-भांति की 'खैरातें' बांटने का वादा भी किया। विपक्ष को इस बात की कोई चिन्ता नहीं थी कि इससे देश के खजाने तथा अर्थव्यवस्था पर कितना बड़ा बोझ पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार जनता को याद दिलाया कि इस प्रकार की 'खैराती' योजनाओं से देश की अर्थव्यवस्था इतनी पीछे चली जाएगी कि उसका पुनर्जीवित करना लगभग असंभव हो जाएगा। अभी यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है कि विपक्ष की इन 'खैराती' योजनाओं से मतदाताओं पर क्या असर पड़ा, लेकिन इनसे मोदी द्वारा किए 'विकास' को धूमिल करने का प्रयास जरूर हुआ। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद इस मोड़ पर विजेताओं और पराजितों के लिए एक प्रार्थना उचित होगी। 'द पायनियर' के लिए प्रथम विश्व युद्ध की कवरेज करने वाले सर विंस्टन चर्चिल ने कहा था, 'युद्ध में दृढ़ता, पराजय में विरोध तथा विजय में उदारता। शांति में सद्भावना।' उम्मीद करनी चाहिए कि वर्तमान चुनाव में विजेता व पराजित इस सारगर्भित टिप्पणी पर गौर करेंगे।

ग्रामीण कन्याओं के लिए नहीं हैं खेल सुविधाएं

> ग्रामीण भारत में लड़कियों को सीमित स्थानों, पारिवारिक प्रतिबंधों और लैंगिक असमानता के कारण खेल और शिक्षा तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मीरा नायक
(लेखिका, स्तम्भकार हैं)

हमारे गांव में लड़कियों के खेलने के लिए कोई मैदान नहीं है। पूरे गांव में केवल एक स्कूल है जिसमें उपयोग करने योग्य मैदान है, लेकिन इसमें लड़कों का वर्चस्व है, जिससे हमें एक कोने में अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, राजस्थान के चूरू जिले के घड़सीसर गांव की 16 वर्षीय सोनू ने कहा, जो गांव के एकमात्र हाई स्कूल के मैदान के एक कोने में अपनी साथियों के साथ रोज़ाना खो-खो का अभ्यास करती है। सोनू के साथ खो-खो का अभ्यास करने वाली 17 वर्षीय आरती ने कहा, हमारी टीम खेल में भाग लेने के लिए केवल एक बार सरदारशहर तहसील और एक बार फोगा गांव गई है। उसके बाद, हम कहीं नहीं गए। हमें मौका नहीं मिलता क्योंकि हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं है। उचित अभ्यास के अवसरों के बिना हम अच्छा प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं? अभ्यास के लिए मैदान होना ज़रूरी है, लेकिन हमारे पास एक भी नहीं है। लड़कियों को अभ्यास करने के लिए गांव से बाहर जाने के लिए उनके परिवारों से समर्थन नहीं मिलता है। जयपुर से करीब 254 किलोमीटर दूर चूरू जिले में स्थित घड़सीसर गांव की आबादी करीब 3,900 है। इस छोटी सी आबादी में पुरुषों (62.73 प्रतिशत) और महिलाओं (38.8 प्रतिशत) के बीच साक्षरता दर में काफी अंतर है।

यह शिक्षा के मामले में लड़कियों के साथ होने वाले भेदभाव को दर्शाता है। इस छोटे से समूह में, जो लड़कियां सामाजिक मानदंडों को चुनौती दे रही हैं, उनके साथ लड़कियों के लिए समर्पित खेल मैदान की कमी के कारण और भी भेदभाव किया जाता है। नतीजतन, उनके अभ्यास सत्र बाधित होते हैं, जिससे उनके प्रदर्शन पर नकारात्मक असर पड़ता है।

गांव की एक और छोटी लड़की कांता ने कहा, इस गांव में करीब 800 घर हैं। गांव

के स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियों को अभी भी स्कूल के दिनों में अभ्यास का मौका मिलता है, लेकिन जो लड़कियां अब यहां नहीं पढ़ती हैं, वे अभ्यास के लिए कहां जाएं? उन्होंने कहा, लड़के कहीं भी या दूसरे गांवों के मैदानों में खेल सकते हैं, लेकिन हमारे परिवार हमें अभ्यास के लिए घर से दूर जाने की अनुमति नहीं देते हैं। इसलिए, हमारे गांव को लड़कियों के खेलने के लिए एक समर्पित मैदान की जरूरत है। सालों की बातचीत के बाद, उन्होंने मैदान में एक कोने की जगह का प्रबंध किया, लेकिन छुट्टियों के दौरान वह भी उपलब्ध नहीं हो पाती। कांता ने बताया, लड़के अक्सर स्कूल की दीवार फांदकर मैदान में खेलने चले जाते हैं, लेकिन हम लड़कियां ऐसा नहीं कर सकतीं। इस मामले में गांव के सरपंच मनोज कुमार ने माना कि गांव में लड़कियों के लिए अलग से मैदान नहीं है, जिससे उन्हें अभ्यास में दिक्कत होती है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत ने तहसील मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा था, लेकिन तहसील अधिकारियों ने बताया कि घड़सीसर में खाली जमीन तो है, लेकिन वह जोहड़ पायतन और खनन विभाग की है। इस जमीन को खेल मैदान के लिए आवंटित करना तहसील के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। स्थिति को समझते हुए पंचायत ने दूसरी जगह जमीन का चयन कर नया प्रस्ताव तहसील को भेजा। लेकिन लोकसभा चुनाव के लिए लगी आचार संहिता के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद पंचायत लड़कियों के लिए खेल मैदान उपलब्ध करवाने के लिए फिर प्रयास करेगी। समाजसेवी हीरा शर्मा ने सभी बच्चों के लिए खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, लड़का हो या लड़की, खेल खेलना शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है।

इससे न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। लड़कियों को खेलने का मौका न देना अन्याय होगा। खेल खेलने से लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे वे मैदान पर खुलकर दौड़ पाती हैं और उनके शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा, खेल फिटनेस के लिए बेहतरीन हैं और इससे करियर का मार्ग भी प्रशस्त होता है, क्योंकि एथलीट देश का नाम रोशन करते हैं। यही कारण है कि सरकार खेलो इंडिया जैसी पहल के जरिए खेलों और एथलीटों को बढ़ावा दे रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की कई लड़कियां जिला, राज्य, ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश के लिए पदक जीत रही हैं। इस साल तमिलनाडु में आयोजित छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में राजस्थान के एथलीटों ने विभिन्न स्पर्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया और राज्य को शीर्ष 5 में जगह दिलाई। लड़कियों और लड़कों दोनों ने ही बेहतरीन प्रदर्शन किया।

इन सफलताओं के बावजूद, देश के कई ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को खेलों में भाग लेने के अवसर से वंचित रखा जाता है, जबकि लिंग की परवाह किए बिना सभी किशोरों के लिए खेल के मैदानों तक पहुंच आवश्यक है।

आप की बात

चुनाव नतीजे

इस बार के चुनाव नतीजों ने एक एग्जिट पोल के अनुमानों को पूरी तरह धवस्त कर दिया है। ऐसा लगता है कि गठबंधन सरकारों का दौरा फिर शुरू हो गया। हालांकि, भाजपा ने 2014 व 2019 में अपने दम पर पूर्ण बहुमत प्राप्त करने के बाद भी राजग सहयोगियों को सत्ता में शामिल किया था। क्षेत्रीय दलों में से टीडीपी और नीतीश कुमार किंग मेकर की भूमिका में आ गए हैं। इन्हें अपने पाले में लेने के लिए इंडिया गठबंधन भी हाथ पैर मार रहा है, लेकिन इसके बावजूद वह सत्ता से दूर ही रहेगा। सबसे बड़े दल के रूप में बीजेपी और सबसे बड़े घटक के रूप में एनडीए उभरा है और उसने बहुमत से अधिक सीटें प्राप्त की है। भले ही नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन रहे हैं मगर अपनी शैली के विपरीत उन्हें सहयोगी दलों के साथ सामंजस्य कर चलना होगा। देखना होगा कि क्या गठबंधन मजबूरियों के चलते वे कड़े फैसले लेने में सफल होंगे या नहीं। संभवत: उत्तर प्रदेश में अति आत्मविश्वास एनडीए के लिए हानिकारक सिद्ध हुआ है। फिर भी जनता ने कुल मिलाकर मोदी को ही सत्ता की बागडोर सौंपी है। यह राष्ट्र के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। यह भी खुशी की बात है कि भाजपा ने ओडिशा, और केरल में अपना विस्तार किया है तथा तमिलनाडु में उसका मत प्रतिशत दूना हो गया है।

-**सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

मोदी पड़े भारी

लगभग दो दर्जन विपक्षी दलों ने ऐड़ी-चोंटी का जोर लगाकर मोदी को सत्ता से हटाने का बीड़ा उठाया था। इसके बावजूद एनडीए मोदी के नेतृत्व में फिर भी इंडिया पर भारी पड़ गया। भले ही इंडिया स्वयं को मिले व्यापक समर्थन पर बहुत खुश हो, पर मोदी अकेले सब पर भारी ही रहे। राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस लगभग शतक तक पहुंच गई और अखिलेश यादव ने सपा ने अच्छी सफलता प्राप्त की। पश्चिम बंगाल तक सीमित तृणमूल कांग्रेस ने ममता बनर्जी के नेतृत्व में भाजपा को ज्यादा बढ़ने नहीं दिया और डीएमके का प्रदर्शन भी अच्छा रहा। लेकिन इन सबके बावजूद अकेले मोदी के नेतृत्व में भाजपा 240 पार कर एनडीए के साथ सरकार बनाने जा रही है। मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई तेज करने तथा देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की बात दुहराते हुए इनको मोदी की गारंटी बताया। मतदाताओं की राय से स्पष्ट है कि मोदी के नेतृत्व में आरक्षण और संविधान खतरे था न है और न रहेगा। अब विपक्ष को अंध मोदी-विरोध का रास्ता छोड़ कर देश की राजनीति में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। इससे विपक्षी दलों का कद बढ़ेगा।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

मादक पदार्थों पर प्रतिबंध

प्रसन्नता की बात है कि जम्मू कश्मीर के कटरा प्रशासन ने अपने यहां हर तरह के मादक पदार्थ जैसे सिगरेट, बीड़ी एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने, रखने तथा उनके सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बार विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर शुरू की गई इस अभिनव पहल का सभी को स्वागत करना चाहिए। मादक पदार्थों के परोक्ष विज्ञापनों के कारण इनकी बिक्री बढ़ गई है। धार्मिक स्थलों की मान्यता के चलते अगर मादक पदार्थों पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है तो इसे स्वागत योग्य समझना चाहिए। आशा करनी चाहिए कि हमारे देश के अधिकांश धार्मिक स्थलों के जिम्मेदार अधिकारी भी कटरा प्रशासन के आदेश को एक अच्छी पहल एवं महत्वपूर्ण निर्णय मानकर इसे अपने यहां लागू करेंगे। मादक पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने के साथ ऐसे आदेशों का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करना चाहिए। समाज में युवकों, युवतियों खासकर छात्रों में मादक द्रव्यों के बढ़ते प्रयोग को रोकने के लिए जागरूकता अभियानों की भी आवश्यकता है। युवाओं और छात्रों को समझना चाहिए कि नशे का प्रयोग स्वतंत्रता व उन्मुक्तता के बजाय मानसिक कमजोरी तथा ऐसे पदार्थों के प्रति गुलामी का ही प्रतीक है।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

निरर्थक आरोप

जिन सीटों पर विपक्षी जीते वहां की ईवीएम मशीन अच्छी और जहां विपक्ष हारा वहां की ईवीएम मशीन खराब होने के आरोप लगते रहे हैं। बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग करने वाली कांग्रेस इन चुनाव में दोपहर बाद परिणाम देरी से आने पर चुनाव आयोग के पास पहुंच गई। उसकी शिकायत थी कि हमारी जीत वाली सीटों के नतीजे देरी से क्यों आ रहे हैं? मजेदार बात है कि बैलेट पेपर पर देश भर का नतीजा आने में 2-3 दिन लग जाते थे और हेराफेरी की आशंका भी ज्यादा रहती थी। मगर अब जनता विपक्ष की इस यह नौटंकी से अवगत हो चुकी है। अब भविष्य में यदि विपक्ष ईवीएम पर या चुनाव आयोग पर निराधार आरोप लगाएगा तो उसका परिणाम भी उसे भुगतना पड़ेगा। कांग्रेस ने गृह मंत्री पर डेढ़ सौ कलेक्टरों को धमकाने का आरोप लगाया गया जिस पर चुनाव आयोग ने एक्शन लिया है। चुनाव आयोग को भविष्य में भी ऐसी ही सख्ती दिखानी चाहिए। निरर्थक आरोप लगा कर विपक्ष देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया तथा चुनाव कराने वाले निर्वाचन आयोग की छवि खराब करता है। इससे बचा जाना चाहिए।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आज से फिर शुरू करेंगे जनता दर्शन

● चुनाव आचार संहिता की वजह से दो माह तक थम गया था सिलसिला

●सुबह 9 से 2 बजे तक जनता के बीच होंगे सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आचार संहिता की वजह से पिछले दो माह से थमा 'जनता दर्शन' गुरुवार से एक बार फिर शुरू होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और निराकरण के लिए अधिकारियों को तत्काल निर्देशित भी करेंगे। इस पहल से प्रदेश की जनता को अपनी समस्याओं को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाने का अवसर प्राप्त होगा और साथ ही उसका तत्काल निराकरण भी संभव हो सकेगा। दो माह पूर्व आचार संहिता लगने से पहले तक सीएम योगी तकरीबन प्रतिदिन अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान आमजन से मुलाकात करते रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लोग सीएम से मिलकर उन्हें अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते रहे हैं। मुख्यमंत्री भी एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से उनकी समस्याएं सुनते हैं और तत्काल प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को जनता की समस्याओं के निराकरण के निर्देश भी देते रहे हैं। सीएम योगी के सामने आने वाली ज्यादातर समस्याओं में जमीन संबंधित विवाद और स्वास्थ्य संबंधित खर्च के अनुरोध रहते हैं।

इसके अलावा पारिवारिक विवाद और थाने व तहसील से संबंधित विवादों में भी जनता मुख्यमंत्री से गुहार लगाती है। प्रदेश और जिले के अधिकारियों संग बैठकों के दौरान सीएम योगी ने पहले ही स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि थानों और तहसीलों की साप्ताहिक समीक्षा जिलास्तर के वरिष्ठ अधिकारी करें, किसी भी फरियादी के साथ अशोभनीय व्यवहार नहीं होना चाहिए।

यूपी की प्रगति और गरीबों-वंचितों को सशक्त बना रहे योगी: प्रधानमंत्री

● पीएम ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की दी शुभकामनाएं दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए योगी आदित्यनाथ ने दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की है। मोदी ने लिखा है कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। वे उप्र की प्रगति और गरीबों तथा वंचितों को सशक्त बनाने के लिए काम कर रहे हैं। मैं उनके आने वाले समय में दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री की शुभकामनाओं पर सीएम योगी ने भी आभार व्यक्त किया है। आपकी आत्मीय एवं ऊर्जावान शुभकामनाएं मेरे लिए अथाह प्रेरणा का स्रोत हैं। आपके यशस्वी मार्गदर्शन में विरासत और विकास को संजोए 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश' की संकल्पना साकार हो रही है। मुख्यमंत्री योगी के जन्मदिन पर गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, किरण रिजिजू और साध्वी निरंजन ज्योति सहित विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपनी शुभकामनाएं दी हैं। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडु, असम के सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा, त्रिपुरा के सीएम प्रो. डॉ माणिक साहा, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा और मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव ने सीएम योगी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने भी सभी की शुभेच्छाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि आपकी शुभकामनाएं मुझे आत्मनिर्भर एवं विकसित उप्र के लक्ष्य को पूर्ण करने में सदैव प्रेरणा प्रदान करेंगी।

सॉलिड व लिक्विड वेस्ट के निस्तारण की समुचित व्यवस्था करना भी आवश्यक: मुख्यमंत्री

● विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया पौधरोपण, सरकारी आवास पर लगाया चंदन का पौधा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस-2024 और अपने जन्मदिन पर पौधरोपण किया। अपने सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह चंदन का पौधा लगाया। वर्तमान में जीव सृष्टि तथा विश्व मानवता को ग्लोबल वॉर्मिंग, ग्लोबल कूलिंग, अतिवृष्टि तथा अनावृष्टि जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग के दुष्परिणाम स्वरूप इस गर्मी के मौसम में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को भी क्रॉस कर रहा है। पर्यावरण की रक्षा कर इन समस्याओं से निजात पायी जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण रक्षा की दिशा में कदम उठाते हुए राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक को पूरी तरह प्रतिबन्धित किया गया। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से वर्षा की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने तथा ग्राण्डड वॉटर लेवल मेन्टेन करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में प्रतिवर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वन महोत्सव के अवसर पर करोड़ों की संख्या में पौधों का रोपण किया जाता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से प्रत्येक वर्ष एक-एक पौधा लगाने व उसका संरक्षण करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सॉलिड व लिक्विड वेस्ट के निस्तारण की समुचित व्यवस्था करना भी आवश्यक है। पहले गांवों में खाद का गड्ढा सॉलिड वेस्ट का देशी मॉडल होता था। इन पर भू-माफियाओं द्वारा कब्जा किया जा चुका था। प्रदेश सरकार ने एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स के माध्यम से इन पर किये गये अवैध कब्जों को हटाने की कार्यवाही की। इस कार्य में सफलता भी प्राप्त हुई, लेकिन अभी इस पर बहुत कुछ किये जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें लिक्विड वेस्ट के निस्तारण हेतु भी देशी मॉडल विकसित करना होगा। वनों की अवैध कटान तथा प्रकृति को किसी भी स्तर पर पहुंचाए जाने वाले नुकसान को प्रत्येक परिस्थिति में रोकना होगा अन्यथा यह विश्व मानवता के लिए संकट उत्पन्न करने का कार्य करेगा। अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) एसपी गोयल, अपर मुख्य सचिव (वन/पर्यावरण) मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार आदि मौजूद रहे। पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने ऑफिशियल अकाउंट 'एक्स' पर लिखा-माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। विश्व पर्यावरण दिवस पर लखनऊ में पौधरोपण का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

यूपी में बीजेपी के लिए 'सुरक्षित' साबित नहीं हुई आरक्षित सीट

लखनऊ। उप्र की कुल 80 संसदीय सीटों में से 17 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। 2024 के चुनाव नतीजों में सुरक्षित सीटों पर भाजपा सुरक्षित नहीं रही। पिछले चुनाव के मुकाबले सुरक्षित सीटों पर उसकी हिस्सेदारी आधी हो गई है। बुलंदशहर, हाथरस, शाहजहांपुर, हरदोई और मिश्रिख सीटों पर भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई है। आगरा और बांसगांव सीट पर वो लगातार चौथी बार जीती है। 2019 के चुनाव में भाजपा ने 14 सीटों पर विजय पताका फहराई थी। दो सीट बसपा और एक सीट अपना दल सोनेलाल के खाते में गई थी। 2024 में भाजपा के खाते में 8 सीटें18वीं कसभा के चुनाव नतीजों में बीजेपी ने प्रदेश की कुल 17 आरक्षित सीटों में से आठ पर जीत दर्ज की। बुलंदशहर, हाथरस, आगरा, शाहजहांपुर, हरदोई, मिश्रिख, बहराइच और बांसगांव शामिल है।

मुस्लिम महिलाओं ने कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर की गारंटी कार्ड की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव का परिणाम सामने आने के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नया नजारा देखने को मिला। बुधवार सुबह से ही यूपी कांग्रेस पार्टी दफ्तर के बाहर पहुंचकर काफी तादाद में मुस्लिम महिलाएं 'गारंटी कार्ड' की मांग करने लगीं। यही नहीं, कई महिलाओं ने पहले से मिला हुआ कांग्रेस का गारंटी कार्ड अपने नाम, पता और नंबर भरकर पार्टी दफ्तर में जमा भी किया। कुछ महिलाओं का दावा है कि गारंटी कार्ड को भरकर जमा करने पर कांग्रेस कार्यालय से रसीद भी मिली है। महिलाओं ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने पैसे देने का वादा किया था, अब इंडिया गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए हम गारंटी कार्ड जमा करने आए हैं। तमाम महिलाएं गारंटी कार्ड लेने भी आई थीं।

मालूम हो कि कांग्रेस ने गारंटी कार्ड में अपने घोषणापत्र में किए गए वादों का उल्लेख किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नई दिल्ली में 3 अप्रैल को पार्टी के इस अभियान की शुरुआत की थी। कांग्रेस के इस गारंटी कार्ड में युवा न्याय योजना के तहत हर शिक्षित युवा को 1 लाख रुपए सालाना, नारी न्याय के अंतर्गत हर गरीब परिवार की महिला को एक लाख रुपए सालाना देने का वादा किया गया है। इसके अलावा, कम से कम 400 रुपए प्रति दिन के हिसाब से मनरेगा मजदूरी देने की बात कही है।

मुस्लिम समाज को आगे सोच-समझ कर टिकट देगी पार्टी: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बुधवार को पार्टी प्रमुख मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए खास तौर पर मुस्लिम समाज को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पार्टी का खास अंग मुस्लिम समाज जो पिछले कई चुनावों में व इस बार भी लोकसभा आमचुनाव में उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद भी बीएसपी को ठीक से नहीं समझ पा रहा है तो अब ऐसी स्थिति में आगे इनको काफी सोच समझ के ही चुनाव में पार्टी द्वारा मौका दिया जायेगा। ताकि आगे पार्टी को भविष्य में इस बार की तरह भयंकर नुकसान ना हो।

बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर मायावती ने कहा कि हमारी पार्टी चुनाव आयोग से शुरू से ही यह मांग करती रही है कि चुनाव बहुत लंबा नहीं खिंचना चाहिए। बल्कि आम लोगों के हितों के साथ-साथ, चुनाव ड्यूटी में लगने वाले लाखों सरकारी कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों आदि के व्यापक हित व सुरक्षा आदि को ध्यान में रखते हुए यह चुनाव अधिक से अधिक तीन या चार चरणों में ही कराया जाना चाहिए था।

मायावती ने कहा कि ऐसे में यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र और आमजन के व्यापक हित के मद्देनजर, आगे चुनाव कराते समय चुनाव आयोग द्वारा लोगों की इन खास परेशानियों को जरूर ध्यान में रखा जाएगा। इसके अलावा, चुनाव के दौरान देश भर में लगभग पूरे समय मंहगाई, गरीबी और बेरोजगारी से त्रस्त लोगों में यह आम चर्चा रही कि अगर चुनाव फ्री एण्ड फेयर हुआ और ईवीएम में कोई गड़बड़ी आदि नहीं हुई तो फिर चुनाव परिणाम निश्चय ही, खासकर रूलिंग पार्टी के नेताओं के दावों के मुताबिक नहीं होकर, चौंकाने वाला जरूर होगा। बीएसी सुप्रीमो ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव का जो भी नतीजा आया है, वह लोगों के सामने है और उन्हें ही, अब देश के लोकतंत्र, संविधान और देशहित के बारे में सोचना और फैसला करना है कि यह जो चुनाव परिणाम आया है, उसका आगे उन सबके जीवन पर क्या फर्क (असर) पड़ने वाला है और उनका अपना भविष्य कितना शान्त, व सुरक्षित रह पाएगा? मायावती ने उत्तर प्रदेश पर बात करते हुए कहा, चुनाव में खासकर यूपी की तरफ पूरे देश की निगाहें टिकी हुई थीं।

हमारी पार्टी नतीजों को गंभीरता से लेकर इसका हर स्तर पर गहराई से सही विश्लेषण करेगी और पार्टी व मूवमेन्ट के हित में जो भी जरूरी होगा कदम भी उठाएगी क्योंकि बीएसपी एक राजनीतिक पार्टी के साथ-साथ लोगों के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का एक मूवमेन्ट भी है. इसीलिए हमारी प्रतिक्रिया भी विशुद्ध रूप से देश के लोकतंत्र और परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के संविधान की पवित्रता व मजबूती को समर्पित होगी, जिससे देश के करोड़ों गरीबों, शोषितों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों एवं मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के हित व कल्याण तथा उनकी सुरक्षा एवं सम्मान आदि पर मंडराता खतरा दूर हो। मायावती ने अपने पत्र के आखिरी में कहा कि इस चुनाव में बीएसपी का अकेले ही, पार्टी से जुडे लोगों के बलबूते पर बेहत्तर रिजल्ट के लिए हर मुमकिन प्रयास हुआ किया गया है, जिसमें खासकर दलित वर्ग में से मेरी खुद की जाति के लोगों ने वोट देकर जो अपनी अहम् मिशनरी भूमिका निभाई है, मैं पूरे तेहदिल से आभार प्रकट करती हूं।

उत्तर प्रदेश को मई माह में हासिल हुआ 18092.19 करोड़ रुपए का राजस्व

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रदेश के मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के मई माह में कुल 18,092.19 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के मई माह में 15,351.19 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के मई माह मे वित्तीय वर्ष 2023-24 के मई माह के सापेक्ष सरकार के मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में 2,741.00 करोड़ अधिक की प्राप्ति हुई है।

खन्ना ने बताया कि मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में जीएसटी के अन्तर्गत माह मई, 2024 में कुल 6,690.89 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष मई, 2023 के माह में प्राप्ति 5,553.16 करोड़ थी। इस प्रकार जीएसटी मद के अन्तर्गत मई माह मे गत वर्ष की तुलना मे इस वर्ष 1137.73 करोड़ अधिक प्राप्त हुआ है। वैट के अन्तर्गत माह मई, 2024 में 2,898.75 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष माह मई, 2023 में प्राप्ति 2,625.11 करोड़ थी। आबकारी के अन्तर्गत माह मई, 2024 में 4,593.44 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष माह मई, 2023 में प्राप्ति 3633.06 करोड़ थी। स्टाम्प तथा निबन्धन के अन्तर्गत माह मई, 2024 की राजस्व प्राप्ति 2655.13 करोड़ है जबकि गत् वर्ष माह मई, 2023 में प्राप्ति 2350.18 करोड़ थी। परिवहन के अन्तर्गत माह मई, 2024 की राजस्व प्राप्ति 912.52 करोड़ है जबकि गत् वर्ष माह मई, 2023 में प्राप्ति 850.64 करोड़ थी। भू-तत्व तथा खनिकर्म के अन्तर्गत माह मई, 2024 में प्राप्ति 341.46 करोड़ है जबकि गत् वर्ष माह मई, 2023 में प्राप्ति 339.04 करोड़ थी।

वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के माह मई, 2024 तक मुख्य कर राजस्व के अन्तर्गत 34724.47 करोड़ की प्राप्ति जो मई, 2024 तक निर्धारित लक्ष्य का 78.1 प्रतिशत है। वर्तमान वित्तीय वर्ष मे माह मई तक जीएसटी के अन्तर्गत 15001.31 करोड़ तथा वैट के अन्तर्गत 3846.73 करोड़ की प्राप्ति हुई है। इसी प्रकार अबकारी मद के अन्तर्गत 8352.57 करोड़, स्टाम्प तथा निबन्धन के अन्तर्गत 4904.84 करोड़, परिवहन के अन्तर्गत 1842.11 करोड़, भू-राजस्व के अन्तर्गत 77.86 करोड़ तथा उर्जा के अन्तर्गत 699.05 करोड़ की प्राप्ति हुई है।

जनता की शक्ति से बड़ा न किसी का बल न किसी का छल: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की बड़ी जीत के बाद उत्साहित अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं का धन्यवाद किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह उस दलित बहुजन भरोसे की भी जीत है, जिसने अपने पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी, आधी आबादी और अगड़ों में पिछड़े सभी उपेक्षित, शोषित, उत्पीड़ित समाज के साथ मिलकर उस संविधान को बचाने के लिए कंधे-से-कंधा मिलाकर संघर्ष किया है जो समता-समानता, सम्मान-स्वाभिमान, गरिमामय जीवन व आरक्षण का अधिकार देता है।

अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता ने देश को एक बार फिर से नई राह दिखाई है, नई आस जगाई है। 2024 लोकसभा का चुनाव संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाने की और सामाजिक न्याय की जीत है। उप्र की प्रगतिशील जनता के विचार ही वोट के रूप में हमें मिले हैं। ये बंटवारे की नकारात्मक राजनीति के खिलाफ सौहार्द भाईचारे और सकारात्मक राजनीति की जीत है। ये इंडिया गठबंधन और पीडीए एकता की जीत है।

अखिलेश यादव ने कहा कि यह उस दलित-बहुजन भरोसे की भी जीत है जिसने अपने पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी, आधी आबादी और अगड़ों में पिछड़े सभी उपेक्षित, शोषित, उत्पीड़ित समाज के साथ मिलकर उस संविधान को बचाने के लिए कंधे-से-कंधा मिलाकर संघर्ष किया है जो समता-समानता, सम्मान-स्वाभिमान, गरिमामय जीवन एवं आरक्षण का अधिकार देता है।

अखिलेश यादव ने कहा कि ये नारी के मान और महिला-सुरक्षा के भाव की जीत है। ये नवयुवतियों-नवयुवकों के सुनहरे भविष्य की जीत है। ये किसान-मज़दूर-कारोबारियों-व्यापारियों की नयी उम्मीदों की जीत है। ये सर्व समाज के सौहार्द-प्रिय, समावेशी सोच वाले समता-समानतावादी सकारात्मक लोगों की सामूहिक जीत है। ये निष्पक्ष, निष्कलंक मीडिया के निरंतर, अथक, निर्भय, ईमानदार प्रयासों की जीत है। ये संविधान को संजीवनी मानने वाले संविधान-रक्षकों की जीत है। ये लोकतंत्र के हिमायती-हिम्मती लोगों की जीत है। ये ग़रीब की जीत है। ये लोकतंत्र की जीत है। ये सकारात्मक राजनीति की जीत है। ये मन के सच्चे और अच्छे लोगों की जीत है। ये एनडीए की टीम और पीडीए की रणनीति की जीत है।

हाशिए पर जा चुके बाबू सिंह कुशवाहा का हुआ राजनीतिक पुनर्जन्म

लखनऊ। उप्र में बसपा सरकार के दरमियान एनआरएचएम घोटाले और लखनऊ में मेडिकल ऑफिसर की हत्याओं में नाम आने के चलते मंत्री पद गंवाने के साथ ही जेल की हवा खाने वाले बाबू सिंह कुशवाहा का राजनीति में पुनर्जन्म हो गया। पूरी तरह से हासिए पर जा चुके कुशवाहा भाजपा के कृपा शंकर सिंह को हराकर वापिस मुख्य धारा में आ गए हैं। वह अब जौनपुर के सांसद निर्वाचित हो चुके हैं। बाबू सिंह कुशवाहा बसपा की तत्कालीन प्रदेश सरकार के दौरान सीएम रहीं मायावती के सबसे करीबी लोगों में माने जाते थे। उन्हें बसपा ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद का सदस्य बनाया और दो बार कैबिनेट मंत्री भी रहे हैं।

मायावती ने अपनी सरकार में 2007 में कुशवाहा को खनिज, नियुक्ति, सहकारिता जैसे महत्वपूर्ण दिए। साथ ही साथ परिवार कल्याण विभाग का गठन हुआ तो यह विभाग भी सौंप दी। कहा जाता है कि मायावती के बाद बसपा में वह नंबर दो की भूमिका रखते थे। एनआरएचएम घोटाले में नाम आने और लखनऊ में मेडिकल ऑफिसर की हत्याओं के बाद उन्होंने परिवार कल्याण और खनन विभाग के पद से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, बसपा ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया। बसपा से निकाले जाने के बाद कुशवाहा ने साल 2011 में विनय कटियार और सूर्य प्रताप शाही की मौजूदगी में बीजेपी का दामन थाम लिया था, लेकिन पार्टी के नेताओं को ये बात नागवार गुजरी और अंदरखाने असंतोष की आवाज उठने लगी। बीजेपी के नेताओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी को पत्र लिखकर निर्दोष साबित होने तक उनकी सदस्यता निलंबित करने का अनुरोध किया। इसके बाद कुशवाहा ने अपनी जन अधिकार पार्टी बनाई। उनकी पार्टी ने 2022 का यूपी विधानसभा चुनाव लड़ा और एक भी सीट नहीं जीत पाई और उसे 1 फीसदी वोट मिले।

काम आई सपा की पीडीए रणनीति, चौथे प्रयास में सांसद बन गए चौधरी

मोहनलालगंज। लोकसभा सीट के चुनाव में तीन बार से किश्मत आजमा रहे पूर्व मंत्री आरके चौधरी ने आखिरकार चौथी बार फतह हासिल कर ली। बूथ स्तर पर पीडीए सेनानियों की जीतोड़ मेहनत आरक्षण का खतरा दिखाकर पीडीए को सपाई वोटबैंक से जोड़ने में काफी हद तक कामयाब नजर आई। मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र के लिए आरके चौधरी नया नाम नही है। पिछले तीन लोकसभा चुनाव से वह लगातार मतदाताओं का भरोसा जीतने की कोशिश कर रहे थे। इस बार सपा की पीडीए रणनीति उनके लिए बेहद कारगर साबित हुई। पीडीए रणनीति को सफल बनाने के लिए समाजवादी छात्रसभा के राष्ट्रीय महासचिव मनोज पासवान की अगुवाई में धर्मवीर पासवान राजकुमार भोला लोधी उमेश वर्मा हरिशंकर रावत मुकेश रावत और ओमप्रकाश दिवाकर समेत तकरीबन एक सौ पीडीए सेनानियों ने दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में बूथस्तर तक मजबूत किलेबन्दी की।

यूपी से 7 महिलाएं करेंगी संसद में प्रतिनिधित्व

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश की सबसे बड़ी पंचायत में इस बार 7 महिला सांसद यूपी का प्रतिनिधित्व करेंगी। इनमें से सपा की सर्वाधिक पांच महिला सांसद चुनी गई हैं। इस बार प्रदेश की 80 सीटों पर कुल 851 प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई थी। 80 महिला उम्मीदवार शामिल थी। प्रमुख दलों में भाजपा ने 7, सपा ने 10, कांग्रेस ने एक, अपना दल (एस) ने दो और बसपा ने तीन महिला प्रत्याशियों को टिकट दिया था। बता दें, 2019 के लोकसभा चुनाव में यूपी से 11 महिला सांसद चुनी गई थीं।

देश की संसद को सर्वाधिक 80 सांसद देने वाले प्रदेश का देश की संसद में 7 महिला सांसद प्रतिनिधित्व करेंगी। सपा से पांच, बीजेपी और अपना दल से एक-एक महिला सांसद विजयी हुई हैं। इनमें मथुरा से हेमामालिनी (बीजेपी), मीरजापुर से अनुप्रिया पटेल (अपना दल सोनेलाल), मैनपुरी से डिम्पल यादव (सपा), बांदा से कृष्णा पटेल (सपा), मछलीशहर से प्रिया सरोज (सपा), मुरादाबाद से रुचिवीरा (सपा) और कैराना से इकरा हसन (सपा) शामिल हैं। एनडीए ने यूपी में नौ महिला प्रत्याशी उतारी थीं। जिसमें सात बीजेपी और दो सहयोगी अपना दल सोनेलाल की टिकट पर मैदान में अपनी किस्मत आजमाने उतरीं। बीजेपी की टिकट पर मथुरा से हेमा मालिनी, धौरहरा से रेखा वर्मा, अमेठी से स्मृति ईरानी, सुलतानपुर से मेनका गांधी, फतेहपुर से साध्वी निरंजन ज्योति, बाराबंकी से राजरानी रावत, लालगंज से नीलम सोनकर मैदान में थी। वहीं अपना दल सोनेलाल की टिकट पर मीरजापुर से अनुप्रिया पटेल और राबर्ट्सगंज से रिंकी कोल मैदान में उतरी।

समाजवादी ने 10 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिया। इसमें कैराना से इकरा हसन, मुरादाबाद से रुचि वीरा, मेरठ से सुनीता वर्मा, मैनपुरी से डिंपल यादव, हरदोई से ऊषा वर्मा, उन्नाव से अन्नू टंडन, गोंडा से श्रेया वर्मा, गोरखपुर से काजल निषाद, मछलीशहर से प्रिया सरोज और बांदा से कृष्णा पटेल शामिल हैं। गाजियाबाद से कांग्रेस ने डॉली शर्मा को टिकट दिया। बहुजन समाज पार्टी ने सिर्फ तीन महिला प्रत्याशियों पर विश्वास जताया। इसमें आगरा से पूजा अमरोही, इटावा से सारिका सिंह बघेल और लालगंज से इंदू चौधरी है। लोकसभा चुनाव 2019 में यूपी से 11 महिला सांसद बनी थीं, जिसमें हेमा मालिनी मथुरा, केशरी देवी पटेल फूलपुर, मेनका गांधी सुलतानपुर, रेखा वर्मा धौरहरा, रीता बहुगुणा जोशी इलाहाबाद, साध्वी निरंजन ज्योति फतेहपुर, संघ मित्रा मौर्य बदायूं, स्मृति ईरानी अमेठी, सोनिया गांधी रायबरेली, संगीता आजाद लालगंज, अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर से जीती थीं। 2023 में मैनपुरी सीट पर हुए उपचुनाव में सपा से डिंपल यादव जीतकर दिल्ली पहुंची थी। 2014 में यूपी से अनुप्रिया पटेल-मिर्जापुर, हेमा मालिनी- मथुरा, डिम्पल यादव- कन्नौज, कृष्णा राज-शाहजहांपुर, मेनका गांधी- पीलीभीत, प्रियंका सिंह रावत- बाराबंकी, रेखा-धौरहरा, साध्वी निरंजन ज्योति-फतेहपुर, सावित्री बाई- बहराइच, सोनिया गांधी- रायबरेली, उमा भारती- झांसी से जीती थीं।

पांच मुस्लिम प्रत्याशी यूपी से पहुंचे संसद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

18वीं लोकसभा के चुनाव नतीजों में उत्तर प्रदेश से पांच मुस्लिम सांसदों ने जीत हासिल की है। इनमें से चार समाजवादी पार्टी (सपा) और 1 कांग्रेस से है। जीते हुए मुस्लिम प्रत्याशियों में चार वेस्ट यूपी और एक पूर्वांचल से हैं। सपा ने चार सीटों पर मुस्लिम को प्रत्याशी बनाया है और दो सीट पर कांग्रेस ने टिकट दिया। बसपा ने 23 मुस्लिमों को प्रत्याशी बनाकर अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। हालांकि इस चुनाव में उसका खाता ही नहीं खुल सका। बता दें, 2019 के आम चुनाव में छह मुस्लिम सांसद उप्र से जीतने में कामयाब हुए।

आजादी के बाद से ही यूपी में मुस्लिम सांसद चुने जाते रहे हैं। सबसे ज्यादा 18 मुस्लिम सांसद 1980 और सबसे कम 3 सांसद 1991 में चुने गए थे। 2014 में वोटों के ध्रुवीकरण और विपक्ष के बिखराव से उनका प्रतिनिधित्व शून्य रह गया था। सपा ने चार मुस्लिम प्रत्याशी उतारे, सभी जीतेसमाजवादी पार्टी ने उप्र की कैराना, रामपुर, गाजीपुर और संभल लोकसभा सीट से सपा ने मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया था। इन चारों सीटों पर उसके प्रत्याशियों को जीत मिली है। कैराना से सपा की इकरा चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदीप कुमार को 69,116 हज़ार वोटों से हराया।

रामपुर से सपा के मोहिबुल्लाह ने 87,434 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, संभल से जिया उर रहमान 1,21,494 वोटों के अंतर से जीते। वहीं गाजीपुर से अफ़ज़ल अंसारी ने बीजेपी के पारस नाथ राय को 1,24,861 वोटों के अंतर से शिकस्त देकर कुर्सी पर कब्जा किया। गौरतलब है, 2024 के चुनाव में सपा-कांग्रेस के बीच गठबंधन है। कांग्रेस की टिकट पर जीते इमरान मसूदप्रदेश की ससंदीय सीट संख्या 1 सहारनुपर में कांग्रेस की टिकट पर इमरान मसूद मैदान में थे। इमरान मसूद ने बीजेपी के राघव लखनपाल को 64,542 वोटों के अंतर से परास्त किया। उप्र में करीब 19 फीसदी मुस्लिम आबादी उत्तर प्रदेश में करीब 19 फीसदी मुस्लिम यानि 3.84 करोड़ आबादी हैं। देश के किसी राज्य में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी अनुपात के हिसाब से असम बंगाल और केरल के बाद यूपी का नंबर आता है।

पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में मुसलमान हैं तो पश्चिमी यूपी में मुसलमानों की बड़ी तादाद है। पश्चिमी यूपी में 26.21 फीसदी आबादी मुसलमानों की है। सूबे के 7 जिलों में मुसलमानों की आबादी 40 फीसदी से ज्यादा है, इन्हीं सात जिलों में से छह जगह पर मुस्लिम सांसद 2019 में चुने गए थे। 2014 और 2019 में उप्र में कितने मुस्लिम सांसद थे ?सबसे दिलचस्प बात ये रही कि 2014 चुनाव में उत्तर प्रदेश में एक भी मुस्लिम उम्मीदवार संसद तक नहीं पहुंच सका था। हालांकि, कैराना उपचुनाव में रालोद प्रत्याशी तबस्सुम हसन ने भाजपा उम्मीदवार मृगांका सिंह को हराया था। उन्हें सपा-बसपा और कांग्रेस ने समर्थन दिया था। ये सीट हुकुम सिंह के निधन से खाली हुई थी। 2019 के चुनाव में यूपी से 6 मुसलमान सांसद चुने थे। इसमें बसपा और सपा के 3-3 सांसद रहे।

बसपा से कुंवर दानिश ने अमरोहा से तो अफजाल अंसारी ने गाजीपुर और सहारनपुर से हाजी फजर्लुरहमान ने जीत हासिल की थी। वहीं, सपा से आजम खान ने रामपुर, शफीकुर्रमान ने संभल से तो डॉ. एसटी हसन मुरादाबाद से जीते थे। हालांकि, 2022 में आजम खान ने रामपुर सीट से इस्तीफा देने के बाद उपचुनाव में बीजेपी ने कब्जा जमा लिया था। इस चुनाव में सपा के साथ मिलकर बसपा चुनाव लड़ा था और प्रदेश की 80 में से 10 सीट पर सपा-बसपा गठबंधन ने मुस्लिम कैंडिडेट उतारे थे। सपा ने अपने कोटे की 37 में से 4 सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी दिए तो बसपा ने अपने कोटे की 38 में से 6 सीट पर मुस्लिमों को टिकट दिया था।

डीएम ने पौधरोपण करते हुए लोगों को किया जागरूक

● विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डीएम ने किया जागरूक

कानपुर देहात। आज 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी आलोक सिंहए कानपुर देहात मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन.ए एवं प्रभागीय वनाधिकारी, एके द्विवेदी, द्वारा पौधरोपण किया गया। वन विभाग के तत्वावधान में, माँ मुक्तेश्वरी देवी, कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष, कानपुर देहात में जन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन पर प्रकाश डालते हुये ए.के. द्विवेदी प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा विश्वभर में बिगड़ते पर्यावरण और इसके दुष्परिणामों पर विस्तृत रूप से आम जनमानस को जागरूक बनने व इस वर्ष के थीम 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता' पर किये जाने वाले प्रयास पर चर्चा की गयी। प्रभागीय वनाधिकारी, कानपुर देहात द्वारा जन जागरूकता गोष्ठी में सभी अतिथिगणों व अधिकारियों एवं छात्र.छात्राओं को संबोधित करते हुये यह अपील की कि मानव के अस्तित्व के लिये यह आवश्यक हो गया है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं आगे आकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देए जिससे वनों की रक्षा व उनका मरूस्थलीकरण एवं भूमि को बंजर होने से रोका जा सके। इन सभी का एक ही उपाय है कि विभिन्न अवसरों पर हम अपने आस.पास अधिक से वृक्ष लगाये तथा स्थानीय स्तर की जैव विविधताए जीव.जन्तुओंए पशु पक्षियों के संरक्षण का सतत प्रयास किया जाता रहेए जिससे इस धरती की जैव विविधता बनी रहे।

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रही सीडीओ द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं स्कूली छात्र.छात्राओं तथा शिक्षकगणों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनायें देते हुये यह अपील की गयी कि हम सभी को वर्षाकाल के दौरान पौधरोपण अवश्य करें तथा पौधरोपण के साथ.साथ रोपित पौध का अपने बच्चों की भाँति अनवरत देख.रेख करने हेतु अपील भी। उन्होने निजी विद्यालयों के संचालकों से भी यह अपील की वह अपने आस.पास के किसी एक गॉव को गोद लेते हुये वृक्षारोपण व अन्य पर्यावरण संरक्षण में विशेष प्रयास किये जाये। उन्होने यह भी बताया की लगभग 30 गावों में इस वर्षाकाल में दूषित जल किसी तालाब व नदियों में नही जायेगा। आने वाले समय में लगभग 300 गॉवों में कार्ययोजना बनाकर कैच द रेन अवधारणा को फ्लीभूत कराया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारीए द्वारा सभी उपस्थित अधिकारियों व छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलायी गयी। पर्यावरण संरक्षण में योगदान कैसे दिया जा सकता है, इसके लिये रोहित बृजपुरिया, इण्डियन, इण्डस्ट्रियल एशोसिएशन के चेयरमैन, दीपिका सेंगर, पर्यावरण सदस्य, नवीन दीक्षित, पर्यावरण प्रेमी/शिक्षक कार्यक्रम का संचालन कर रहे अनूप सचान, पर्यावरण प्रेमी द्वारा आगामी वर्षाकाल में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण संरक्षण में व्यापक सहयोग करने का वचन दिया गया। बल्देव प्रसाद, जिला उद्यान अधिकारी, कानपुर देहात द्वारा पौधरोपण की विधि को विस्तृत रूप से समझाया गया। गोष्ठी में मौजूद स्वजन फाउण्डेशन के मनोज कुशवाहाए निदेशक द्वारा पर्यावरण संरक्षण में किये जा रहे कार्यों को बताते हुये उपस्थिति जन सामान्य को पौध वितरित किये गये। सीडीओ, प्रभागीय वनाधिकारीए कानपुर देहात व क्षेत्रीय वन अधिकारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र.छात्राओं को प्रमाण.पत्र वितरित किया गया।

लोधी महासभा ने मुकेश व साक्षी महाराज के पुन:सांसद बनाने पर मनाया जश्न

फर्रुखाबाद। कमालगंज विकास खंड के लोधी बाहुल्य चुरसाई गांव में भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत व उन्नाव से भाजपा प्रत्याशी स्वामी साक्षी महाराज के चुनाव जीतने पर जश्न मनाया। भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत ने तीसरी बार जीत की हैट्रिक लगाने व साक्षी महाराज के सांतवी बार जीत पर चुरसाई गांव में डीजे पर युवाओं ने जमकर नाच गाना किया। आतिशबाजी छुड़ाकर जश्न मनाया। सभी को लड्डू बांटकर मुंह मीठा कराया गया। फर्रुखाबाद सातनपुर मंडी में हुई मतगणना में भारत पाकिस्तान के मैच की तरह लोग टकटकी लगाए बैठे रहे। यहां तक कि गांव के लोगों ने ढंग से खाना भी नहीं खाया, गांव में प्राचीन श्रीहनुमान मंदिर पर जीत के लिए, कवन सो काज कठिन जग माहीं , जो नहिं होय तात तुम पाहीं , पूजा अर्चना की। कट्टर भाजपाई हंसराम राजपूत ने 13 मई को अपना वोट भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत को वोट देते हुए कहा कि हमारी तबियत बिगड़ी रहती है।

कन्नौज की खुशबू को फिर से महकाएँगे: अखिलेश

डीएम से जीत का प्रमाणपत्र लेते एवं समर्थको के साथ अखिलेश यादव।

● सपाध्यक्ष ने कन्नौज से लिया जीत का सार्टिफिकेट

कन्नौज। लोकसभा चुनाव में कन्नौज से सांसद निर्वाचित होने के बाद बुधवार को सपा मुखिया अखिलेश कन्नौज पहुंचे। यहां कलेक्ट्रेट में उन्होंने जिलाधिकारी से जीत का सर्टिफिक्रेट लिया। कन्नौज में अखिलेश यादव को देख सपा कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। उधर, सपा कार्यालय में भी जश्न का माहौल बन गया। ढोल बजाकर सपाइयों ने खुशी का इजहार किया। वहीं, अखिलेश यादव ने कन्नौज शुक्रिया अदा किया है।

मंगलवार को आए लोकसभा चुनाव नतीजों से उत्साहित कन्नौज के सपा कार्यकर्ताओं को खुशी से झूमने का मौका आज फिर मिला जब उनके नेता सपा मुखिया अखिलेश यादव कन्नौज सांसद चुने जाने के बाद कन्नौज पहुंचे। अखिलेश को जीत का प्रमाणपत्र लेना था। इसलिए वह दोपहर 12 कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल से सर्टिफिक्रेट प्राप्त किया। अखिलेश यादव का काफिला पार्टी कार्यालय पहुंचा तो सपाई खुशी से झूम उठे। ढोल बजाकर और माला पहनाकर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। अखिलेश यादव यहां 15 मिनट रुके और कार्यकर्ताओं से बात की। उसके बाद वह लखनऊ रवाना हो गए। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने कन्नौज से भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक को 1.70 लाख से अधिक वोटों से शिकस्त दी है।

इंडिया गठबंधन के विजई प्रत्याशी का जगह-जगह हुआ स्वागत

फतेहपुर। फ्तेहपुर लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी जिले से दो बार की सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को 33199 वोटों से पराजित कर दिया। जैसे ही यह खबर सार्वजनिक हुई तो समर्थकों के बीच खुशी का ठिकाना नहीं रहा और देर रात से ही स्वागत का जो सिलसिला शुरू हुआ वह बुधवार को भी जारी रहा। समाजवादी पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव की अगुवाई में विजई प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल का स्वागत समारोह आयोजित हुआ। जैसे ही श्री उत्तम पार्टी कार्यालय पहुंचे सपाईयों ने जोरदार नारेबाजी कर उनको फूल–मालाओं से लाद दिया। सपाईयों के बीच माला पहनाने की होड़ मची रही। सपाईयों के बीच गजब का उत्साह देखा गया क्योंकि डेढ़ दशक बाद यह सीट समाजवादी पार्टी की झोली में गई है। इसके बाद शहर

के कई अन्य स्थानों पर भी नरेश उत्तम के स्वागत को लोग उमड़ पड़े।

नारेबाजी के बीच श्री उत्तम को फूल–मालाओं से लादा गया। विजई प्रत्याशी ने कहा कि यह जीत उनकी नहीं बल्कि आप सभी की जीत है। जिन्होने स्थानीय उम्मीदवार पर भरोसा जताया। उन्होने कहा कि जिस उम्मीद के साथ जनता ने उन्हें फ्तेहपुर लोकसभा सीट की जिम्मेदारी सौंपी है उस पर वह खरा उतरने का काम करेंगे। पीड़ितों की समस्याओं से लेकर जनहित के मुद्दों को वह संसद में उठाने का काम करेंगे।

सपा की जीत में कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान: अमित

● अखिलेश की जीत पर दूसरे दिन भी चला मिठाई बांटनें का सिलसिला

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

कार्यकर्ताओं को मिष्ठान खिलाते शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष अमित यादव।

कन्नौज लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी को मिली शानदार जीत पर समाजवादी शिक्षकसभा के जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई दी और मिठाई खिलाकर हर्ष प्रकट किया।

बुधवार को जीटी रोड तेराजाकेट में समाजवादी शिक्षकसभा जिलाध्यक्ष अमित कुमार यादव के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने सपा मुखिया अखिलेश यादव की जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुये कहा कि यह जीत बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की जीत है। जिस मेहनत, लगन व ईमानदारी से कार्यकर्ताओं ने जीत दिलाई है। उससे वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की जीत के बाद अब कन्नौज लोकसभा के बाधित पड़े विकास कार्यों को गति मिलेगी। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय अध्यक्ष को सभी विकास पुरूष के रूप में जानते हैं। कन्नौज लोकसभा के चहुमुखी विकास के लिए जनता का भी विशेष योगदान रहा।

उन्होंने कहा कि जनता को सपा प्रमुख द्वारा अपने शासनकाल में किये गये विकास कार्य याद आये और उन्हीं कार्यों बूते समाजवादी पार्टी को जीत का तोहफा दिया। उन्होंने बताया कि भाजपा पूर्व सांसद जनता की उम्मीदों पर भाजपा सांसद खरे नहीं उतर सके, शायद इसी वजह से जनता ने उनको इस बार नकार दिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को मिठाई खिलाकर मुँह मीठा कराकर जीत की बधाई दी। इस मौके पर टिल्लू यादव, राशिद खान, अवनीश पाल, जितेन्द्र यादव, ओमेन्द्र सिंह, सचिन कुमार, अमन कुमार, पंकज कुमार, विमलेश पाल, शेखर कश्यप सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने किया पौध रोपण

कानपुर देहात। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद में डीएम आलोक सिंह, सीडीओ लक्ष्मी एन.ए प्रभागीय वनाधिकारी एके द्विवेदी ने कलेक्ट्रेट प्रागण में पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति न केवल जनपदवासियों को सचेत कियाए बल्कि पर्यावरण को सुरक्षित करने और उसके महत्व पर प्रकाश डाला। डीएम ने कहा कि प्रकृति ने हमें जो उपहार सौंपे हैं, वृक्षों के रूप में उसकी रक्षा करना, हम सभी का दायित्व है, आज जिस तरह से मनुष्य ने अपनी उपभोक्तावादी प्रवृत्ति के कारण जंगलो और पेड़ पौधों को नष्ट किया हैए उसका असर जलवायु परिवर्तन के रूप में देखने को मिल रहा है। लगातार धरती गर्म हो रही हैए जल स्तर नीचे चला जा रहा हैए इसका असर मानवीय जीवन पर पड़ना निश्चित है। सबकी जिम्मेदारी है कि हम सब पेड़ पौधों की रक्षा करेंए और संकल्प ले कीए हम अपने आस.पास के वातावरण को हरा.भरा रखने के लिए निरंतर पौधे लगायेंगे।

क्विक न्यूज

बिकने जा रहा राशन लोगो ने पकड़ कर किया हंगामा

राठ। बाजार में कालाबाजारी करने जा रहे सरकारी राशन की बोरियों से लोड एक ई रिक्शा को लोगों ने घेरकर पकड़ लिया। लोगों ने सरकारी राशन की दुकान के विक्रेता पर राशन को बाजार में ब्लैक से बेचने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।छोटी जुल्हैटी मोहल्ला निवासी अश्वनी महाराज सहित मोहल्ले के अन्य लोगों ने बताया कि उनके मोहल्ले में सरकारी राशन की दुकान संचालित है। आनंद साहू नाम का व्यक्ति सरकारी राशन की दुकान का संचालक है। जो कि सरकार की ओर से भेजे जाने वाले सरकारी राशन का वितरण ठीक से नहीं करता है और सरकारी राशन के वितरण में लापरवाही और घोटालेबाजी भी करता है। कोटेदार गरीबों का सरकारी राशन गेहूं और चावल को बाजार में ब्लैक से बेच देता है। आज सरकारी राशन की दुकान के विक्रेता का नाती सरकारी राशन को ई रिक्शा में लादकर उसे बाजार में ब्लैक से बचने के लिए जा रहा था। जिसे मोहल्ले वासियों की सहयोग से बाजार में ब्लैक से बिकने के लिए जा रहे सरकारी राशन को उसने पकड़ लिया है। इस दौरान लोगों ने वहां जमकर हंगामा काटा। इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक राठ रविन्द्र कुमार ने उन्हें जानकारी नहीं है।

बाइक गिरने से दंपत्ति समेत बच्चे घायल

राठ(हमीरपुर)। दिल्ली से पत्नी व मासूम बच्चों को लेकर बाइक से आ रहे युवक की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में बाइक सवार दंपत्ति व दो मासूम बच्चे घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। कोतवाली के कैथा गांव निवासी अनिल ने बताया कि वह दिल्ली से अपनी पत्नी पूजा और तीन वर्षीय पुत्री आरिका, डेढ़ वर्षीय पुत्र आरव को बाइक से लेकर गांव वापस आ रहा था। तभी राठ उरई मार्ग पर सड़क पर गिट्टी पड़ी होने पर बाइक का संतुलन बिगड़ गया। जिससे वह पत्नी व बच्चों के साथ गिरकर घायल हो गया। डॉ नरेन्द्र सिंह ने बताया कि अनिल का पैर फेक्चर था। जिसे मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया है।

कार पलटने से मासूम की मृत्यु दो महिलाएं समेत चार घायल

हमीरपुर। जलालपुर क्षेत्र में बुधबार को परिवार समेत रिश्तेदार एक गमी में शामिल होने जा रहे, कार अनियंत्रित होकर पलट गयी जिसमे एक मासूम की मृत्यु हो गयी दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गये महिलाओं को उरई रिफर कर दिया गयाहै। सरीला निवासी अहमद अली की लंबी बीमारी के चलते मंगलवार की मृत्यु हो गयी थी। सूचना मिलने पर कानपुर निवासी बफाती अली, बहू फातिमा पत्नी मिस्बाहुल हक, बफाती की साली चांदनी इनका दस साल का पुत्र उबैद निवासी जूही नहरिया कानपुर कार से सरीला जा रहे थे,जैसे ही रहटिया गांव के पास पहुचे तभी कार पलट गयी। सभी लोग घायल हो गये। उबैद की मृत्यु हो गयी बफाती,चांदनी फातिमा व कार चालक इस्राइल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चांदनी व फातिमा को मेडिकल कालेज उरई रिफर कर दिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

मौरम उतारते समय ट्रक पलटा, चालक दबकर गंभीर घायल

कायमगंज फर्रुखाबाद। लुधईया पावर हाउस के पास मौरम उतारते समय ट्रक पलटने से चालक दबकर गंभीर घायल हो गया। लोगों ने सीएचसी में भर्ती कराया। औरैया के थाना कुदरकोट के गांव नगला कमले निवासी रामवीर ट्रक ड्राइवर है बुधवार की सुबह क्षेत्र के लुधईया पावर हाउस के पास मौरम का ट्रक उतार रहा था। अचानक से ट्रक पलट गया। जिससे वह दबकर गंभीर रुप से घायल हो गए। वहां मौजूद लोगों ने मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला और सीएचसी लेकर दौड़े जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

नवदंपति ने पीया जहर दोनों की मौत, मौत पर मचा कोहराम

कायमगंज फर्रुखाबाद। पपड़ी गांव में नवदंपति ने कीटनाशक पादर्थ का सेवन कर लिया। दोनों की मौत हो गई। मौत पर परिजनों में कोहराम मचा गया। पुलिस ने शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बुधवार की सुबह लगभग 3 बजे क्षेत्र के गांव पपडी खुर्द निवासी नवदंपति अजय व उपासना ने परिवारीकलह के चलते कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। उल्टियां होने पर परिजनो को जानकारी हुई। परिजन सीएचसी लेकर दौड़े। परिजनों ने मामले की जानकारी थाना शमसाबाद के गांव सिकन्दरपुर महमूद निवासी मायके पक्ष को दी सभी मौके पर पहुंचे। सीएचसी में दोनों का इलाज किया गया। इलाज के दौरान पत्नी उपासना की मौत हो गई और पति अजय को गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इधर मौत की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने नायब तहसीलदार सृजन कुमार की उपस्थिति में शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उधर जिला अस्पताल में अजय की हालत में सुधार न होने पर उसे हॉयर सेन्टर के लिए रेफर कर दिया गया। हायर सेन्टर ले जाते वक्त रास्ते में अजय की मौत हो गई। मौत की सूचना पर परिवारीजनों में कोहराम मच गया।

पर्यावरण बचाने के साथ बचपन बचाने का लिया संकल्प

● हाई टच आंगनबाड़ी केंद्रों पर किया पौधारोपण

फतेहपुर। छोटी–छोटी उंगलियां खड़खड़ाहट के इर्द–गिर्द लिपटी हुई हैं। छोटा हाथ बेतरतीब तरंगें और हरकतें कर रहा है। जिससे खड़खड़ाहट बज रही है। अचानक आवाज़ सुनकर छोटी–छोटी उत्सुक आंखें चौड़ी हो जाती हैं। छोटे–छोटे कान आवाज़ के स्रोत का पता लगाने की कोशिश करते हैं और इस दौरान, वह छोटा–सा मुंह एक बड़ी मुस्कान में बदलने लगता है क्योंकि बच्चा अपने नए खिलौने के साथ खेलना सीख रहा है। कबाड़ से जुगाड़ के ढेरों उदाहरण आज वैकल्पिक संसाधनों के रूप में लोगों को न केवल नवाचार करने की सीख दे रहे हैं बल्कि संसाधनों की कमी होने के बाद भी साधनविहीन लोगों को संसाधन युक्त जीवन बनाने में मदद भी करते हैं।

इसी सोच के साथ वैन लीर फाउंडेशन एवं विक्रमशिला एज्युकेशन रिसोर्स सोसायटी की टीम पिछले दो वर्षों से घर पर पड़ी प्लास्टिक बोतलों से छोटे बच्चों के लिए झुनझुने एवं संवेदी (सेंसरी) बोतलें बनाने का कार्य कर रही है। जीवन के प्रथम 1000 दिवस परियोजना की राज्य समन्वयक साक्षी पावर ने कहा कि पर्यावरण दिवस संपूर्ण विश्व के लोगों को पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूक करता है। यह दिवस हमें पर्यावरण के प्रति हमारे कर्तव्यों, जिम्मेदारियों को याद दिलाकर हमें पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए अभिप्रेरित करता है।

उन्होंने हाई टच आँगनबाड़ी केंद्र कार्यकत्रियों को पौधे भेंट कर समुदाय को पर्यवरण की रक्षा करने की संकल्प शपथ भी दिलवाई। साथ ही वैन लीर फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम समन्वयक ने यूज्ड प्लास्टिक बोतलों से बने सेंसरी खिलौने व झुनझुने आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों को भेंट कर केंद्र के अंतर्गत परवरिश के आँगन कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त माता पिता को खिलौने बनाने के प्रशिक्षण देने हेतु आग्रह किया। जीवन के प्रथम 1000 दिवस परियोजना की समस्त हाई टच आँगनबाड़ी केंद्रों में पौधारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम के दौरान परियोजना टीम के विषय विशेषज्ञ प्रारंभिक बाल्य विकास आर्यन कुशवाहा, विषय विशेषज्ञ पोषण सोनल रूबी राय, परियोजना अधिकारी प्रशांत पंकज एवं अनामिका पांडेय उपस्थित रहे। अनुभव गर्ग ने बताया कि जीवन का सबसे प्यारा सहारा पर्यावरण है। इसके संरक्षण हेतु हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने होंगे। पर्यावरण की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा। नीति आयोग के सहयोग से पिछले दो वर्षों से आकांक्षी जनपद में मानसिक विकास लिए अनुपयोगी प्लास्टिक बोतलों से बन रही सेंसरी बोतलों व झुनझुने (खिलौने) खेल के माध्यम से बच्चों को सीखने में मदद कर रहे हैं। साथ ही पर्यावरण को बचाने की सीख भी दे रहे हैं–डॉ. दीपक संखवार शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ, सहायक आचार्य मेडिकल कालेज फ्तेहपुर।

31 अगस्त तक मत्स्य आखेट पर लगा प्रतिबंध

फतेहपुर। जिला मजिस्ट्रेट सी. इंदुमती ने बताया कि वर्षा ऋतु में भारतीय मेजर कार्प मछलियों कतला, रोहू, नैन करौंच तथा विदेशी कार्प–ग्रासकार्प, सिल्वर कार्प, कामन कार्प मछलियाँ प्रजनन करती हैं, इन मछलियों के संवर्धन व संरक्षण हेतु यूपी फिशरीज एक्ट 1948 के अन्तर्गत नियंत्रण तथा शासनादेश के अन्तर्गत 15 जुलाई से 30 सितंबर तक मत्स्य जीरा, फ्राई फिंगरलिंग व 10 सेंटीमीटर तक की मछलियों के साथ ही मत्स्य प्रजनन अवधि 15 जुलाई से 30 सितंबर तक तालाबों, झीलों, नालों से 01 जून से 31 अगस्त तक नदियों से मछलियों का पकड़ना/शिकार करना, बेंचना, आयात–निर्यात आदि पर जनपद की सीमान्तर्गत तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है। उक्त अवधि में मछली की शिकारमाही, बिक्री व आयात–निर्यात की चेकिंग मत्स्य विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग (निरीक्षक स्तर से नीचे नहीं) को अधिकृत किया जाता है। जो भी व्यक्ति मछली का अवैधानिक शिकार, बिक्री आयात/निर्यात करते हुये पकड़ा जाता है।

सपा से आनंद भदौरिया ने पहली बार धौरहरा लोकसभा में फहराया सपा का झंडा

● सपा कार्यकर्ताओं को मिली नई संजीवनी, उत्साह चरम पर, मिठाइयां, बधाइयों का दौर जारी

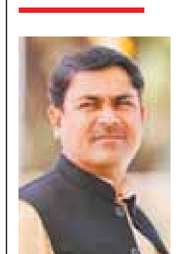

मोहम्मदी खीरी। रोशनी अगर खुदा चाहे, तो आधियों मे चराग जलते है, ऐ शेर हर दिल अजीज आनंद भदौरिया पर सटीक बैठता है, जिस अदाज मे एक जुनून के साथ परिवार, महोली और साथियों के आशीर्वाद लेकर जीत का जुनून और मुस्कुराहट का भंडार लिए निकले आनंद भदौरिया पर सटीक बैठता है, धौरहरा लोक सभा के प्रत्याशी आनंद भदौरिया की मेहनत की वजह से पहली बार सपा में धौरहरा में समाजवादी पार्टी का झंडा लहराया हैएइस चुनाव को पद यात्रा से लेकर गांव गाव चौपाल और बैठक कर हर वर्ग को साधने का काम किया, जिसमे उन्हें भरपूर जनता का साथ मिलते दिखा, इस चुनाव मे जिताने मे आनंद भदौरिया की पत्नी प्रोफेसर अर्चना सिंह का महत्वपूर्ण योगदान देखने को मिला, उन्होंने जिस अदाज मे गांव गाव की खाक छानते हुए कुशल औरण्सफ्ल चुनाव सचालन कर धौरहरा मे सपा का परचम लहराने मे सफ्लता प्राप्त की एवही धौरहरा लोकसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने जिस संयम से चुनाव को धार दीएवो भी काबिले तारीफ रहीएआनंद भदौरिया ने लोकसभा मे 4,42650 मत पाकर पहला स्थान प्राप्त किया एवही इस लोकसभा से प्रथम बार सपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की उससे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं सहित आम जनता में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है एइस चुनाव को जीत से कार्यकर्ताओं के मनोबल में काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, आने वाले समय के लिए कार्यकर्ताओं के लिए यह जीत निश्चित तौर पर नई ऊर्जा का संचार करने के लिए काफी है।

बाईपास बेतवा नदी पुल निर्माण में मिट्टी का भराव कार्य फिर से बंद

● मिट्टी का कार्य टेढ़ा मेढ़ा कर देने से सेतुनिगम ने जतायी आपत्ति, ठेकेदार ने काम ही बंद कर दिया, बरसात होते ही पुल का काम हो जायेगा बंद, जाम के झाम से कैसे मिले निजात

बंद पड़ा मिट्टी का काम व खड़े लांचर

हमीरपुर। चुनाव मतगणना के बाद एक साथ छूटे वाहनों से कल व आज कई किलोमीटर तक लगे जाम से लोग कराह उठे,बेतवा नदी में बनाये जा रहे बाईपास फोरलाइन पुल मे ठेकेदार की मनमानी लोगो पर भारी पड़ रही है,कच्ची मिट्टी का भराव टेढ़ा मेढ़ा करने व कई दिनों से काम बंद करने से पुल निर्माण कार्य फिर से बंद हो गया है। जानकारी के मुताबिक हाईवे मे जाम से निजात दिलाने के लिये शासन ने स्थानीय यमुना व बेतवा नदी में बाईपास निकाल कर दोनों नदियों में पुल का निर्माण कराने का फैसला किया था मगर ठेकेदार शासन के मंसूबों में पानी फेर रहा है। दो सौ करोड की लागत से निर्मित हो रहे पुलों में साठ मीटर मीटर मिट्टी भरने को लेकर ठेकेदार ने कई महीनें समय बर्वाद कर दिया है। पिछले दिनों चीफइंजीनियर लोनिवि ने मौका मुआवना कर आवश्यक निर्देश दिये मगर उसका कोई असर नही हुआ है। पुल तक मिट्टी भरने में ठेकेदार ने टेढ़ा मेंढ़ा कर दिया है जिससे लांचर पुल तक नही पहुंच पायेगा न ही पुल में सिग्मेंट रखे जा सकते है।

सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक आफ्ताब रसूल ने इस मामले में जब आपत्ति जतायी तो साई कंस्ट्रेक्शने के ठेकेदार ने काम बंद कर दिया,जिससे सेतु निगम के अभियंताओं मे बेचैनी देखी जा रही है अभियंताओं का कहना है कि लांचर पुल में छत रखने के लिये कई महीने पहले आ गये थे मगर वह खाली खड़े है जिससे सरकार का लाखों रुपये नुकसान हो रहा है। इधर कुछ दिन बाद बरसात हो जाने के बाद वैसे भी पुल का काम बंद हो जायेगा। परियोजना प्रबंधक सेतुनिमग आफ्ताब रसूल का कहना है कि इस मामले मे उन्होने लोनिवि के अभियंताओं से कई मर्तवा लिखा पढ़ी कर चुके है मगर कोई सुनवायी नही होती है यदि ठेकेदार थोडा सा सहयोग कर दे तो बरसात होने के पहले वेतवा नदी के पुल को चालू किया जा सकता है। क्योंकि पुल के ऊपर छत(सिग्मेंट) रखना शेष है। आय दिन लगने वाले जाम से लोग बेहद परेशान है मगर बाईपास पुलों का निर्माण कब होगा कोई भी जनप्रतिनिधि इस मामले में फिक्र नही कर रहा है। जिससे लोगो मे भारी रोष व्याप्त है।

सदर विधायक मनोज प्रजापति शीघ्र मिलेगे उच्चाधिकारियों से

हमीरपुर। हमीरपुर सदर के भाजपा विधायक डा.मनोज कुमार प्रजापति का कहना है कि माम ला उनके संज्ञान में है लोकसभा चुनाव निपट गये है वह शीघ्र ही लखनऊ जाकर उच्चाधिकारियों से मिलकर इस मामले को उठायेगे। ताकि लोगो को जाम के झाम से बचाया जा सके। मामला गंभीर है ठेकेदार को चाहिये कि जल्द से जल्द काम कर दे,ताकि लांचर काम कर सके।

युवती को बहला फुसलाकर भगा ले गया, रिपोर्ट दर्ज

मौदहा, हमीरपुर। क्षेत्र के एक गांव में एक युवती को बहला फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है जिसके बाद युवती की मां ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है जिसको संज्ञान में लेते हुए कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि जब वह 4 जून की दोपहर घर में लेती थी तथा उसकी पुत्री बाहर थी तभी गांव का ही राज पुत्र सुनील गौतम उसकी बेटी को बहला फुसलाकर उसे अन्यत्र जगह ले गया है वहीं पीड़ित ने बताया कि आरोपी की बातों में आकर की बेटी घर से कुछ जेवरात सहित नकदी ले गई है। वही इस घटना से ग्रामीणों में तरह–तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। हालांकि उक्त मामले में कोतवाली प्रभारी राम आसरे सरोज ने बताया कि मिली तहरीर के अनुसार आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है तथा आरोपी युवक की तलाश जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के मुस्लिम विरोधी बयान को लेकर नाराज़गी

● आत्मचिंतन करें बहन जी

संडीला (हरदोई)। बसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मायावती द्वारा बसपा की पराजय की ठीका केवल मुसलमानों के सिर ओढ़ने और उन्हें आगे के चुनावों में टिकट न देने की धमकी पर आमतौर पर मुस्लिमों ने व्यापक नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्हें पहले स्वंय आत्म चिंतन करना चाहिए। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बसपा के प्रदर्शन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मायामंत्री द्वारा मुसलमानों पर वोट न देने को लेकर मायावती द्वारा की गयी टिप्पढ़ियों पर मुस्लिम समाज के विभिन्न वर्गों में अत्यंत तीखी प्रक्रिया देखने को मिली। प्रबुद्ध वर्ग के मुस्लिमों ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि पिछले विधानसभा चुनाव में उनके द्वारा भाजपा के इशारे पर टिकट वितरण इस प्रकार किए गए ताकि सेक्यूलर वोटों का विभाजन किया जा सके और इसका सीधा लाभ भाजपा को हो। परिणाम भी इसी प्रकार का आया। बसपा का मात्र एक विधायक निर्वाचित होकर विधानसभा में पहुंचा और बसपा का मत प्रतिशत काफी नीचे चला गया।

भाजपा सरकार द्वारा विजय के बाद विशेष रूप से मुस्लिमों के साथ हुए व्यवहार पर मायावती सदैव मूक दर्शन बनी रहीं। मुस्लिमों का यह भी कहना है कि यदि मुस्लिमों ने बसपा को वोट नहीं दिया तो आखिर उनका प्रबुद्ध दलित वोट कहां चला गया, उनको आत्म चिंतन करना चाहिए कि जब देश का संविधान खतरे में हो तो संविधान बचाने के लिए समाज के कमजोर तपकों को एकसाथ आना चाहिए या नहीं।

एक प्रश्न के उत्तर में मुस्लिमों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मायावती जी की मुसलमानों को लेकर बनी ग्रंथि नई नहीं है। वे यह बताएं कि वे अडवानी जी की गुजरात में थू थू रैली में वक्ता के तौर पर गयीं थी या नहीं। मेरठ नगर निगम के चुनाव में स्वंय उनके बयान के अनुसार उन्होनें अपना वोट मुस्लिम प्रत्याशी को हराने के लिए भाजपा को ट्रांस्फ़र कराया था या नहीं। विधान परिषद तथा राज्यसभा चुनाव में उनका समर्थन भाजपा के साथ रहा या नहीं। मुस्लिमों का यह कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा मुसलमानों को तमाम निशाना बनाने के बावजूद पिछले विधानसभा चुनाव में कई स्थानों पर बसपा के अच्छे प्रत्याशियों को थोक में वोट दिए गए या नहींए संडीला विधानसभा में पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान सपाए सपा समर्पित प्रत्याशी को पछाड़कर दूसरे स्थान पर रहे या नहीं। क्या यह बिना मुस्लिमों के मतों के हो गयाघ् मुस्लिमों ने पूर्व मुख्यमंत्री से यह अपील की कि वे मुस्लिमों को बसपा की हार के लिए दोष देना बंद करें और आत्म चिंतन करें कि आखिर मुस्लिमों को तो छोड़िये दलित समाज बसपा से क्यूं विमुख होता जा रहा है।

मुसलमानों की एकजुटता से तृणमूल कांग्रेस को मिली भारी जीत

कोलकाता (भाषा)। रणनीतिक कदम, कल्याणकारी योजनाएं, अल्पसंख्यक समर्थन का एकीकरण और मतों का विभाजन ऐसे कारण रहे, जिनके कारण पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को बेहतरीन प्रदर्शन करने में मदद मिली। राज्य में दो साल बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव में तृणमूल के शानदार प्रदर्शन ने राज्य में उसकी स्थिति को और मजबूत कर दिया है। विधानसभा चुनाव में राज्य में भाजपा को रोकने के तीन साल बाद तृणमूल ने संसदीय चुनावों में एक और यादगार जीत हासिल की। पार्टी ने एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों को गलत साबित करते हुए पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीट में से 29 पर विजय हासिल की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 12 और कांग्रेस ने एक सीट पर जीत मिली। पार्टी के भीतर मतभेदों, स्कूल भर्ती जैसे घोटालों तथा संदेशखालि मुद्दे सहित अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शानदार जीत हासिल की।

तृणमूल नेताओं ने रणनीतिक कदमों और अल्पसंख्यकों के एकजुट होकर वोट करने के अलावा पार्टी की सफलता का श्रेय महिलाओं के लिए शुरू की गई लक्ष्मी भंडार और कन्याश्री जैसी कल्याणकारी योजनाओं को दिया, जिनकी वजह से महिला मतदाताओं का समर्थन हासिल करने में मदद मिली। चौथी बार निर्वाचित हुए तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने पीटीआई-भाषा से कहा, बंगाल के लोगों ने राज्य सरकार की विकासात्मक राजनीति में फिर से भरोसा जताया है। राज्य की महिलाओं के लिए बनाई गई योजनाओं से हमें सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

तृणमूल के 29 नए सांसदों में से 11 महिलाएं हैं, जो लोकसभा में पार्टी के कुल प्रतिनिधियों का 38 प्रतिशत हैं। तृणमूल की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू उसके रणनीतिक चुनावी कदम रहे। तृणमूल और कांग्रेस के बीच जनवरी में सीट बंटवारे पर बातचीत असफल रहने से तृणमूल को लाभ हुआ और त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन गई। विपक्षी मतों के इस विभाजन से तृणमूल को लगभग 30 प्रतिशत अल्पसंख्यक और भाजपा विरोधी मतों को एकजुट करने का मौका मिला, जो कई निर्वाचन क्षेत्रों में निर्णायक साबित हुआ।

तृणमूल नेता शांतनु सेन के अनुसार, सीट बंटवारे पर बातचीत असफल रहने से पार्टी को राज्य में भाजपा के सबसे मजबूत विकल्प के रूप में उभरने में मदद मिली। स्कूली नौकरियों को रद्द करने और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विवादास्पद कार्यान्वयन जैसे स्थानीय मुद्दों ने चुनावी परिदृश्य को उल्लेखनीय रूप से बदल दिया। भाजपा द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप मतदाताओं को प्रभावित करने में विफल रहे और भाजपा की चुनावी रणनीति के रूप में पेश किए गए सीएए ने उन अल्पसंख्यकों को तृणमूल कांग्रेस के पीछे एकजुट होने के लिए अप्रत्याशित रूप से प्रेरित किया, जो पहले तृणमूल और वाम-कांग्रेस गठबंधन के बीच किसी एक को चुन नहीं पा रहे थे। राजनीतिक विश्लेषक मैदुल इस्लाम ने कहा, पार्थ चटर्जी, शाहजहां शेख, ज्योतिप्रिय मलिक जैसे दागी नेताओं को सलाखों के पीछे डाले जाने के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों का प्रभाव कम हो गया। रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ वर्गों के खिलाफ ममता बनर्जी की टिप्पणियों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे ने तृणमूल के अल्पसंख्यक समर्थन आधार को मजबूत करने में मदद की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हाल में 77 मुस्लिम समुदायों सहित कई वर्गों की ओबीसी स्थिति को रद्द कर दिया था।

तृणमूल का दो प्रतिशत से अधिक वोट बढ़ा, भाजपा के वोट में दो प्रतिशत की गिरावट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का 2024 के लोकसभा चुनावों में मत प्रतिशत 45.77 दर्ज किया गया, जो 2019 में प्राप्त 43.7 प्रतिशत वोटों से दो फीसदी से अधिक है। तृणमूल ने राज्य में 29 लोकसभा सीट पर शानदार जीत दर्ज की है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में इसका मतलब यह हुआ कि राज्य की कुल 42 सीटों में से तृणमूल ने सात सीटें और जीत ली है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी तृणमूल का 4.64 प्रतिशत वोट बढ़ा था, उस वर्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 18 सीट जीती थीं और उसके हिस्से में आए वोटों में 22.2 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। अधिकांश एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) ने इस वर्ष पश्चिम बंगाल में तृणमूल के मत प्रतिशत में सात फीसदी की गिरावट के साथ उसके लगभग 36 प्रतिशत या उसके आसपास रहने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन चुनाव परिणाम में तृणमूल ने इस भविष्यवाणी को खारिज कर दिया। दूसरी ओर, राज्य में भाजपा के मत प्रतिशत में दो फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई जो चुनाव विश्लेषकों द्वारा की गई भविष्यवाणी के विपरीत है। भाजपा को इस बार राज्य में 38.73 प्रतिशत वोट मिले हैं जबकि 2019 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 40.6 प्रतिशत वोट मिला था। भाजपा को पश्चिम बंगाल में इस बार लगभग छह सीटों का नुकसान हुआ है पिछली बार पार्टी को राज्य में 18 सीट मिली थीं।

ममता ने जीत का श्रेय राज्य की जनता को दिया और चुनावी नतीजों को बंगाल के विरोधियों को जनता का ठेंगा करार दिया। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि ममता का राजनीतिक करिश्मा, सड़क पर उतरकर लड़ाई लड़ने वाली जुझारू नेता की उनकी छवि और भाजपा के प्रति उनका उग्र विरोध उनके समर्थकों के विश्वास को बनाए रखने में कहीं अधिक काम आया। इससे उन्हें सत्ता विरोधी लहर के बावजूद पार्टी के 2021 के राज्य विधानसभा चुनाव के प्रदर्शन को लगभग दोहराने में मदद मिली। बनर्जी के पक्ष में उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता के अलावा जिस कारण से वह जीत को बरकरार रखने में कामयाब रहीं वह है लाभार्थी राजनीति जिसे उन्होंने राज्य में अपने कार्यकाल के दौरान सक्रिय रूप से अपनाया। इसने विपक्ष के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों और सत्ता-विरोधी ज्वार को कम कर दिया।

असम में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का मत प्रतिशत बढ़ा

गुवाहाटी (भाषा)। असम में लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दोनों के मत प्रतिशत में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। चुनाव आयोग के आंकड़ों से यह जानकारी प्राप्त हुई है। राज्य की 14 लोकसभा सीट में से नौ पर जीत हासिल करने वाली भाजपा का मत प्रतिशत 2019 में 36.41 प्रतिशत से 1.02 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 37.43 प्रतिशत हो गया है। वहीं तीन निर्वाचन क्षेत्रों पर जीत हासिल करने वाली कांग्रेस का मत प्रतिशत पिछले चुनावों के 35.79 प्रतिशत से 1.69 प्रतिशत बढ़कर इस बार 37.48 प्रतिशत हो गया। हालांकि, असम में 11 सीट जीतने वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंध (राजग) के कुल मत प्रतिशत में 0.45 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई। राजग की सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) 10 साल बाद लोकसभा सीट जीतने में कामयाब रही है लेकिन इसका मत प्रतिशत 2019 में 8.31 प्रतिशत से घटकर 2024 में 6.46 प्रतिशत रह गया है। असम में एनडीए के अन्य घटक यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने कोकराझार सीट जीतकर लोकसभा में अपना खाता खोला। पार्टी का मत प्रतिशत 2.43 रहा। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल धुबरी को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस सीट से लगातार तीन बार चुने गए अजमल 10 लाख से अधिक मतों के बड़े अंतर से हार गए। उनकी पार्टी का मत प्रतिशत 7.87 से घटकर 3.13 प्रतिशत हो गया। एआईयूडीएफ ने धुबरी, नगांव और करीमगंज की तीन सीट पर चुनाव लड़ा था।

औसत सफलता के बाद उद्धव ठाकरे के सामने अभी भी बड़ी चुनौती

मुंबई (भाषा)। पांच साल पहले तक उद्धव ठाकरे की छवि ऐसे नेता के तौर पर थी जो सिर्फ अपने पिता बाल ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अनिच्छा के साथ राजनीति में हैं, लेकिन अपने पुराने सहयोगी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से नाता तोड़ कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ हाथ मिलाकर उन्होंने न सिर्फ खुद को बल्कि अपनी पार्टी को भी नए सिरे से खड़ा किया। उद्धव के नेतृत्व में शिवसेना एक आक्रामक हिंदुत्ववादी पार्टी से मुसलमानों, दलितों और गैर-महाराष्ट्रियन लोगों को लुभाने वाली एक उदारवादी पार्टी में बदल गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में अपने ढाई साल के कार्यकाल के दौरान उद्धव ठाकरे के आलोचकों ने उन्हें घर से काम करने वाला मुख्यमंत्री कहकर उनका मजाक उड़ाया, लेकिन वह कोविड-19 महामारी के दौरान सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर लाइव आकर लोगों से जुड़ने में सफल रहे।

हालांकि इसके बावजूद उन्हें जून 2022 में एकनाथ शिंदे की खिलाफत का सामना करना पड़ा और उन्होंने विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने का प्रयास किए बिना फेसबुक लाइव आकर अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी। घर से बाहर नहीं निकलने के लिए आलोचकों के निशाने पर रहने वाले उद्धव ठाकरे ने लोकसभा चुनावों के दौरान पूरे राज्य का दौरा किया और उनकी रैलियों में भारी भीड़ उमड़ी। लोकसभा चुनावों के लिए सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे को लेकर बनी सहमति में उनकी पार्टी को महाराष्ट्र की 48 में से 21 सीट की पेशकश हुई। उद्धव ठाकरे की पार्टी मुंबई की चार में से तीन सीट जीतने में कामयाब रही, लेकिन रायगढ़, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, ठाणे और कल्याण सीट वह हार गई। मुंबई में उन्होंने साबित कर दिया कि शिवसेना कार्यकर्ता अभी भी उनके साथ हैं, लेकिन कोंकण क्षेत्र के बाकी हिस्सों के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। हालांकि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) ने लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) भी इंडिया का हिस्सा है। ठाकरे की पार्टी के लिए इससे बड़ी चुनौती इस वर्ष के अंत में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने की होगी। महाविकास आघाडी (एमवीए) ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत हासिल की। वर्ष 2019 में महाराष्ट्र में महज एक सीट जीतने वाली कांग्रेस ने इस बार 13 जीत हासिल की, जबकि शिवसेना (यूबीटी) को नौ और रांकापा (शप) को आठ सीट मिलीं। भाजपा और उसके सहयोगियों को 17 सीट ही मिल पाईं।

राज्य में भाजपा के सांसदों की संख्या लोकसभा चुनाव 2019 की तुलना में आधी से भी कम रह गई है। भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) महाराष्ट्र में 45 से अधिक सीट जीतने के अपने लक्ष्य से काफी पीछे रह गया और उसे सिर्फ 17 सीट मिलीं। राज्य में भाजपा को नौ सीट मिली हैं, जो 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य में जीती गई 23 सीट से बहुत कम हैं। उसकी सहयोगी शिवसेना को सात सीट पर जीत मिली है। एक अन्य सहयोगी अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को एक सीट मिली है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले से बारामती में हार का सामना करना पड़ा। राज्य में कांग्रेस को 13 सीट पर जीत मिली है, जो 2019 में राज्य में पार्टी द्वारा जीती गई एकमात्र सीट से काफी अधिक हैं, जबकि शिवसेना (यूबीटी) को नौ और राकांपा (शरदचंद्र पवार) को आठ सीट पर जीत मिली है।

कांग्रेस में रहे विशाल पाटिल ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और सांगली सीट पर उन्हें जीत मिली। महाराष्ट्र में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 23 सीट मिली थीं, जबकि उसकी तत्कालीन सहयोगी शिवसेना (अविभाजित) को 18 सीट पर जीत मिली थी। तत्कालीन अविभाजित राकांपा ने चार निर्वाचन क्षेत्र पर विजय प्राप्त की थी, जबकि कांग्रेस सिर्फ एक सीट जीत सकी थी। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने इस बार महाराष्ट्र में 45 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों को जीतने का लक्ष्य रखा था। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि गठबंधन के लिए प्रधानमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए इंडिया गठबंधन बुधवार को बैठक करेगा। ठाकरे ने कहा कि आम आदमी ने अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को केंद्र में सरकार बनाने का दावा पेश करने की जरूरत है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में राजग के ऐसे प्रदर्शन का कारण विपक्ष का यह दुष्प्रचार है कि भाजपा चुनावों के बाद संविधान बदल देगी।

पूर्व मुख्यमंत्री, फिल्म स्टार सहित 280 नेता पहली बार चुने गए लोकसभा सदस्य

नई दिल्ली (भाषा)। लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री, फिल्म स्टार, राजनीतिक कार्यकर्ता और उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश सहित 280 ऐसे विजेता हैं जो पहली बार संसद के निचले सदन के सदस्य होंगे। उत्तर प्रदेश लोकसभा के लिए सबसे अधिक 80 सदस्य को चुनकर भेजता है और 18वीं लोकसभा के लिए राज्य से चुने गए 45 सदस्य ऐसे हैं जो पहली बार संसद के निचले सदन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इनमें टेलीविजन धारावाहिक रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल (मेरठ), चर्चित अमेठी सीट से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हराने वाले कांग्रेस नेता किशोरी लाल शर्मा, नगीना सीट से निर्वाचित दलित अधिकार कार्यकर्ता एवं आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद शामिल हैं। महाराष्ट्र से 33 लोकसभा सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं, जिनमें स्कूल शिक्षक भास्कर भागरे भी शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने डिंडोरी की आदिवासी सीट से मैदान में उतारा था। भागरे ने भाजपा नेता भारती पवार को हराया। महाराष्ट्र से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए सदस्यों में मुंबई उत्तर से भाजपा के पीयूष गोयल, अमरावती से कांग्रेस नेता बलवंत वानखेड़े, अकोला से पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय धोत्रे के पुत्र एवं भाजपा नेता अनूप धोत्रे अकोला और सांगली से निर्दलीय सदस्य विशाल पाटिल शामिल हैं। पहली बार लोकसभा पहुंचने वाले पूर्व मुख्यमंत्रियों में नारायण राणे (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र), त्रिवेंद्र सिंह रावत (हरिद्वार, उत्तराखंड), मनोहर लाल (करनाल, हरियाणा), बिप्लब कुमार देब (त्रिपुरा पश्चिम, त्रिपुरा), जीतन राम मांझी (गया, बिहार), बसवराज बोम्मई (हावेरी, कर्नाटक), जगदीश शेट्टार (बेलगाम, कर्नाटक), चरणजीत सिंह चन्नी (जालंधर, पंजाब) शामिल हैं। वहीं, अभिनय से जुड़े और पहली बार लोकसभा के लिए निर्वाचित होने वालों में केरल की त्रिशूर सीट से सुरेश गोपी और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से निर्वाचित कंगना रनौत शामिल हैं। राज्यसभा सदस्य अनिल देसाई (शिवसेना यूबीटी), भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, मनसुख मांडविया और पुरषोत्तम रूपाला ने भी पहली बार लोकसभा में प्रवेश किया है। पूर्व राजपरिवारों के सदस्य जो पहली बार देश की सबसे बड़ी पंचायत के सदस्य बने हैं उनमें छत्रपति शाहू (कोल्हापुर), यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार (मैसूर) और कृति देवी देबबर्मन (त्रिपुरा पूर्व) शामिल हैं। पश्चिम बंगाल की तालमुक लोकसभा सीट से जीतने वाले कोलकाता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय भी पहली बार सांसद बने हैं।

नई पारी के लिए तैयार हैं कल्पना सोरेन

रांची(भाषा)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन की तुलना अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए तैयार शेरनी से की थी और अब वह शेरनी अपनी नई भूमिका के लिए तैयार हो रही हैं। कल्पना सोरेन को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)में नई जान फूंकने का श्रेय जाता है। राजनीति कभी भी कल्पना सोरेन को पसंद नहीं थी लेकिन जब उनके पति हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया तो यह उनकी मजबूरी बन गई।

कल्पना ने लोकसभा चुनावों में झामुमो का नेतृत्व किया और भाजपा पर विपक्षी गठबंधन इंडिया को कुचलने की मंशा रखने वाली अत्याचारी ताकत होने का आरोप लगाकर समर्थन जुटाया। अपने पति की गिरफ्तारी के बाद से ही वह इस बात पर ज़ोर दे रही हैं कि झुकना आदिवासियों के डीएनए में नहीं है। उन्होंने गांडेय उपचुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार दिलीप कुमार वर्मा को 27,149 मतों से हराया। यह सीट झामुमो विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद खाली हो गई थी। अपनी जीत के बाद कल्पना सोरेन ने कहा, "मैं लोगों के अटूट समर्थन के लिए उनका दिल से समर्थन करती हूं...मैं दिसोम गुरु शिबू सोरेन जी (झामुमो प्रमुख) और हेमंत जी का आभार व्यक्त करती हूं...मैं लोगों के लिए लगातार काम करूंगी। यह विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकता को दर्शाता है। कल्पना की राजनीतिक यात्रा चार मार्च को गिरिडीह जिले में झामुमो के 51वें स्थापना दिवस समारोह से शुरू हुई जहां उन्होंने दावा किया था कि 2019 में हेमंत सोरेन गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही विरोधियों द्वारा एक साजिश रची गई थी। हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को ईडी ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से पहले उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। कल्पना झारखंड में विपक्षी गठबंधन इंडिया की जनसभाओं में प्रमुख चेहरा थी और उन्होंने राज्य में गठबंधन के लिए प्रचार किया था।

पौधरोपण, जल संरक्षण का लिया संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण व जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। समर्पणम संस्था ने कई स्थानों पर पौधे रोपे और लोगों को शपथ दिलाई गयी कि वे इन पौधों की देखभाल का प्रण लें। अनेक लोगों को पौधे भी वितरित किए गए। गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. संतोष पांडेय के मार्गदर्शन में एनएसएस के विद्यार्थियों के साथ समर्पणम के कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वहीं शाम को ऑनलाइन संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहाकि आज धरती का तापमान बढ़ रहा है और इसके लिए पेड़ों की घटती संख्या प्रमुख कारण है। पेड़ बाबा के नाम से प्रसिद्ध पर्यावरणविद् आचार्य चंद्रभूषण तिवारी ने अपने मुख्य संबोधन में कहाकि हम अधिक-अधिक पौधे रोपकर और उनका संरक्षण कर धरती माता को बचा सकते हैं। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने की अपील की। उन्होंने कहाकि हमें घर से झोला ले जाना चाहिए और उसी में सामान लाना चाहिए, यदि प्लास्टिक थैली मजबूरी में उपयोग करनी ही पड़े तो उसका कई बार उपयोग करना चाहिए। अपने संबोधन में यूपी त्रिपाठी ने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहाकि हमें शॉवर की जगह बाल्टी के पानी से नहाना चाहिए और आरओ के निकलने वाले पानी को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। सीमा अग्रवाल ने भी हरे पेड़ों को किसी भी हाल में न काटने की बात कही। डॉ. आरके प्रजापति ने कहाकि हमारी संस्कृति में ही पर्यावरण संरक्षण निहित है। ऐसे में हमें अपने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के संस्कार देने चाहिए। संस्था की संस्थापक डॉ. नीलिमा दीपक ने सभी का आभार व्यक्त किया और शपथ दिलाई कि सभी लोग पर्यावरण संरक्षण में योगदान देंगे और ऐसा कोई भी कार्य नहीं करेंगे जिससे पर्यावरण को क्षति हो।

राजस्थान के आदिवासी बहुल इलाके में बीएपी की दोहरी जीत ने चौंकाया

जयपुर (भाषा)। राजस्थान के आदिवासी बहुल इलाके में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने दोहरी जीत दर्ज कर सभी चौंका दिया है। बीएपी ने आम चुनाव में बांसवाड़ा लोकसभा पर जीत दर्ज करने के साथ ही राज्य की बागीदौरा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भी बाजी मार ली है। बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर बीएपी के राजकुमार रोत ने जीत दर्ज की है जिन्होंने राज्य के पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता महेंद्रजीत सिंह मालवीया को 2,47,054 मतों के अंतर से हराया। रोत चौरासी सीट से विधायक हैं। इस जीत के साथ बीएपी ने संसदीय राजनीति में कदम रखा है और यह आदिवासी मतदाताओं के बीच पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। बांसवाड़ा ही वह इलाका है जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति मुसलमानों में समान रूप से पुन:वितरित कर देगी।

पेज 1 का शेष

आठ को....

एकजुट होकर लड़ा और जीता। हम सभी एनडीए नेताओं ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना। नेताओं ने कहा कि मोदी विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण वाले हैं और वे इस लक्ष्य में साझेदार हैं। उन्होंने गरीबी उन्मूलन की दिशा में पीएम के प्रयासों की सराहना की और लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत करने पर सहमति व्यक्त की। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम लगातार तीसरी सरकार के लिए एक ऐतिहासिक जनादेश था जो भारत में आखिरी बार 60 साल पहले प्राप्त हुआ था। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि लोगों ने पिछले 10 वर्षों में मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की जन-समर्थक नीतियों के कारण देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्हें चुनावी पंडित लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद 'किंगमेकर' कह रहे हैं, शिवसेना नेता और महाराष्ट्र मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और एलजेपी (रामविलास) नेता चिराग पासवान उन लोगों में शामिल थे जो बैठक में उपस्थित थे। इसके अलावा वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा भी बैठक में मौजूद थे। टीडीपी, जेडी (यू), शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और एलजेपी (रामविलास) ने क्रमश: 16, 12, सात और पांच सीटें जीती हैं और सरकार गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी तेजी से कार्य करें और सरकार गठन की प्रक्रिया में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एनडीए बैठक के दौरान पीएम से कहा, जल्दी कीजिए। सूत्रों ने एनडीए गठबंधन सहयोगियों की बैठक में कुमार के हवाले से कहा, सरकार बनाने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। हमें इसे जल्द से जल्द करना चाहिए। जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि एनडीए की बैठक पीएम आवास पर हुई, जिसमें सीएम (नीतीश कुमार) भी शामिल हुए। सभी ने अपने विचार रखे और एनडीए को तीसरी बार जनादेश देने के लिए जनता को धन्यवाद दिया। जल्द ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और जल्द ही सभी सांसदों की बैठक होगी। टीडीपी और जेडी (यू) जैसी पार्टियों से कुछ प्रमुख विभागों की मांग करने की उम्मीद है क्योंकि उनका समर्थन सरकार गठन और अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण होगा। सूत्रों ने कहा कि टीडीपी से कथित तौर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, लोकसभा अध्यक्ष का पद और वित्त राज्य मंत्री का पद मांगा गया है, जबकि भाजपा ने एनडीए की संभावित गठबंधन सरकार में वित्त, रेलवे, गृह, आईटी और कानून सहित पांच प्रमुख मंत्रालयों को बरकरार रखने के पार्टी के इरादे का संकेत दिया है। जबकि जद (यू) और चिराग पासवान की एलजेपी दोनों रेल मंत्रालय की मांग कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रामीण विकास और कृषि भी सौदेबाजी का हिस्सा हो सकते हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के साथ अपना इस्तीफा सौंप दिया। राष्ट्रपति ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया और प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद से नई सरकार बनने तक पद पर बने रहने का अनुरोध किया। इसके बाद राष्ट्रपति भवन ने 17वीं लोकसभा को भंग करने का आदेश जारी कर दिया। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने से पहले मोदी ने दिन में मोदी 2.0 में अपने मंत्रियों की कैबिनेट को संबोधित किया और उनसे कहा कि जीतना और हारना सिर्फ राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, जीत और हार राजनीति का हिस्सा है। नंबर गेम चलता रहता है। हमने दस साल तक अच्छा काम किया है और आगे भी ऐसा करना जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री आवास पर बैठक सुबह 11.30 बजे शुरू हुई। यह मोदी 2.0 कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की आखिरी बैठक थी। उन्होंने अपने मंत्रिपरिषद से कहा, सत्तारूढ़ संगठन हर जगह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरा है और भविष्य में भी ऐसा करेगा। आप सभी ने अच्छा काम किया है और बहुत मेहनत की है।

दुनिया....

ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में राजग गठबंधन की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि वह अगले वर्ष दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भारत के अपने समकक्ष के साथ मिलकर काम करने के आकांक्षी हैं। जी-20 देशों में इटली और जापान के प्रधानमंत्रियों तथा दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने चुनावी जीत पर मोदी को बधाई दी है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने एक्स पर कहा, चुनाव में जीत पर नरेन्द्र मोदी को बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इटली और भारत की मित्रता को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे तथा विभिन्न मुद्दों पर सहयोग को और मजबूत करेंगे। अफ्रीका से नाइजीरिया, केन्या, कोमोरोस के राष्ट्रपतियों ने मोदी को बधाई संदेश भेजे हैं। कैरेबियाई द्वीप समूह से जमैका, बारबाडोस, गुयाना के नेताओं ने भी मोदी को बधाई संदेश भेजे हैं। मलेशिया के प्रधानमंत्री उन दक्षिण पूर्व एशियाई नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने मोदी को बधाई दी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने संदेश में कहा कि वह मोदी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। मुइज्जू ने एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा और भाजपा नीत राजग को 2024 के आम चुनाव में लगातार तीसरी बार सफलता मिलने पर बधाई। उन्होंने कहा, मैं दोनों देशों की समृद्धि और स्थिरता के लिए अपने साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहता हूं। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने अपने संदेश में कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, निकटतम पड़ोसी होने के नाते श्रीलंका भारत के साथ साझेदारी को और मजबूत करने का इच्छुक है। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने भी मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत-भूटान संबंधों के और प्रगाढ़ होने की उम्मीद जताई। उन्होंने एक्स पर कहा, विश्व के सबसे बड़े चुनाव में लगातार तीसरी बार सफलता के लिए मेरे मित्र प्रधानमंत्री मोदी और राजग को बधाई। वह भारत को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। मैं दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

फडणवीस...

शिंदे ने कहा, चूंकि हमने साथ मिलकर काम किया, इसलिए तीनों पार्टियों को हार की जिम्मेदारी सामूहिक रूप से साझा करनी होगी। संबंधित घटनाक्रम में, विपक्ष ने चुनाव में लड़ी गई 17 सीटों में से 13 सीटें जीतकर राज्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जबकि शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने उन 10 सीटों में से 8 सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है, जिन पर उसने चुनाव लड़ा था। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने जिन 21 सीटों पर चुनाव लड़ा था उनमें से नौ सीटें हासिल कीं।

एक पेड़....

इस संबंध में एक उल्लेखनीय पहल हाल के लोकसभा चुनावों के दौरान चुनाव आयोग द्वारा की गई थी, जिसमें 'वोट डालें, एक पेड़ लगाएं' की एक अनूठी अवधारणा पेश की गई थी। केरल के अलाप्पुझा में 2019 के संसदीय चुनावों के दौरान शुरू में शुरू किए गए इस अभिनव दृष्टिकोण को व्यापक प्रशंसा मिली और तब से इसे देश भर के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा अपनाया गया है। मेघालय ने पहले चरण के मतदान के दौरान हरित पहल को अपनाया, जो पर्यावरण-अनुकूल चुनावी प्रथाओं की ओर बढ़ती गति का संकेत है। इसके बाद, पंजाब में आनंदपुर साहिब निर्वाचन क्षेत्र और महाराजगंज जिला प्रशासन ने भी इस पर्यावरण के प्रति जागरूक दृष्टिकोण को अपनाया। इस अवधारणा के तहत, आनंदपुर साहिब लोकसभा सीट के प्रत्येक मतदान केंद्र पर पहली बार मतदाताओं, वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग लोगों को पौधे वितरित किए गए। ये मतदाता अपना वोट डालने के बाद जहां चाहें वहां पौधे लगा सकते हैं। आनंदपुर साहिब निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक हीरा लाल ने कहा, इस पहल का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता और मतदाता भागीदारी दोनों को बढ़ावा देना है। लाल, जो उत्तर प्रदेश सरकार में सिंचाई के विशेष सचिव भी हैं, ने कहा, इस कदम का उद्देश्य न केवल हरित चुनाव के मिशन में मदद करना है बल्कि कुछ हद तक मतदान प्रतिशत बढ़ाने में भी मदद करना है।

चुनावी झटके...

राजभर 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी छोड़कर एसपी में चले गए थे। इसके अतिरिक्त, भाजपा ने ओबीसी नेता दारा सिंह चौहान को लुभाया और फरवरी में आरएलडी को इंडिया गठबंधन से सफलतापूर्वक अलग कर दिया। सभी एनडीए सहयोगियों को सीटें आवंटित करने के बावजूद - एसबीएसपी एक सीट पर चुनाव लड़ रही थी, और अपना दल (एस) और आरएलडी प्रत्येक दो सीटों पर चुनाव लड़ रहे थे, जो मिल रहे समर्थन को वोटों में नहीं भुना सके। संजय निषाद के बेटे प्रवीण निषाद को दूसरी बार संत कबीर नगर सीट आवंटित की गई थी। नतीजों से पता चला कि ये ओबीसी नेता गैर-यादव ओबीसी वोट खींचने में नाकाम रहे। ओम प्रकाश राजभर के बेटे घोसी सीट हासिल करने में असफल रहे और भाजपा को बलिया, चंदौली, गाज़ीपुर, सलेमपुर, लालगंज और आज़मगढ़ सहित प्रमुख राजभर बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा। अपना दल (एस) नेता अनुप्रिया पटेल, जो एनडीए के भीतर एक प्रमुख कुर्मी नेता हैं, बमुश्किल अपनी मिर्ज़ापुर सीट बचाने में कामयाब रहीं और रॉबर्ट्सगंज में हार गईं। बीजेपी को अन्य कुर्मी बहुल इलाकों जैसे प्रतापगढ़, फ़तेहपुर, अंबेडकर नगर, श्रावस्ती और जालौन में भी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा कार्यकर्ताओं में आंतरिक असंतोष ने संगठनात्मक कमियों को उजागर किया। भाजपा के एक नेता ने कहा, न तो पार्टी की तैयारियों और न ही उसकी कल्याणकारी योजनाओं का मतदाताओं पर अपेक्षित प्रभाव पड़ा। शीर्ष नेताओं के अति आत्मविश्वास और टिकट वितरण में स्थानीय कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के कारण काफी नुकसान हुआ। 17 सांसदों को नए उम्मीदवारों से बदला गया था जिसमें से पांच हार गए और छह केंद्रीय मंत्रियों सहित 26 मौजूदा सांसदों की पराजय ने भाजपा की टिकट वितरण रणनीति के खिलाफ एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया को चिह्नित किया, जिसने स्थानीय चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया। जबकि पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित शीर्ष नेताओं ने अपनी सीटें बरकरार रखीं, लेकिन उन्होंने कम अंतर के साथ ऐसा किया। इसके अतिरिक्त, राज्य के दो मंत्री भी चुनाव हार गये। भाजपा का वोट शेयर 2019 में 49.97 फीसदी से गिरकर इस चुनाव में लगभग 41.37 फीसदी हो गया, जो उत्तर प्रदेश में उसके प्रभाव में गिरावट का संकेत है। एक वरिष्ठ नेता ने बताया, खराब प्रदर्शन के लिए कई कारकों ने योगदान दिया, जिनमें पार्टी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, बाहरी लोगों पर निर्भरता, संगठन और सरकार के बीच समन्वय की कमी और मनमाना टिकट वितरण शामिल है। निष्क्रिय जमीनी स्तर की समितियों और अप्रभावी मंत्रियों ने पार्टी की चुनौतियों को और बढ़ा दिया।

मोदी की लोकप्रियता के दम पर

भाजपा ने मध्य प्रदेश की सभी सीटें जीतीं

भाषा। भोपा

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और आक्रामक अभियान के चलते भाजपा ने लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में जीत दर्ज की और कांग्रेस के गढ़ छिंदवाड़ा पर भी कब्जा किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह की चुनावी रणनीति के कारण कई कांग्रेस कार्यकर्ता सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए और इस तरह विपक्षी खेमे को कमजोर कर दिया गया। दूसरी ओर, विश्लेषकों का कहना है कि प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व भाजपा का मुकाबला करने के लिए ताकत, प्रभावी रणनीति और आक्रामकता दिखाने में विफल रहा।

भाजपा ने मंगलवार को छिंदवाड़ा समेत मध्य प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की। छिंदवाड़ा से कांग्रेस सांसद नकुल नाथ अपने दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रहे थे। नकुलनाथ पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज कांग्रेस नेता कमलनाथ के बेटे हैं। मध्य प्रदेश पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई, विजयाराजे सिंधिया और कुशाभाऊ ठाकरे जैसे भाजपा के दिग्गजों का राजनीतिक क्षेत्र रहा है। इस बार भाजपा की लहर में कांग्रेस को अपना गढ़ छिंदवाड़ा भी गंवाना पड़ा। आजादी के बाद यह दूसरा मौका है जब भाजपा ने छिंदवाड़ा में जीत दर्ज की है। चुनाव से पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि कमलनाथ और उनके बेटे भाजपा में शामिल हो सकते हैं, क्योंकि दोनों कुछ दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए थे। बाद में दोनों ने इस तरह के दावों का खंडन किया।

लेकिन, चुनाव विश्लेषकों के अनुसार, ऐसी अफवाहों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराया। भाजपा की आक्रामक प्रचार रणनीति के तहत, प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में आठ जनसभाओं को संबोधित किया और दो रोड शो का नेतृत्व किया, जिनमें भारी भीड़ जुटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा प्रमुख जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रदेश पार्टी प्रमुख वी डी शर्मा ने भी विभिन्न सभाओं को संबोधित किया। पार्टी के एक नेता के अनुसार, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य में 180 से अधिक जनसभाओं को संबोधित किया और करीब 58 रोड शो किए। दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक-एक जनसभा को संबोधित किया, जबकि राहुल गांधी ने पांच रैलियां कीं। एक भाजपा नेता ने कहा कि ग्वालियर दौरे के दौरान शाह ने एक बैठक में भाजपा सदस्यों से कहा था कि वे छिंदवाड़ा सहित कांग्रेस के स्थानीय प्रभावशाली और असंतुष्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाजपा में शामिल करने में मदद करें। भाजपा ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस के एक लाख कार्यकर्ताओं को अपने पाले में शामिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा था, जिसमें छिंदवाड़ा से पचास हजार कार्यकर्ता शामिल हैं। चुनाव से पहले, कमल नाथ के कुछ करीबी सहयोगी कांग्रेस छोड़कर सत्ताधारी दल में चले गए। नवंबर 2023 के मध्य प्रदेश चुनाव में, कांग्रेस ने छिंदवाड़ा जिले की सभी सात विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। लेकिन बाद में, केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित कांग्रेस के कुछ प्रभावशाली नेता भाजपा में शामिल हो गए, जिससे कांग्रेस की प्रदेश इकाई कमजोर हो गई। वरिष्ठ पत्रकार और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के विजिटिंग फेलो रशीद किदवई ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजे राज्य में कांग्रेस के कमजोर नेतृत्व को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा," प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व भाजपा का मुकाबला करने के लिए बहादुरी, रणनीति और आक्रामकता का प्रदर्शन करने में विफल रहा" उन्होंने दावा किया कि कमल नाथ अपने बेटे की जीत सुनिश्चित करने के लिए छिंदवाड़ा से जुड़े रहे, लेकिन यह व्यर्थ रहा। किदवई ने कहा, "लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए लिटमस टेस्ट था। कांग्रेस नवंबर 2023 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा से बुरी तरह हार गई थी। प्रदेश कांग्रेस को आम चुनाव में पड़ोसी राजस्थान में पार्टी के प्रदर्शन से सबक लेना चाहिए, अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब वह गुजरात की राह पर जाएगी, जहां कांग्रेस का सफाया हो गया है।

गुजरात में भाजपा के 13 उम्मीदवार तीन लाख से अधिक मतों के अंतर से जीते

अहमदाबाद। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कम से कम 13 उम्मीदवारों ने तीन लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की, वहीं दो मौजूदा सांसदों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को सात लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया है। साल 2019 के लोकसभा चुनावों में गुजरात की सभी 26 लोकसभा सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। तब इसके 15 उम्मीदवारों ने तीन लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की थी, लेकिन कोई भी उम्मीदवार सात लाख के आंकड़े को पार नहीं कर पाया था। मंगलवार को आए लोकसभा चुनाव के परिणाम के अनुसार, मौजूदा सासंदों सीआर पाटिल और अमित शाह ने क्रमशः नवसारी और गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्रों से 7 लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की है। कुल मिलाकर भाजपा ने गुजरात की 25 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की। इसमें सूरत भी शामिल है, जहां पार्टी को निर्विरोध जीत हासिल हुई है। हालांकि, भाजपा क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगाने से चूक गई, क्योंकि बनासकांठा निर्वाचन क्षेत्र पर कांग्रेस ने अपना कब्जा जमा लिया। जिन निर्वाचन क्षेत्र मे भाजपा ने तीन लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की, वह अहमदाबाद पूर्व, अमरेली, भावनगर, छोटा उदयपुर, दाहोद, गांधीनगर, राजकोट, वडोदरा, खेड़ा, महसाणा, नवसारी, पंचमहल और पोरबंदर हैं। अमित शाह और सीआर पाटिल ही दो ऐसे उम्मीदवार हैं जिनकी जीत का अंतर 7 लाख के मतों से ज्यादा है। गुजरात भाजपा के अध्यक्ष सीआर पाटिल ने 7.73 लाख की सर्वाधिक बढ़त के साथ जीत दर्ज की और अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के नैषध देसाई को हराकर नवसारी सीट बरकरार रखी है। साल 2019 में भी पाटिल ने दूसरे सबसे ज्यादा अंतर से जीतने का रिकॉर्ड बनाया था और इस बार अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा है। तब वह 6.89 लाख मतों के अंतर से जीते थे। अमित शाह ने गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में 7.44 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की। भाजपा के हेमांग जोशी और राजपालसिंह जाटव दो ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्होंने पांच लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

उत्तरकाशी के सहस्त्रताल ट्रैक पर चार महिलाओं समेत पांच ट्रैकर की मौत

देहरादून (भाषा)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में उच्च हिमालई क्षेत्र सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर गया कर्नाटक और महाराष्ट्र के ट्रेकर का एक दल खराब मौसम में रास्ता भटक गया जिसमें चार महिलाओं समेत उसके पांच सदस्यों की मृत्यु हो गई। प्रशासन ने यह जानकारी दी। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट ने बुधवार को बताया कि मंगलवार शाम को 4100-4400 मीटर की उंचाई पर स्थित मल्ला-सिल्ला-कु शक ल्याण-सहस्त्रताल ट्रैक पर 22 सदस्ईय ट्रेकर दल के अन्य सदस्यों के फंसे होने की सूचना मिली जिसके बाद जमीनी और हवाई बचाव अभियान की तैयारियां शुरू की गईं। इस दल में 10 महिलाएं शामिल थीं।

बिष्ट ने बताया कि वायु सेना, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) और निजी हेलीकॉप्टर की मदद से अब तक 11 ट्रेकर को सुरक्षित नीचे ले आया गया है। प्रशासन के मुताबिक घटनास्थल से सुरक्षित निकाले गए 11 ट्रेकर में से आठ को देहरादून लाया गया है जिनकी पहचान सौम्या कनाले, स्मृति डोलस, शीना लक्ष्मी, एस शिवा ज्योति, अनिल जमतीगे, भारत बोमन्ना गौडर, मधु किरण रेडडी तथा जयप्रकाश बी एस के रूप में की गई है जबकि तीन अन्य ट्रेकरएस सुधाकर, विनय एम के और विवेक श्रीधर भटवाड़ीनटीन में रूके हुए हैं।

बिष्ट ने बताया कि आधार शिविर में सुरक्षित दो अन्य ट्रेकर नजदीकी सिल्ला गांव के लिए पैदल निकल चुके हैं जिनकी पहचान नवीन ए और ऋतिका जिंदल के रूप में की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि घटनास्थल से पांच शवों को भी निकालकर नटीन हैलीपैड लाया जा चुका है। उनके मुताबिक मृतकों की पहचान सिंधु वाकेलाम, आशा सुधाकर, सुजाता मुंगुरवाडी, विनायक मुंगुरवाडी और चित्रा प्रणीत के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दल में शामिल गाइड समेत अन्य चार ट्रेकर की खोज एवं बचाव के लिए अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। बिष्ट ने बताया कि दोपहर बाद इस उच्च हिमालई क्षेत्र में मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर से बचाव अभियान में कठिनाइयां आ रही हैं, जिसके मद्देनजर जमीनी बचाव टीम को तेजी से आगे बढ़ने को कहा गया है। लगभग 35 किलोमीटर लंबे इस दुरूह हिमालई ट्रैक के कारण टीम को घटनास्थल पर पहुंचने में भी समय लग रहा है। एसडीआरएफ एवं वन विभाग की जमीनी बचाव टीम दो विपरीत दिशाओं से घटनास्थल की ओर बढ़ रही हैं। जिलाधिकारी बताया कि वन विभाग की दस सदस्यों की रेकी एवं बचाव टीम सिल्ला गाँव से आगे पहुंच चुकी है जबकि जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से एसडीआरएफ का दल तड़के टिहरी जिले के बूढाकेदार की तरफ से रवाना हुआ है। खोज एवं बचाव अभियान का पर्यवेक्षण एवं विभिन्न एजेंसियों के समन्वय में जुटे उत्तरकाशी के पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि एसडीआरएफ की ट्रेकर टीम भी जल्द ही देहरादून से हेलीकॉप्टर से एरियल रेकी के रवाना होगी। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल उत्तरकाशी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटवाड़ी को अलर्ट पर रखा गया है। उनके अनुसार इसके अलावा भारत तिब्बत सीमा पुलिस (मातली केंद्र) से भी 14 बचावकर्मियों और एक चिकित्सक को मौके की ओर रवाना किया गया है। उत्तरकाशी के मनेरी स्थित हिमालयन व्यू ट्रैकिंग एजेंसी द्वारा इस दल को 29 मई को उत्तरकाशी से ट्रैक पर रवाना किया गया था जिसमें कर्नाटक के 18 और महाराष्ट्र के एक ट्रेकर के अलावा तीन स्थानीय गाइड शामिल थे। इस ट्रैकिंग दल को सात जून तक वापस लौटना था।

महाराष्ट्र में पीयूष गोयल ने सबसे ज्यादा 3.57 लाख तो वाइकर ने सबसे कम 48 मतों के अंतर से जीत दर्ज की

मुंबई (भाषा)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से पहली बार लोकसभा चुनाव मैदान में उतरे पीयूष गोयल ने महाराष्ट्र में सबसे अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के भूषण पाटिल को 3,57,608 मतों से हराया।

महाराष्ट्र में इस लोकसभा चुनाव में सबसे कम मत के अंतर से जीत का रिकॉर्ड मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से शिवसेना उम्मीदवार रविंद्र वाइकर के नाम रहा। उन्होंने महज 48 मतों से जीत दर्ज की। गोयल को 6,80,146 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी पाटिल को 3,22,538 मतों से ही संतोष करना पड़ा। वहीं वाइकर के खाते में 4,52,644 मत गए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एवं शिवसेना(यूबीटी) उम्मीदवार ने 4,52,596 मत हासिल किया। चर्चित बारामती सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की उम्मीदवार सुप्रिया सुले अपनी जीत बरकरार रखने में सफल रहीं। उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) उम्मीदवार एवं अपनी भाभी सुनेत्रा पवार को 1,58,333 मतों से मात दी। सुले को कुल 7,32,312 मत मिले जबकि सुनेत्रा पवार के पक्ष में 5,73,979 मतदाताओं ने मतदान किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की। उन्हें 6,55,027 वोट मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं कांग्रेस उम्मीदवार विकास ठाकरे को 5,17,424 वोट मिले। गडकरी ने ठाकरे को 1,37,603 वोटों के अंतर से हराया। जालना में केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार रावसाहेब दानवे को कांग्रेस के कल्याण काले ने 1,09,958 मतों से हराया। काले और दानवे को क्रमशः 6,07,897 और 4,97,939 मत मिले।डिंडोरी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के भास्कर भागरे ने केंद्रीय मंत्री भारती पवार को 1,13,119 मतों से हराया। भागरे और पवार को क्रमशः 5,77,339 और 4,64,140 मत मिले।केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार कपिल पाटिल को राकांपा (शरदचंद्र पवार) के सुरेश म्हात्रे के हाथों 66,121 मतों से हार का सामना करना पड़ा। म्हात्रे को 4,99,464 मत मिले।चंद्रपुर सीट पर राज्य के वनमंत्री एवं भाजपा उम्मीदवार सुधीर मुनगंटीवार कांग्रेस विधायक प्रतिभा धनोरकर से 2,60,406 मतों से हार गए। धनोरकर और मुनगंटीवार को क्रमशः 7,18,410 और 4,58,004 मत मिले।धुले में पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के सुभाष भामरे को कांग्रेस की शोभा बछाव ने 3,831 मतों के मामूली अंतर से हराया। बछाव को 5,83,866 मत मिले।

रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार नारायण राणे ने शिवसेना (यूबीटी) के विनायक राउत को 47,858 वोटों के अंतर से हराया। राणे और राउत को क्रमशः 4,48,514 और 4,00,656 मत मिले।ठाणे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गृह क्षेत्र है और यहां शिवसेना उम्मीदवार नरेश म्हास्के ने शिवसेना (यूबीटी) के राजन विचारे को 2,17,011 वोटों से हराया। म्हास्के को 7,34,231 वोट मिले जबकि विचारे को 5,17,220 वोट मिले।मुंबई उत्तर-पूर्व में शिवसेना (यूबीटी) के संजय पाटिल ने भाजपा के मिहिर कोटेचा को 29,861 वोटों से हराया। पाटिल को 4,50,937 वोट मिले, जबकि कोटेचा को 4,21,076 वोट मिले।कांग्रेस की मुंबई इकाई की अध्यक्ष और मुंबई उत्तर मध्य से पार्टी उम्मीदवार वर्षा गायकवाड़ ने वकील एवं भाजपा उम्मीदवार उज्ज्वल निकम को 16,514 मतों से हराया। गायकवाड़ को 4,45,545 मत मिले, जबकि निकम को 4,29,031 मत मिले।पूर्व केंद्रीय मंत्री और दो बार के सांसद रहे अरविंद सावंत ने मुंबई दक्षिण सीट पर शिवसेना की यामिनी जाधव को 52,673 मतों से हराया। शिवसेना (यूबीटी) प्रत्याशी सावंत को 3,95,655 मत मिले।कल्याण में शिवसेना के श्रीकांत शिंदे ने तीसरी बार जीत दर्ज की। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) की वैशाली डी. राणे को 2,09,144 के अंतर से हराया। शिंदे और राणे को क्रमशः 5,89,636 और 3,80,492 मत मिले। सतारा में छत्रपति उदयनराजे भोंसले ने राकांपा (शरदचंद्र पवार) के शशिकांत शिंदे को 32,771 मतों से हराया। भोंसले और शिंदे को क्रमशः 5,71,134 और 5,38,363 मत मिले। राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने रायगढ़ सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार अनंत गीते को 82,784 मतों से हराया। तटकरे को कुल 5,08,352 मिले जबकि गीते के खाते में 4,25,568 मत गए। पुणे सीट पर शहर के पूर्व महापौर मुरलीधर मोहोल ने कांग्रेस विधायक रवींद्र धांगेकर को 1,23,038 मतों से हराया। मोहोल और धांगेकर को क्रमशः 5,84,728 और 4,61,690 मत मिले।मावल में शिवसेना के श्रीरंग बारणे को 6,92,832 वोट मिले और उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार संजोग वाघेरे पाटिल को 96,615 मतों के अंतर से हराया।राकांपा (शरदचंद्र पवार) उम्मीदवार अमोल कोल्हे ने शिरूर सीट पर 1,40,951 मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने राकांपा के अधलराव पाटिल को हराया। कोल्हे और पाटिल को क्रमशः 6,98,692 और 5,57,741 मत मिले।

बंगाल में दलबदलुओं को मैदान में उतारने की रणनीति तृणमूल और भाजपा दोनों के लिए विफल रही

कोलकाता।(भाषा)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लोकसभा चुनाव में दलबदलुओं को मैदान में उतारने की रणनीति विफल रही और एक को छोड़कर बाकी सभी का प्रदर्शन खराब रहा। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। तृणमूल कांग्रेस ने अपने 42 उम्मीदवारों की सूची में चार दलबदलुओं को शामिल किया, जो या तो अन्य दलों से निर्वाचित प्रतिनिधि थे या हाल के वर्षों में पार्टी में शामिल हुए। दूसरी ओर, भाजपा ने टीएमसी से पार्टी में शामिल हुए पांच उम्मीदवारों को मैदान में उतारा। हालांकि, एक को छोड़कर नौ में से किसी भी उम्मीदवार को जीत नहीं मिली। आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भाजपा के पांच में से चार दलबदलू उम्मीदवार चुनाव में जीत हासिल करने में असफल रहे। सौमेंदु अधिकारी, अर्जुन सिंह, तापस रॉय, सिलभद्र दत्ता और रथिन चक्रवर्ती ने क्रमशः कांथी, बैरकपुर, कोलकाता उत्तर, दमदम और हावड़ा से लोकसभा चुनाव लड़ा था। तृणमूल से भाजपा में शामिल हुए इन पांच उम्मीदवारों में से केवल सौमेंदु अधिकारी ही अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी टीएमसी उम्मीदवार को हरा सके। बैरकपुर से भाजपा सांसद अर्जुन सिंह, जो दो साल पहले तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के बाद पिछले महीने भाजपा में वापस लौटे थे, तृणमूल कांग्रेस के मंत्री एवं पार्टी उम्मीदवार पार्थ भौमिक से हार गए। चार बार के टीएमसी विधायक तापस रॉय उम्मीदवार चयन पर

तृणमूल कांग्रेस ने अपने 42 उम्मीदवारों की सूची में चार दलबदलुओं को शामिल किया, जो या तो अन्य दलों से निर्वाचित प्रतिनिधि थे या हाल के वर्षों में पार्टी में शामिल हुए। दूसरी ओर, भाजपा ने टीएमसी से पार्टी में शामिल हुए पांच उम्मीदवारों को मैदान में उतारा।

मतभेद के कारण भाजपा में शामिल हो गए थे और भाजपा ने उन्हें कोलकाता उत्तर से उम्मीदवार बनाया गया। उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा।वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए दो बार के टीएमसी विधायक सिलभद्र दत्ता को दमदम लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया था और वह तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार सौगत राय से हार गए। तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रथिन चक्रवर्ती को भाजपा ने हावड़ा सीट से तृणमूल के प्रसून बनर्जी के खिलाफ मैदान में उतारा था। चक्रवर्ती को बनर्जी के हाथों हार का सामना करना पड़ा है।

दूसरी ओर, बनगांव सीट से टीएमसी उम्मीदवार बिस्वजीत दास 2021 में भाजपा से पार्टी में शामिल हुए थे। दास को इस सीट से हार मिली।रायगंज से तृणमूल उम्मीदवार कृष्ण कल्याणी भी 2021 में भाजपा से पार्टी में शामिल हुए थे। वह भी जीतने में नाकाम रहे। बिष्णुपुर निर्वाचन क्षेत्र में पूर्व दंपति के बीच मुकाबला था।

लोकसभा के लिए चुनी गईं 73 महिला सांसद पिछले आम चुनाव के मुकाबले संख्या घटी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के मंगलवार को आए नतीजों में कुल 73 महिलाएं चुनी गईं जबकि 2019 के आम चुनाव में यह संख्या 78 थी। देश भर से निचले सदन के लिए चुनी गईं कुल महिला सांसदों में से पश्चिम बंगाल 11 महिलाओं के साथ सबसे आगे है। कुल 797 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था, जिसमें भाजपा ने सबसे अधिक 69 को और कांग्रेस ने 41 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बाद यह पहला चुनाव है। इस कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। यह कानून अभी लागू नहीं हुआ है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, इस बार भाजपा की 30 महिला उम्मीदवारों ने लोकसभा चुनाव जीता, कांग्रेस की 14, तृणमूल कांग्रेस की 11, समाजवादी पार्टी की चार, द्रमुक की तीन और जनता दल (यूनाइटेड) और लोजपा (आर) की दो-दो महिला उम्मीदवार जीतीं। सत्रहवीं लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या सबसे अधिक 78 थी, जो कुल संख्या का 14 प्रतिशत थी। 16वीं लोकसभा में 64 महिलाएं सदस्य थीं जबकि 15वीं लोकसभा में यह संख्या 52 थी। भाजपा की हेमा मालिनी, तृणमूल की महुआ मोइत्रा, राकांपा (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले और समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव ने लोकसभा चुनाव में अपनी सीटें बरकरार रखीं जबकि कंगना रनौत और मीसा भारती जैसी उम्मीदवारों ने अपनी जीत से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। मछलीशहर से समाजवादी पार्टी की 25 वर्षीय उम्मीदवार प्रिया सरोज और कैराना सीट से 29 वर्षीय इकरा चौधरी जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की उम्मीदवारों में शामिल हैं।

ओडिशा चुनाव में मां-बेटे, पति-पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री के बच्चों को हार का सामना करना पड़ा

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक साथ हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कई निर्वाचन क्षेत्र ऐसे रहे, जिनमें कई प्रमुख नेताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों को हार का सामना करना पड़ा।लोकसभा और विधानसभा चुनावों के नतीजे मंगलवार को घोषित किए गए थे। बीजू जनता दल (बीजद) के प्रभावशाली नेता प्रणब प्रकाश दास और उनकी मां, मंत्री सुदाम मरांडी और उनकी पत्नी तथा दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बच्चे इन चुनावों में हार गए। बीजद के संगठनात्मक सचिव प्रणब को संबलपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 1,19,836 मतों के अंतर से हराया। प्रणब की मां संध्यारानी भी कोराई विधानसभा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आकाश दास नायक से 5,646 मतों के अंतर से हार गईं। इसी तरह, नवीन पटनायक की कैबिनेट में मंत्री रहे सुदाम मरांडी मयूरभंज लोकसभा सीट से हार गए। मयूरभंज सीट पर भाजपा उम्मीदवार नाबा चरण माझी ने 2,19,334 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। सुदाम मरांडी की जगह बीजद ने उनकी पत्नी रंजीता मरांडी को बंगरीपोसी विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था। रंजीता मरांडी भाजपा उम्मीदवार संजली मुर्मू से हार गईं। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे.बी. पटनायक के बेटे पृथ्वी बल्लभ पटनायक ने कांग्रेस के टिकट पर बेगुनिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा और वह तीसरे स्थान पर रहे। उन्हें केवल 18,144 वोट मिले, जो विजई रहे बीजद उम्मीदवार को मिले मतों से 72,820 कम थे। बेगुनिया विधानसभा सीट पर भाजपा दूसरे स्थान पर रही। पृथ्वी के पिता ने इस सीट का प्रतिनिधित्व 1995 (उपचुनाव) और 2004 में किया था। इसी तरह, पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत हेमानंद बिस्वाल की बेटी अमिता ने कांग्रेस के टिकट पर झारसुगुड़ा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें भी करारी हार झेलनी पड़ी। भाजपा के टंकधर त्रिपाठी ने यह सीट जीती और बीजद की दीपाली दास दूसरे स्थान पर रहीं। अमिता को केवल 5,775 वोट मिले। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री भक्त चरण दास नरला विधानसभा सीट हार गए, लेकिन उनके बेटे सागर दास भवानीपटना विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल करने में कामयाब रहे। इसके अलावा, कांग्रेस की ओडिशा इकाई के पूर्व अध्यक्ष निरंजन पटनायक और उनके छोटे भाई सौम्य रंजन पटनायक (निर्दलीय) को इस चुनाव में भंडारीपोखरी और घासीपुरा विधानसभा क्षेत्रों से हार का सामना करना पड़ा। सौम्य पूर्व मुख्यमंत्री जे.बी. पटनायक के दामाद भी हैं।

बिहार में अंतिम चरण में खराब प्रदर्शन राजग के लिए घातक साबित हुआ

पटन। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण मे खराब प्रदर्शन के कारण बिहार मे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सीट मे कमी आई जबकि विपक्षी महागठबंधन अपनी स्थिति मे सुधार लाने मे सफल रहा। बिहार की कुल 40 लोकसभा सीट मे से 30 सीट ही इसबार भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जीत पाया जो 2019 मे 39 की तुलना मे भारी गिरावट है तथा 2014 (31) और 2009 (32) की तुलना मे भी कम है। राजग बिहार मे 2005 से शासन कर रहा है और उसने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जैसे मजबूत सहयोगी के नेतृत्व मे मोदी लहर के आगमन से पहले भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। जब मोदी लहर आई तो उसने यह सुनिश्चित किया कि जदयू अध्यक्ष कुमार के राजग मे न होने के बावजूद इस गठबंधन का पलड़ा भारी रहे।

नई लोकसभा के दो सदस्य जेलों में बंद, क्या कहता है कानून

भाषा। नई दिल्ली

आतंकवाद के आरोप में जेल में बंद दो उम्मीदवार संसदीय चुनाव में विजई हुए हैं, जिससे आगामी दिनों में गठित होने वाली 18वीं लोकसभा के लिए असामान्य स्थिति पैदा हो गई है।

हालांकि कानून के तहत उन्हें नए सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी, फिर भी उन्हें संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने का संवैधानिक अधिकार है। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए। पंजाब की खडूर साहिब सीट पर कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह ने जीत दर्ज की, जबकि जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट पर आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोपी शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद ने जीत दर्ज की। इंजीनियर राशिद आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोप में 9 अगस्त 2019 से तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिंह को अप्रैल 2023 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया था।

अब सवाल यह उठता है कि क्या जेल में बंद इन नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ लेने की अनुमति दी जाएगी, यदि हां, तो कैसे। इस विषय में शामिल कानूनी पहलुओं को समझाते हुए संविधान विशेषज्ञ और पूर्व लोकसभा महासचिव पी.डी.टी. आचारी ने ऐसे मामलों में संवैधानिक प्रावधानों का पालन करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संसद सदस्य के रूप में शपथ लेना एक संवैधानिक अधिकार है। आचारी ने

कहा कि चूंकि वे फिलहाल जेल में हैं, इसलिए इंजीनियर राशिद और सिंह को शपथ ग्रहण समारोह के लिए संसद तक ले जाने के लिए अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी।

उन्होंने कहा कि शपथ लेने के बाद उन्हें वापस जेल जाना होगा। वैधानिक पहलुओं को और स्पष्ट करने के लिए, आचारी ने संविधान के अनुच्छेद 101(4) का हवाला दिया, जो अध्यक्ष की पूर्व अनुमति के बिना संसद के दोनों सदनों से सदस्यों की अनुपस्थिति से संबंधित है। उन्होंने कहा कि शपथ लेने के बाद वे लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर सदन में उपस्थित होने में अपनी असमर्थता के बारे में सूचित करेंगे, इसके बाद अध्यक्ष उनके अनुरोधों को सदन की अनुपस्थिति संबंधी समिति के पास भेज देंगे। समिति तय करेगी कि सदस्य को सदन की कार्यवाही से अनुपस्थित रहने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं। इसके बाद अध्यक्ष सदन में सिफारिश पर मतदान कराएंगे। यदि इंजीनियर राशिद या सिंह को दोषी ठहराया जाता है और कम से कम दो साल के कारावास की सजा होती है, तो वे 2013 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार लोकसभा में अपनी सीट तुरंत गंवा देंगे। न्यायालय के फैसले के अनुसार ऐसे मामलों में सांसदों और विधायकों को अयोग्य घोषित किया जाता है।

इस निर्णय के तहत जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8(4) को निरस्त कर दिया गया था, जिसके तहत दोषी सांसदों और विधायकों को अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील करने के लिए तीन महीने का समय दिया जाता था।

अमेरिकी उद्योग जगत को मोदी सरकार में आर्थिक सुधार जारी रहने की उम्मीद

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी उद्योग जगत को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे, भले ही वह थोड़े कम बहुमत के साथ सत्ता में लौटे हों। यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मुकेश अघी ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि माहौल ऐसा है कि प्रधानमंत्री थोड़े कम बहुमत से गठबंधन के साथ वापस आएंगे..सुधार का एजेंडा जारी रहेगा। अमेरिका-भारत संबंध सकारात्मक रूप से आगे बढ़ेंगे, क्वाड, आई2यू2, आईएमएसी पर ध्यान देना जारी रहेगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि जहां तक (भारत-अमेरिका) संबंधों की बात है तो इसमें कोई बदलाव आया है। मुझे लगता है कि वे (अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन) उम्मीद कर रहा था कि प्रधानमंत्री मोदी वापस आएंगे और दोनों देशों के बीच बैठकें जारी रहेंगी। अघी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि चुनाव के प्रभाव से भारत में कॉर्पोरेट निवेश की गति प्रभावित होगी। यूएसआईबीसी के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अतुल केशप ने एक बयान में कहा, अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) लोकसभा चुनाव के सफल समापन पर सभी भारतीयों को बधाई देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को उनके विस्तारित जनादेश के लिए बधाई देता है। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री, उनके मंत्रिमंडल तथा भारत के सभी निर्वाचित नेताओं के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं, ताकि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार व निवेश को बढ़ाया जा सके। साथ ही भारतीयों को अधिक समृद्धि तथा विकास की उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद मिल सके। सिस्को के मानद चेयरमैन जॉन चैम्बर्स ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई, जिन्होंने भारत के आम चुनाव में तीसरे कार्यकाल के लिए जीत हासिल की है।

अमेरिका ने सफल चुनाव के लिए भारत सरकार और देश की जनता को सराहा

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका ने लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए भारत सरकार और देश की जनता की सराहना की। लोकसभा के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। हालांकि, तीन हिन्दी भाषी राज्यों में भाजपा को बड़ी संख्या सीटों का नुकसान हुआ है। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा के सभी 543 निर्वाचन क्षेत्र के लिए अंतिम परिणाम जारी कर दिए, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 240 और कांग्रेस को 99 सीट पर विजई घोषित किया गया है। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, अमेरिका की ओर से, हम भारत सरकार और वहां के मतदाताओं को इतने बड़े चुनाव का आयोजन सफलतापूर्वक करने और उसका हिस्सा बनने के लिए बधाई देते हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा अंतिम परिणाम घोषित किए जाने से पहले मिलर ने संवाददाताओं से कहा, हम अंतिम परिणाम देखने के लिए उत्सुक हैं। वह भारत में लोकसभा चुनावों को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, मैं चुनाव जीतने और हारने वालों पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा जैसा कि दुनियाभर में किया जाता है। हमारे लिए महत्वपूर्ण यह है कि हमने पिछले छह हफ्ते के दौरान इतिहास में लोकतंत्र की सबसे बड़ी कवायद को देखा जहां भारत के लोग मतदान के लिए घरों से बाहर निकले। उन्होंने अमेरिका सहित पश्चिमी देशों द्वारा भारत के चुनावों में दखल को लेकर तमाम खबरों का भी खंडन किया।वहीं, अमेरिका में भारत-केंद्रित व्यापार एवं व्यवसाय समूह द बोर्ड ऑफ अमेरिका-भारत स्ट्रेटजिक वहीं, अमेरिका में भारत-केंद्रित व्यापार एवं व्यवसाय समूह द बोर्ड ऑफ अमेरिका-भारत स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) ने मंगलवार को कहा, हमारी संस्था राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 2024 के आम चुनावों में लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देती है। एक बयान में, यूएसआईएसपीएफ बोर्ड ने देश के गौरवशाली लोकतांत्रिक इतिहास में एक और नया अध्याय जोड़ने के लिए भारत के नागरिकों को भी बधाई दी।

लेबनान में बंदूकधारियों ने किया अमेरिकी दूतावास पर हमले का प्रयास

एपी। बेरूत

लेबनान की राजधानी बेरूत के निकट अमेरिकी दूतावास पर हमले का प्रयास कर रहे एक बंदूकधारी को सैनिकों ने पकड़ लिया। हालांकि बताया जा रहा है कि हमलावरों की संख्या चार थी। सेना ने यह जानकारी दी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इस छोटे से भूमध्यसागरीय देश में तनाव की स्थिति है। चरमपंथी समूह हिजबुल्ला और इजराइली सैनिकों के बीच महीनों से जारी लड़ाई के कारण इस देश के सीमावर्ती क्षेत्र में हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। साथ ही लेबनान कई वर्षों से राजनीतिक गतिरोध और आर्थिक तंगी का भी सामना कर रहा है। लेबनान की सेना ने बयान में बताया कि सैनिकों ने एक हमलावर पर गोली चला दी। सेना ने हमलावर की पहचान केवल सीरियाई नागरिक के रूप में की है। सेना की गोली से घायल हुए हमलावर को अस्पताल ले जाया गया। हमले के पीछे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। स्थानीय मीडिया में कुछ फोटो छपी हैं, जिसमें खून से लथपथ हमलावर काले रंग की बनियान पहने दिख रहा है और उस पर अरबी भाषा में इस्लामिक स्टेट और अंग्रेजी में आई और एस लिखा है। स्थानीय मीडिया की खबरों में बताया गया कि बेरूत के उत्तर में औकार उपनगर में अमेरिकी राजनयिक मिशन के पास लगभग आधे घंटे तक गोलीबारी हुई। एक लेबनानी सुरक्षा अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि हमलावरों की संख्या चार थी जिनमें से एक को मार गिराया गया, एक घायल है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एक भागने में कामयाब रहा। चौथा हमलावर वह था जो इन तीनों को गाड़ी से यहां छोड़कर गया था। अमेरिकी दूतावास ने बताया कि दूतावास के प्रवेश द्वार पर सुबह हुए हमले में उनका कोई कर्मचारी हताहत नहीं हुआ है और घटना की सूचना मिलते ही लेबनान के सैनिक तथा दूतावास के सुरक्षाकर्मी सक्रिय हो गए। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रक्षा मंत्री तथा सेना कमांडर की बैठकों के बाद उन्हें अवगत कराया गया कि हालात फिलहाल स्थिर है और जांच जारी है। लेबनान की सेना ने कहा कि दूतावास और आस-पास के क्षेत्रों में जवानों को तैनात कर दिया गया है। इससे पहले 1983 में बेरूत में अमेरिकी दूतावास पर किए गए घातक बम हमले में 63 लोग मारे गए थे।

बाइडन और ट्रंप ने कुछ राज्यों में अपनी पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता

एपी। न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगवलार को कुछ राज्यों में डमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीत लिया। पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद पहली बार चुनाव में उतरे ट्रंप ने न्यू मेक्सिको, मोंटाना और न्यू जर्सी में प्राइमरी चुनाव जीता। बाइडन ने न्यू मेक्सिको, साउथ डकोटा, न्यू जर्सी, मोंटाना और वाशिंगटन डीसी में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीता। ट्रंप और बाइडन दोनों को मंगलवार को हुए मुकाबलों में आसानी से जीत हासिल करने की उम्मीद थी। लेकिन कई अमेरिकियों का कहना है कि वे 2020 के चुनाव को दोहराना नहीं चाहते हैं। रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव में ट्रंप के वर्चस्व को पहले संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने चुनौती दी थी लेकिन बाद में उन्होंने मार्च में राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारी हासिल करने की दौड़ से बाहर होने की घोषणा की। हेली ने दो सप्ताह पहले कहा था कि वह नवंबर में ट्रंप के लिए वोट करेंगी। हालांकि, न्यू मेक्सिको में वह प्राइमरी चुनाव की दौड़ में शामिल थीं जहां कई मतदाताओं ने हेली के पक्ष में वोट किया लेकिन मंगलवार देर रात तक उनका वोट प्रतिशत 10 फीसदी से कम था। बाइडन को हमास के साथ इजराइल के युद्ध से निपटने को लेकर डेमोक्रेटिक मतदाताओं की नाखुशी के कारण हाल में हुए मुकाबलों में विरोध का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। इस बीच, मतदाताओं ने मंगलवार को इन राज्यों में संघीय, राज्य और स्थानीय कार्यालय के लिए प्राइमरी चुनाव में भी वोट डाला।

दक्षिण अफ्रीका में सरकार बनाने के लिए पांच अन्य दलों के साथ शुरुआती वार्ता की: एएनसी

जोहानिसबर्ग, (एपी) दक्षिण अफ्रीका की पार्टी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) के शीर्ष नेताओं ने सरकार बनाने के लिए गठबंधन या अन्य समझौते पर पांच अन्य दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रारंभिक बातचीत की है लेकिन अभी इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है और वार्ता शुरुआती चरण में है। एएनसी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दक्षिण अफ्रीका में चुनावी गतिरोध तब पैदा हो गया जब लंबे समय से सत्ता पर काबिज एएनसी ने पिछले सप्ताह हुए चुनाव में अपना 30 साल पुराना बहुमत खो दिया था, लेकिन कोई भी पार्टी उसे पछाड़ने में सफल नहीं हो पाई। चुनाव में एएनसी सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है। एएनसी प्रवक्ता महलेंगी भेंगु-मोत्सिरी ने संवाददाताओं से कहा कि मुख्य विपक्षी दल डेमोक्रेटिक अलायंस , इकोनॉमिक फ्रीडम फाइटर्स और तीन अन्य छोटी पार्टियों के साथ बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि एएनसी ने पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा की नई एमके पार्टी से बातचीत के लिए बार-बार संपर्क किया था, लेकिन कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। एएनसी ने अन्य दलों के साथ चर्चा को राष्ट्रीय एकता की सरकार बनाने के प्रयास के रूप में प्रस्तुत किया है तथा औपचारिक गठबंधन ही एकमात्र विकल्प नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने रविवार को सभी राजनीतिक दलों से अपने मतभेदों को दूर कर देश में राष्ट्रीय गठबंधन की पहली सरकार बनाने के लिए साझा आधार तलाशने का आह्वान किया था। दक्षिण अफ्रीका में रविवार को चुनाव के अंतिम नतीजों की घोषणा की गई थी, जिसमें यह साफ हो गया कि किसी दल को बहुमत नहीं प्राप्त हुआ है। उसके बाद से ही देश में आगे का रास्ता खोजने के लिहाज से गठबंधन बनाने की बातचीत शुरू हो गई थी। नेल्सन मंडेला की पार्टी एएनसी ने 1994 में दक्षिण अफ्रीका को श्वेत अल्पसंख्यक शासन की रंगभेद प्रणाली से मुक्त कराया था। तब से पार्टी चुनाव में बहुमत के साथ शासन कर रही थी।

भारत में वायु प्रदूषण को दर्शाती वैश्विक परियोजना

लंदन (भाषा) अनुसंधानकर्ताओं और कलाकारों ने भारत में अदृश्य वायु प्रदूषण को दृश्यमान बनाने के लिए एक तथाकथित पेंटिंग विद लाइट अंतरराष्ट्रीय परियोजना के लिए हाथ मिलाया है। डिजिटल लाइट पेंटिंग और कम लागत वाले वायु प्रदूषण सेंसर के साथ वैज्ञानिक टीम ने स्थानीय समुदायों के बीच बहस छेड़ने के लिए तीन देशों- भारत, इथियोपिया और ब्रिटेन के शहरों में प्रदूषण के स्तर के फोटो साक्ष्य तैयार किए हैं। चित्रों में भारत में 500 किमी दूर दो खेल मैदानों को शामिल किया गया है। इनमें से एक मैदान शहरी दिल्ली में और दूसरा ग्रामीण क्षेत्र पालमपुर (हिमाचल प्रदेश में) है। पालमपुर खेल मैदान में प्रदूषक तत्व (पीएम2.5) का स्तर दिल्ली में मापे गए स्तर से कम से कम 12.5 गुना कम है। छायाकार रॉबिन प्राइस के साथ परियोजना के सह-निर्माता एवं बर्मिंघम विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक फ्रांसिस पोप ने कहा, वायु प्रदूषण प्रमुख वैश्विक पर्यावरणीय जोखिम कारक है।

टैटू से लिंफोमा का खतरा 21 अधिक होता है - नया अध्ययन

द कन्वरसेशन। लुंड

पछतावे को कई वर्षों तक टैटू का सबसे गंभीर दुष्प्रभाव माना जाता था। लेकिन मेरे नए अध्ययन से पता चलता है कि टैटू बनवाने के परिणामों पर चिंता करने के लिए इससे भी बदतर चीजें हो सकती हैं। टैटू अब पहचान व्यक्त करने या जीवन में मील के पत्थर का जश्न मनाने का एक मुख्य साधन है। फिर भी हम दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में बहुत कम जानते हैं। टैटू स्याही में खतरनाक रसायनों ने पिछले दस वर्षों के दौरान यूरोप में ध्यान आकर्षित किया है। समानांतर में, शोध से पता चला है कि जो स्याही त्वचा में इंजेक्ट की जाती है वह वहां नहीं रहती है। शरीर टैटू स्याही को एक बाहरी चीज़ के रूप में मानता है जिसे हटाने की आवश्यकता होती है, और गोदने से प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया होती है जिसके परिणामस्वरूप स्याही कणों का एक बड़ा हिस्सा लिम्फ नोड्स में चला जाता है। लेकिन पहेली का आखिरी भाग गायब है: लसीका प्रणाली में जमा टैटू स्याही लोगों के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है?

बिंदुओं को जोड़ने के लिए, स्वीडन के लुंड विश्वविद्यालय में मेरे सहकर्मियों और मैंने, यह जवाब देने के लिए एक बड़ा अध्ययन किया कि क्या टैटू बनवाने से घातक लिंफोमा का खतरा बढ़ सकता है, जो कैंसर का एक दुर्लभ रूप है और सफेद रक्त कोशिकाओं (लिम्फोसाइट्स) को प्रभावित करता है। यह अध्ययन हाल ही में ईक्लिनिकलमेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। ऐसी आबादी के साथ जहां पांच में से एक से अधिक लोग टैटू गुदवाते हैं, स्वीडन दुनिया में सबसे अधिक टैटू गुदवाने वाले देशों में से एक है। देश में जनसंख्या रजिस्टर रखने की भी एक लंबी परंपरा है, उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्टर में कैंसर से पीड़ित सभी लोगों को शामिल किया गया है। हमारे अध्ययन में स्वीडन के उन सभी लोगों को शामिल किया गया, जिन्हें 2007 और 2017 के बीच 20 से 60 वर्ष की आयु में लिंफोमा का निदान किया गया था। लिंफोमा वाले प्रत्एक व्यक्ति के लिए, समान लिंग और उम्र के तीन यादृच्छिक लोगों की पहचान की गई, लेकिन बिना लिंफोमा के (नियंत्रण तुलना के लिए उपयोग किया जाता है)।प्रतिभागियों ने कई जीवनशैली कारकों के बारे में एक प्रश्नावली का उत्तर दिया, और जिन लोगों ने टैटू बनवाया था उनसे टैटू के आकार, पहली बार टैटू बनवाते समय उनकी उम्र और टैटू के रंगों के बारे में पूछा गया। अध्ययन में 5,591 लोग (1,398 मामले और 4,193 नियंत्रण) शामिल थे। धूम्रपान की स्थिति और शिक्षा स्तर (दोनों ऐसे कारक हैं जो टैटू बनवाने और लिंफोमा विकसित होने से जुड़े हो सकते हैं) को ध्यान में रखने के बाद हमने पाया कि टैटू गुदवाने वाले लोगों में बिना टैटू वाले लोगों की तुलना में लिंफोमा का खतरा 21ञ अधिक था। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि लिंफोमा एक बहुत ही दुर्लभ बीमारी है और जोखिम में वृद्धि बहुत कम आधारभूत जोखिम से संबंधित है।

इसमें आकार कोई मायने नहीं रखता

टैटू का आकार कोई मायने नही रखता था। जो मायने रखता है वह समय है - प्रतिभागियों ने कितने समय से अपने शरीर पर टैटू बनवाए थे। नए टैटू (दो साल पहले बनवाए) और पुराने टैटू (दस साल से अधिक पहले बनवाए) के लिए जोखिम अधिक प्रतीत होता है। इस एकल अध्ययन के आधार पर टैटू संबंधी कोई सिफ़ारिश देना उचित नही है। ऐसा करने से पहले हमें और अधिक शोध की आवश्यकता है। लेकिन शोध हमें बताता है कि टैटू वाले लोगों के लिए, यह जानना महत्वपूर्ण है कि टैटू का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है और यदि आपको टैटू से संबंधित किसी भी लक्षण का अनुभव होता है, तो आपको चिकित्सा देखभाल लेनी चाहिए। ऐसा लगता है कि टैटू का चलन यही रहेगा। चूँकि लोग टैटू बनवाना जारी रखेंगे, यह सुनिश्चित करना एक सामाजिक जिम्मेदारी है कि इसे यथासंभव सुरक्षित रूप से किया जा सके। टैटू के स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों को समझने के लिए स्पष्ट रूप से गहराई से अध्ययन करने की आवश्यकता है। अभी, मै और मेरे सहकर्मी दो प्रकार के त्वचा कैंसर पर समानांतर अध्ययन पूरा कर रहे है और यह पता लगाने के लिए नए शोध शुरू करने वाले है कि क्या थायरॉयड रोग और सारकॉइडोसिस जैसी प्रतिरक्षा-प्रणाली से संबंधित स्थितियों का खतरा बढ़ गया है।

चुनाव भारत के संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार: चंद्रचूड़

भाषा। ऑक्सफोर्ड, लंदन

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव भारत के संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार है, वहीं न्यायाधीश व्यवस्था की रक्षा करने वाले संवैधानिक मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित करते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ मंगलवार को प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, समाज में निर्णायकों की मानवीय भूमिका के विषय पर अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने इस दौरान न्यायिक प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों के खिलाफ की जाने वाली कुछ अनुचित आलोचनाओं को रेखांकित करते हुए भारत के प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी का समग्र प्रभाव न्यायपालिका को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचने में मदद करना है। उन्होंने भारत के आम चुनावों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, चुनाव संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार है... भारत में न्यायाधीश निर्वाचित नहीं होते और इसका एक कारण यह भी है कि न्यायाधीश हालातों और संवैधानिक मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित करते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, लोकतंत्र में न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसमें हम परंपरा की भावना को प्रदर्शित करते हैं और साथ ही इस भावना को भी प्रदर्शित करते हैं कि एक अच्छे समाज का भविष्य कैसा होना चाहिए। निर्णय सुनाते समय उन्हें जिन राजनीतिक और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ा, उसके बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, न्यायाधीश के रूप में मेरे 24 वर्षों के कार्यकाल में मुझे कभी भी राजनीतिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, हमारा जीवन सरकार की राजनीतिक शाखा से बिल्कुल अलग है... लेकिन स्पष्ट रूप से न्यायाधीशों को अपने निर्णयों के व्यापक राजनीति पर पड़ने वाले प्रभाव से परिचित होना चाहिए। यह राजनीतिक दबाव नहीं है, बल्कि न्यायालय द्वारा किसी निर्णय के संभावित प्रभाव की समझ है।

मोदी की अजेय छवि को झटका, विपक्ष को मिला नया जीवनदान

विश्व मीडिया ने भारतीय चुनाव परिणामों पर कहा

भाषा। वाशिंगटन, लंदन

लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अजेय छवि को भारतीय मतदाताओं ने न केवल ध्वस्त कर दिया बल्कि विपक्ष को भी एक नया जीवनदान दे दिया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भारत के आम चुनाव के परिणामों को कुछ इस तरह से परिभाषित किया है। लोकसभा चुनाव के परिणामों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 543 सीट में से 240 सीट जीतीं और कांग्रेस ने 99 सीट पर जीत दर्ज की है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 543 सदस्ईय लोकसभा में 272 के बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार कर लिया है। भाजपा ने हालांकि अपना पूर्ण बहुमत खो दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट की शुरुआत इस टिप्पणी से की, अचानक, नरेन्द्र मोदी के इर्द-गिर्द बनी अजेय छवि खत्म हो गई है। परिणामों को आश्चर्यजनक बताते हुए, इसने कहा कि ए श्री मोदी के कार्यकाल के एक दशक बाद एक बड़ा उलटफेर हैं। द वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा, मंगलवार को जब अंतिम चुनाव परिणाम आए, तो मतदाताओं ने यथास्थिति को लेकर असंतोष दिखाया और लगातार जीतने वाले इस नेता को मुश्किल स्थिति में ला दिया। सीएनएन ने कहा, इस चुनाव में मोदी ने संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में 400 सीट जीतने का लक्ष्य रखा था। लेकिन मंगलवार को जैसे-जैसे नतीजे आने शुरू हुए, यह स्पष्ट हो गया कि सत्तारूढ़ भाजपा के पास बहुमत के लिए भी पर्याप्त संख्या नहीं होगी और उन्हें एक दशक पहले सत्ता में आने के

बाद पहली बार सरकार में बने रहने के लिए गठबंधन के पुराने सहयोगियों पर निर्भर रहना होगा। बीबीसी ने अपनी खबर में कहा कि यह जनादेश कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के लिए आश्चर्यजनक पुनरुत्थान का प्रतीक है। चुनाव परिणाम एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) और चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों से भी पूरी तरह अलग हैं। इसने कहा कि चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि ब्रांड मोदी की चमक कुछ कम हुई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि मोदी भी सत्ता विरोधी लहर के प्रति संवेदनशील हैं। इसमें कहा गया है कि दूसरे शब्दों में, मोदी उतने अजेय नहीं हैं जितना उनके कई समर्थक मानते हैं। इससे विपक्ष को नई उम्मीद मिलती है। बीबीसी ने कहा कि इन परिणामों से कांग्रेस नीत विपक्ष को भी एक नई ऊर्जा मिलेगी। टाइम पत्रिका ने कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के दक्षिण एशिया कार्यक्रम के निदेशक मिलन वैष्णव के हवाले से अपनी खबर में कहा, यह चुनाव निस्संदेह मोदी और भाजपा के लिए एक झटका है। इसमें कहा गया है, सत्ता में दस साल के बाद, यह कई मायनों में कार्यालय में उनके ट्रैक रिकॉर्ड पर एक जनमत संग्रह था और स्पष्ट रूप से कई भारतीय बेचैन और असहज महसूस कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि मोदी को अब पिछले एक दशक की तुलना में अधिक मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेगा।

इसमें कहा गया है, उनके (प्रधानमंत्री मोदी) खराब प्रदर्शन के राजनीतिक परिणाम होंगे। कम से कम, भाजपा को अपने गठबंधन के सहयोगियों पर अधिक निर्भर रहना पड़ेगा। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने चुनाव परिणामों को मोदी के लिए एक चुनावी झटका बताया। द गार्जियन में छपे एक लेख में कहा गया कि चुनाव परिणामों से संकेत मिलता है कि मोदी को वह भारी जीत नहीं मिली है जिसकी कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी। सीबीसी न्यूज ने कहा कि चुनाव परिणामों से कांग्रेस पार्टी को एक नया जीवनदान मिला है। अमेरिका की मास मीडिया कंपनी वॉक्स मीडिया ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का चुनाव दर्शाता है कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अभी भी एक लोकतंत्र है। चीन के सरकारी अखबार चाइना डेली ने विश्लेषकों के हवाले से अपनी खबर में कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में, मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अपना ध्यान घरेलू मुद्दों पर केंद्रित कर सकती है, लोक कल्याण और विकास के लाभों के उचित वितरण को प्राथमिकता दे सकती है और यहां तक कि हिंदू राष्ट्रवाद पर नरम रुख अपना सकती है। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने अपने संपादकीय में लिखा, मोदी की जीत, भले ही कमजोर हो लेकिन यह निश्चित रूप से पाकिस्तान के लिए शुभ संकेत नहीं है। मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले दो कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध बहुत खराब हो गए थे।

राजग को कम सीट मिलने के बाद भारतीय राजनीति में बाह्य कारक बन सकता है पाक

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की एक वरिष्ठ नेता ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को आम चुनावों में उम्मीद से कम सीट मिलने के बाद पाकिस्तान भारतीय राजनीति में एक बाह्य कारक बन सकता है।

भारत में आम चुनावों के परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद पाकिस्तानी सांसद शेरी रहमान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान साझा कर पाकिस्तान एवं भारत के संबंधों और अन्य मुद्दों का जिक्र किया। रहमान 2011 से 2013 तक अमेरिका में पाकिस्तान की राजदूत रही थीं। उन्होंने कहा, क्या मोदी को लगा झटका उन्हें क्षेत्र में स्थिरता लाने और पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करने पर थोड़ा और ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करेगा? यह विमर्श में बड़े बदलाव पर निर्भर करेगा। हालांकि ब्रांड मोदी कमजोर हुए है, लेकिन यह खत्म नहीं हुआ है।

रहमान ने कहा, दरअसल, असल घरेलू नुकसान की भरपाई के लिए पाकिस्तान के प्रति (मोदी की) नीति एक बाह्य कारक बन सकती है। पाकिस्तान के चुनाव में अब भारत का जितना जिक्र होता है, उसकी तुलना में मोदी के प्रचार अभियान में पाकिस्तान का जिक्र अधिक बार हुआ। ऐसा इस बात के बावजूद हुआ कि अब उनका ध्यान हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर केंद्रित है।

पाकिस्तान और भारत के संबंध, विशेष रूप से कश्मीर के मामले और पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद के कारण तनावपूर्ण रहे हैं।

चुनावों के बाद भारतीय राजनीति में आने वाले बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या इस चुनाव के बाद भारत में कोई व्यापक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा, ...यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। अगले आने वाले विधानसभा चुनावों पर नजर रखनी चाहिए। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की अगुवाई वाली पीपीपी ने एक्स के जरिए भारतीय चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि इस चुनाव ने दिखा दिया है कि भारत के लोगों ने नफरत की राजनीति को खारिज कर दिया है। पीपीपी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) पार्टी के नेतृत्व वाली मौजूदा पाकिस्तान सरकार में गठबंधन सहयोगी है। पीपीपी ने कहा, भारतीयों ने मोदी की नफरत की राजनीति को खारिज कर दिया और 400 सीट पार करने के उनके नारे पर लगाम लगा दी।

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India
BOI
आंचलिक कार्यालयः "स्टार हॉउस"
विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010,
फोनः 0522-2721512
अधिग्रहण सूचना

यद्यपि प्राधिकृत अधिकारी बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 की सपठित नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की गई थी और ऋणी को मांग सूचना में उल्लिखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है, का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर करने को कहा गया था। ऋणगृहिता के द्वारा यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणगृहिता और सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त एक्ट की धारा 13 (4) सपठित उप नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य ग्रहण कर लिया गया है। ऋणगृहिता को विशिष्ट रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतद्द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है ओर निम्नलिखित सम्पत्ति का किसी प्रकार से कोई क्रय-विक्रय बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में देय बकाया राशि, ब्याज एवं अन्य व्यय के भार के अधीन होगा। **ऋणी को सुरक्षित परिसम्पत्ति के आधार पर धारा 13 के उपधारा (8) के प्रावधान के अन्तर्गत दिये गये समय में आमंत्रित कर रहे हैं।**

क्र. सं.	उधारकर्ता/जमानतकर्ता का नाम व पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण/सम्पत्ति मालिक का नाम	बकाया धनराशि (₹) धारा 13 (2) के अनुसार मांग सूचना/अधिग्रहण की तिथि
शाखा : सीतापुर रोड			
1	**ऋणी : श्री विवेक शुक्ला** पुत्र स्व. वेद प्रकाश शुक्ला एवं **श्रीमती रूचि शुक्ला** पत्नी स्व. वेद प्रकाश शुक्ला **पता** (1)- मकान नंबर 538क/91, त्रिवेणी नगर प्रथम, (मधु बालिका छात्रावास के निकट), लखनऊ- 226020 **अचल संपत्ति का पता** (2)- फ्लैट नंबर एसटी/104, एल्डिको यूटोपिया, सेक्टर-93ए, एक्सप्रेसवे, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, यूपी-201304.	सम्पत्ति का समस्त भू-भाग जिसमें फ्लैट संख्या एसटी/104, एल्डिको यूटोपिया, सेक्टर 93ए, एक्सप्रेसवे, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश- 201304 शामिल हैं। **क्षेत्रफल** : 850 वर्ग फीट जो संयुक्त रूप से श्री विवेक शुक्ला एवं श्रीमती रूचि शुक्ला के नाम पर बिक्री विलेख पंजीकरण संख्या 4466, दिनांकित 09.05.2014 के अनुसार दर्ज है। **चौहद्दी** : **उत्तर पूर्व** : भूतल पर खुला, **उत्तर पश्चिम**: फ्लैट नंबर एसटी/103, **दक्षिण पूर्व** : फ्लैट नंबर एसटी/105, **दक्षिण पश्चिम** : खुला मार्ग तब खुला भूतल	₹ 50,64,311.93 + ब्याज व अन्य खर्च डिमांड नोटिस : दिनांक : 19.10.2023 अधिग्रहण सूचना दिनांक : 01.06.2024

दिनांक : 06.06.2024 स्थान : लखनऊ
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

भारत ने टी20 विश्वकप के पहले मैच में आयरलैंड को आठ विकेट से हराया

रोहित शर्मा को बाजू के ऊपरी हिस्से में चोट लगी, रिटायर्ड हट

भाषा। न्यूयॉर्क

कप्तान रोहित शर्मा को बाजू में लगी चोट ने भारतीय खेमे को चिंता में डाल दिया हालांकि चौतरफा तेज आक्रमण के दम पर भारत ने टी20 विश्व कप में अपने पहले मैच में बुधवार को आयरलैंड को आठ विकेट से हराया। भारत को अब नौ जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलना है लेकिन रोहित की चोट चिंता का सबब बन गई है। रोहित ने 37 गेंद में 52 रन बनाए लेकिन गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज जोश लिटिल की शॉर्टपिच गेंद पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में वह चूके और गेंद उनकी दाहिनी बाजू के ऊपरी हिस्से में जा लगी। असमान उछाल और अतिरिक्त सीम वाली ड्रॉप इन पिच पर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की जरूरत भी नहीं पड़ी। अर्शदीप सिंह और आईपीएल की नाकामी को पीछे छोड़कर तरोताजा होकर उतरे हार्दिक पंड्या ने उम्दा गेंदबाजी करके आयरलैंड को 16 ओवर में 96 रन पर समेट दिया। अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 35 रन देकर दो विकेट लिए जबकि हार्दिक पंड्या ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जसप्रीत बुमराह ने तीन ओवर में छह रन देकर दो विकेट लिए और मोहम्मद सिराज ने तीन ओवर में 13 रन देकर एक विकेट लिया। भारत के चौतरफा तेज आक्रमण को मिल रही स्विंग, सीम और अतिरिक्त उछाल के सामने आयरलैंड के बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सके। भारत के लिए 16 में से 14 ओवर तेज गेंदबाजों ने फेंके। आयरलैंड के लिए जेरेथ डेलानी (14 गेंद में 20 रन) के अलावा कोई बल्लेबाज 20 रन के पार नहीं जा सका। डेलानी की पारी की बदौलत आयरलैंड टीम 100 रन के आसपास पहुंची। बाद में रोहित ने अपने बेहतरीन स्ट्रोक्स से दर्शकों का मनोरंजन किया। भारत ने 12 . 2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। विराट कोहली (1) और सूर्यकुमार यादव (2) बल्लेबाजी के अभ्यास से चूक गए जबकि तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत ने नाबाद 36 रन बनाए। भारतीय टीम को खेलते देखने आए भारतीय दर्शकों को टीम के इस प्रदर्शन ने खुश कर दिया। लेकिन पिच की प्रकृति को लेकर काफी सवाल उठ रहे हैं , खासकर जब यहां नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होना है। इससे पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। अर्शदीप ने सफेद कूकाबूरा से बेहतरीन गेंदबाजी करके सटीक लैंग्थ पकड़ी जिससे पॉल स्टर्लिंग और एंड्रयू बालबर्नी जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को काफी मुश्किलें पेश आई। दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज ने भी दबाव बनाए रखा। दोनों सलामी बल्लेबाजों के बल्ले पर गेंद नहईं आ रही थी। स्टर्लिंग ने एक अच्छी लैंग्थ वाली गेंद पर बल्ला अड़ाया और विकेट के पीछे ऋषभ पंत ने कैच लपक लिया। बालबर्नी को अर्शदीप ने बोल्ड कर दिया। पावरप्ले में आयरलैंड के दो विकेट सिर्फ 26 रन पर गिर गए थे और इस दबाव से टीम निकल ही नहीं सके। पंड्या दूसरे बदलाव के तौर पर गेंदबाजी के लिए आए और लोरकान टकर को पवेलियन भेजा। वहीं बुमराह का बाउंसर हैरी टेक्टर को दस्ताने पर लगा और लगभग सिर से टकराते हुए बचा। हाल ही में पाकिस्तान को टी20 श्रृंखला में हराने वाली आयरलैंड की टीम के छह विकेट 49 रन पर गिर गए थे। आयरलैंड की पारी में पंड्या ने पूरे चार ओवर डाले और बेहतरीन प्रदर्शन किया जिससे रोहित को आगामी मैचों में हालात के अनुरूप एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज को उतारने का मौका मिल सकता है। उन्होंने तीनों विकेट अलग अलग गेंदों पर लिए। पहला विकेट स्विंग पर, दूसरा सीम पर और तीसरा अतिरिक्त उछाल पर मिला।

ऑस्ट्रेलिया की नजरें इतिहास रचने पर

अमेरिका के खिलाफ अभियान शुरू करेगा पाकिस्तान

भाषा। ब्रिजटाउन (बारबडोस)

विश्व टेस्ट चैंपियन मेस (गदा) और 50 ओवर के विश्व कप का खिताब पहले ही जीत चुका ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप में गुरुवार को यहां जब ओमान के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा तो उसकी नजरें एक ही समय में तीनों विश्व खिताब अपने काम करने वाली पहली टीम बनने पर टिकी होंगी इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की नजरें अपने अनुभवी खिलाड़ियों हैं। टी20 विश्व कप खिताब लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया से दूर रहा लेकिन 2021 में टीम ने पहली बार इस प्रारूप में विश्व कप जीता। एक साल बाद हालांकि घरेलू मैदान पर टीम लीग चरण से भी आगे बढ़ने में नाकाम रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम में मैच विजेताओं की कोई कमी नहीं है। ऑलराउंडर और नवनियुक्त कप्तान मिचेल मार्श तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। ट्रेविस हेड शानदार फॉर्म में हैं और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल तथा एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में भारत के खिलाफ टीम की जीत में अहम भूमिका निभा चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप चरण में अपनी एकादश के साथ प्रयोग कर सकती है। लेग स्पिनर एडम जंपा की टीम में अहम भूमिका होगी जबकि बाएं हाथ के स्पिनर एश्टन एगर को भी मौका मिलने की उम्मीद है। मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की अनुभवी तेज गेंदबाजी तिकड़ी हमेशा की तरह विश्वसनीय है।ओमान को नामीबिया के खिलाफ अपने पहले मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को सुपर ओवर में खींचा। टीम को हालांकि अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उलटफेर करना है तो बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दिन के दूसरे मैच में पिछले टूर्नामेंट के उप विजेता पाकिस्तान की भिड़ंत अमेरिका से होगी। कागजों पर बाबर आजम की टीम जीत की प्रबल दावेदार है लेकिन हालिया फॉर्म को देखते हुए टीम की राह आसान नहीं होने वाली।पाकिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला गंवाया जबकि इंग्लैंड के खिलाफ उसे 0-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे टी20 विश्व कप की उसकी तैयारियां काफी अच्छी नहीं रहीं। इससे पहले टीम ने स्वदेश में न्यूजीलैंड से श्रृंखला 2-2 से बराबर की जबकि मेहमान टीम में विश्व कप टीम में शामिल कई खिलाड़ी नहीं खेले। कुछ समय के लिए शाहीन अफरीदी को कप्तानी सौंपे जाने के बाद टी20 विश्व कप के लिए बाबर को दोबारा कप्तान बनाया गया। शाहीन को बाद में उप कप्तान बनाने की पेशकश की गई लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। तीन के तीसरे मैच में पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) और युगांडा की टीमें आमने-सामने होंगी। पीएनजी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। पीएनजी के गेंदबाजों ने दो बार की चैंपियन टीम के बल्लेबाजों को काफी दबाव में रखा। असद वला की अगुआई वाली टीम को मेजबान टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम की नजरें युगांडा के खिलाफ जीत पर टिकी हैं।

नीदरलैंड ने नेपाल को टी20 विश्व कप में छह विकेट से हराया

डलास। टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक की अगुवाई मे गेंदबाजो के शानदार प्रदर्शन के बाद मैक्स ओ डाउड (नाबाद 54) की संयमित बल्लेबाजी से नीदरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के कम स्कोर वाले रोमांचक मैच मे मंगलवार को यहां नेपाल को छह विकेट से हराया। नेपाल की पारी को 19.2 ओवर मे 106 रन पर समेटने के बाद नीदरलैंड ने 18.4 ओवर मे चार विकेट पर 109 रन बनाकर इस जीत से दो अंक हासिल किए। ओ डाउड ने 48 गेंद की नाबाद पारी मे चार चौके और एक छक्का लगाने के साथ एक छोर संभाले रखा। नेपाल के लिए सोमपाल कामी, दीपेंद्र सिंह ऐरी और अविनाश बोहरा ने एक-एक विकेट लिए।मैन ऑफ द मैच प्रिंगल ने 20 रन देकर तीन जबकि वैन बीक ने 18 रन देकर तीन विकेट चटकाए। पॉल वैन मीकरेन और बास डलीडे को दो-दो सफलता मिली। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले को उनके गेंदबाजो ने सही साबित किया और लगातार अंतराल पर विकेट चटकाते रहे। नेपाल की ओर से कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। उन्होने 37 गेंद की पारी मे पांच चौके लगाए। निचले क्रम मे करण केसी (17) और गुलशन झा (14) ने दोहरे अंक मे रन बनाकर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड को दूसरे ओवर मे माइकल लेविट (एक) के आउट होने से झटका लगा। वह सोमपाल का शिकार बने। ओ डाउड और विक्रमजीत सिंह (22) ने इसके बाद संभल कर बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले मे टीम के स्कोर को एक विकेट पर 36 रन तक पहुंचाया। दीपेंद्र ने नौवें ओवर मे विक्रमजीत को पगबाधा कर दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी को तोड़ा। ओ डाउड को इसके बाद साइब्रैंड एंगलब्रेक्त (14) का अच्छा साथ मिला जिन्होने 12वें ओवर मे गुलशन के खिलाफ चौका लगाकर रन गति को तेज करने की कोशिश की लेकिन 14वें ओवर मे रन आउट हो गए। बोहरा ने कप्तान स्कॉट एडवर्ड को चलता कर नीदरलैंड पर एक बार फिर दबाव बना दिया। ओ डाउड ने इस गेंदबाज के खिलाफ 19वें ओवर मे लगातार गेंदो पर चौका और छक्का लगाकर 47 गेंद मे अपना अर्धशतक पूरा किया। डलीडे ने इसी ओवर मे चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी।

सिंधू इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर में हारी

जकार्ता, पांच जून (भाषा) भारत की शीर्ष शटलर पी वी सिंधू बुधवार को इंडोनेशिया ओपन के पहले दौर में चीनी ताइपे की सू वेन-ची से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू को बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल स्पर्धा में 15-21, 21-15, 14-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। यह वेन-ची के खिलाफ उनकी पहली हार है। ताइवान की खिलाड़ी को राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता को हराने में एक घंटे 10 मिनट का समय लगा। महिला युगल के अंतिम 32 दौर में रुतपर्णा पांडा और स्वेतपर्णा पांडा की भारतीय जोड़ी कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त किम सो एओंग और कोंग ही योंग की जोड़ी से 12-21, 9-21 से हार गई।

गत यूरो चैंपियन इटली ने तुर्की से गोल रहित ड्रॉ खेला, पुर्तगाल ने फिनलैंड को हराया

मिलान, पांच जून (एपी) इटली ने अगले महीने यूरो फुटबॉल चैपियनशिप में खिताब की रक्षा का अभियान शुरू करने से पहले अभ्यास मैच में तुर्की के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला। इटली के खिलाफ मैच के दौरान तुर्की के डिफेंडर ओजान केबाक को गंभीर चोट लीग और उनके जर्मनी में होने वाले यूरो 2024 से बाहर होने की आशंका है। इटली को अपना दूसरा मैत्री मैच रविवार को बोस्निया-हर्जेगोविना के खिलाफ खेलना है जिसके बाद टीम यूरो 2024 में 15 जून को अल्बानिया के खिलाफ खिताब की रक्षा के अपने अभियान की शुरुआत करेगी। स्पेन और क्रोएशिया को भी ग्रुप बी में जगह मिली है। दूसरी तरफ स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रहे पुर्तगाल ने फिनलैंड को 4-2 से हराया।पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज पहले ही कह चुके हैं कि रोनाल्डो फिनलैंड और क्रोएशिया के खिलाफ देश के दो मैत्री मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि उन्हें आराम दिया गया है। वह आयरलैंड के खिलाफ अंतिम अभ्यास मैच के लिए टीम में वापसी कर सकते हैं।

मुझे भगवान से तोहफा मिला, पिछली हार के गुस्से का इस्तेमाल ओलंपिक कोटा जीतने में किया: निशांत

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके निशांत देव (71 किग्रा वर्ग) दावा है कि उनके पास विश्व स्तरीय मुक्केबाज बनने के लिए जरूरी गति, समय और ताकत का मिश्रण है और यही कारण है कि उन्हें स्वयं को भगवान से मिला तोहफा कहने में कोई समस्या नहीं है।उनका यह दावा कुछ लोगों को अहंकारी लग सकता है लेकिन शायद इसी आत्मविश्वास ने उन्हें पेरिस ओलंपिक में जगह दिलाई। इस 23 वर्षीय प्रतिभावान मुक्केबाज ने सबसे पहले 2021 में सुर्खियां बटोरी जब वह पहली बार विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेते हुए लाइट मिडिलवेट (71 किग्रा) वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। दो साल बाद उन्होंने विश्व चैंपियनशिप का कांस्य पदक जीता और अब वह उन दो भारतीय पुरुष मुक्केबाजों में से एक हैं जो ओलंपिक के लिए पेरिस जाएंगे। निशांत ने बुधवार को चुनिंदा मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, मुझे भगवान से तोहफा मिला है। मेरे अंदर सब कुछ है। उन्होंने कहा, मेरे पास ताकत, गति और समय है। लेकिन असली चीज कौशल है। अगर आपके पास है तो आप किसी भी तरह के मुक्केबाज के खिलाफ जीत सकते हो। वर्षों तक कंधे की चोट से परेशान रहे निशांत ने पिछले हफ्ते बैंकॉक में अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए पेरिस खेलों में जगह बनाई। इससे पूर्व वह पिछले क्वालीफायर में अमेरिका के ओमारी जोन्स के खिलाफ दिल तोड़ने वाली हार के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने से चूक गए थे।अपनी क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए निशांत ने तब हर हाल में पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने का वादा किया था।

भारत-पाक मुकाबले पर अफरीदी ने कहा, यह खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता

न्यूयॉर्क (भाषा)। पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी भारत-पाकिस्तान मुकाबले को अमेरिका में बेहद लोकप्रिय सुपर बाउल के समकक्ष रखते हैं। उनका मानना है कि यह खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है और जो टीम नौ जून को न्यूयॉर्क में टी20 विश्व कप मुकाबले में दबाव से बेहतर तरीके से निपटेगी वह जीत दर्ज करेगी।दोनों टीमें टी20 विश्व कप में जब पिछली बार आमने-सामने थी तो विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत दिलाई थी। क्रिकेट का यह सबसे बड़ा मुकाबला पहली बार अमेरिका की सरजमीं पर हो रहा है और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अफरीदी दर्शकों के बीच बैठकर इसके गवाह बनेंगे। टी20 विश्व कप के दूत अफरीदी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, वे अमेरिकी जो टूर्नामेंट के बारे में जानना चाह रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का मैच हमारे सुपर बाउल की तरह है। उन्होंने कहा, मुझे भारत के खिलाफ खेलना बहुत पसंद था और मेरा मानना है कि यह खेल में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है। जब मैं उन मुकाबलों में खेलता था, तो मुझे भारतीय प्रशंसकों से बहुत प्यार और सम्मान मिलता था और यह दोनों टीमों के लिए बहुत मायने रखता है।इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, भारत के खिलाफ यह मौके के दबाव से निपटने के बारे में है। दोनों टीमों में बहुत प्रतिभा है, उन्हें बस उस दिन एकजुट होने की जरूरत है। इस मैच में और पूरे टूर्नामेंट में यही होगा। जो टीम अपना धैर्य बनाए रखेगी, वह जीतेगी। अमेरिका और वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप के सह मेजबान हैं। सुपर आठ चरण और नॉकआउट मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे। अफरीदी ने कहा कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में प्रबल दावेदार का चयन करना मुश्किल है।इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, टी20 क्रिकेट बहुत अप्रत्याशित है और टीमों की बल्लेबाज में अब बहुत गहराई है। आपका आठवें नंबर पर आने वाला बल्लेबाज 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर मैच जीत सकता है। मुझे उम्मीद है कि इस बार पाकिस्तान जीतेगा लेकिन प्रबल दावेदार चुनना मुश्किल है। टूर्नामेंट की पाकिस्तान की तैयारी काफी अच्छी नहीं रही। टीम इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला हार गई जबकि उसने आयरलैंड के खिलाफ भी मैच गंवाया। अफरीदी ने कहा, भले ही 2024 में उनके फॉर्म में निरंतरता की कमी हो लेकिन मेरा मानना है कि उनके पास वेस्टइंडीज और अमेरिका अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी चीजें हैं।

कुवैत के खिलाफ विश्वकप क्वालीफायर मुकाबले में छेत्री को जीत के साथ विदाई देना चाहेगा भारत

कोलकाता (भाषा)। करिश्माई फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री गुरुवार को यहां जब कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में आखिरी बार मैदान पर भारत की अगुवाई करेंगे तो भावनाएं उफान पर होंगी और टीम उन्हें जीत के साथ विदाई देना चाहेगी। भारतीय टीम के लिए यह मैच करो या मरो की तरह है। टीम अगर इस मैच को जीतती है तो वह पहली बार 18 टीमों के क्वालीफायर के अंतिम चरण के लिए क्वालीफाई करने के लिए काफी बेहतर स्थिति में होगी। छेत्री पिछले 19 साल से भारतीय फुटबॉल के ध्वज वाहक रहे हैं और 39 वर्ष का यह खिलाड़ी खुद भी टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने के लिए तैयार होगा। चार-चार टीमों के नौ समूहों में से शीर्ष दो टीमें क्वालिफिकेशन के तीसरे चरण में पहुंचेंगी। फीफा ने विश्व कप में एशिया के कोटे में आठ बर्थ का इजाफा किया है और तीसरे चरण के बाद ही इसे हासिल करने वालों का फैसला होगा। उत्तरी अमेरिका में होने वाले 2026 विश्व कप में भारतीय टीम की कल्पना करना थोड़े दूर के सपने की तरह है। कुवैत पर जीत से हालांकि टीम को कम से कम 10 मैचों में एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का मौका मिल सकता है। टीम को इसके साथ बेहतर टीमों के खिलाफ अभ्यास मैच खेलने का भी मौका मिलेगा। भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंकों के साथ कतर (12 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर काबिज है। अफगानिस्तान गोल अंतर से पिछड़कर तीसरे स्थान पर है। कुवैत तीन अंक के साथ आखिरी पायदान पर है। भारतीय टीम अगर कुवैत को हराने में सफल रहती है तो वह अफगानिस्तान पर बढ़त बना सकती है। अफगानिस्तान गुरुवार को ही कतर का सामना करेगा। अफगानिस्तान गोल अंतर के मामले में भारत से सात गोल पीछे है और भारत की जीत के बाद उसके लिए इस अंतर को पाटना काफी मुश्किल होगा। भारतीय टीम इसके बाद मंगलवार को कतर का सामना करेगी जबकि अफगानिस्तान के सामने कुवैत की चुनौती होगी। छेत्री के नाम 150 मैचों में 94 गोल है और वह सक्रिय खिलाड़ियों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी के बाद सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वालो की सूची में तीसरे स्थान पर है।

यह सिर्फ मेरे आखिरी मैच के बारे में नहीं है

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री ने बुधवार को अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच को लेकर चल रही सुर्खियों को कम महत्व देते हुए यहां कुवैत के खिलाफ टीम के अहम फीफा विश्व कप क्वालीफायर पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। भारत अगर गुरुवार को खेले जाने वाले इस मैच को जीत जाता है तो फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर मे उसकी जगह लगभग पक्की हो जाएगी। फीफा विश्व कप का आयोजन 2026 मे अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होना है। इस मे भाग लेने वाली एशिया की टीम का फैसला तीसरे चरण के क्वालीफायर के बाद होगा। छेत्री ने पिछले महीने घोषणा की थी कि कुवैत के खिलाफ फीफा क्वालीफायर का दूसरे चरण का मैच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मे उनका आखिरी मैच होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 19 साल तक भारतीय फुटबॉल का चेहरा रहे इस खिलाड़ी ने कुवैत के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि हममें से ज्यादातर लोग 20 दिन पहले ही मिल चुके है और हमने मेरे करियर की आखिरी मैच की बात कर ली है। यह हो चुका है। हम यहां केवल और केवल कुवैत और भारत के बारे मे बात करने के लिए आए है। भावुक छेत्री ने पत्रकारो से अनुरोध किया कि वे उनसे बार-बार उनके संन्यास के बारे में न पूछें ताकि वह खुले दिमाग से खेल सकें। उन्होंने कहा, मै फिर अनुरोध करता हूं... यह मेरे और मेरे अंतिम मैच के बारे मे नही है, यह हमारे और कुवैत के बारे मे है। और मै अपने अंदर एक छोटे से संघर्ष से गुजर रहा हूं। कृपया बार-बार आप कैसा महसूस कर रहे है पूछकर इसे बदतर न बनाएं। केवल आप ही लोग है जो यह सवाल पूछ रहे है। हम ड्रेसिंग रूम मे इसके बारे मे बात नही करते है।

मांसपेशियों में खिंचाव के कारण अमेरिका के खिलाफ नहीं खेलेंगे इमाद वसीम

डलास। ऑलराउंडर इमाद वसीम मांसपेशियो मे खिंचाव के कारण गुरुवार को यहां अमेरिका के खिलाफ होने वाले पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले मे नही खेल पाएंगे। कप्तान बाबर आजम ने यह जानकारी दी।बाबर ने कहा कि वसीम मांसपेशियों में खिंचाव से पूरी तरह से नही उबर पाए हैं और बाएं हाथ के इस स्पिनर की प्रगति पर नजर रखी जा रही है। बाबर ने यहां मीडिया से कहा, मेडिकल स्टाफ उस पर नजर रखे हुए है और वह विश्व कप के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध रहेगा।

अश्विन की सीएसके परिवार में वापसी हाई परफॉर्मेंस केंद्र और अकादमी की मिली कमान

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) हाई परफॉर्मेंस सेंटर की कमान संभालने के लिए तैयार हैं, जिससे संभवत: उस फ्रेंचाइजी में उनकी वापसी का रास्ता साफ हो जाएगा जिसने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने पीटीआई-भाषा को बताया कि अश्विन केंद्र के साथ-साथ भारत और विदेशों में टीम की विभिन्न अकादमियों की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने कहा, अश्विन भारत और तमिलनाडु के महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उनकी उपस्थिति से हाई परफॉर्मेंस केंद्र और हमारी अकादमियों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। यह केंद्र चेन्नई के बाहरी इलाके में स्थित है। सैंतीस साल के अश्विन हाल ही में अनिल कुंबले के बाद टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे गेंदबाज बने है। वह इंडियन प्रीमियर लीग में 2009 से 2015 तक सीएसके टीम का हिस्सा रहे थे। आईपीएल के लिए इस साल बड़ी नीलामी होनी है और ऐसे में अगर अश्विन बोली का हिस्सा होते है तो सीएसके उन्हें अपनी टीम से जोड़ने की कोशिश कर सकती है। अश्विन 2022 सत्र से राजस्थान रॉयल्स टीम के सदस्य है। आईपीएल नीलामी में अश्विन को टीम से जोड़ने के बारे में पूछे जाने पर विश्वनाथ ने कहा, नीलामी में चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती है। हम इस बारे में तब देखेंगे।

नॉर्वे शतरंज: कार्लसन से हारे प्रज्ञानानंदा, वैशाली ने मुजिचुक को हराया

स्टावेंगर (भाषा)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को यहां नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर के कड़े मुकाबले में शीर्ष वरीय मैग्नस कार्लसन के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा जबकि उनकी बड़ी बहन आर वैशाली ने सातवें दौर के बाद शीर्ष पर चल रही यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया। इस जीत के साथ कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नाकामूरा पर एक अंक की बढ़त बना ली है जिन्हें फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस बीच विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन का खराब प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें अमेरिका के फाबियानो करूआना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।छह खिलाड़ियों के इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट में अब जब सिर्फ दो दौर का खेल बाकी है तब कार्लसन 14.5 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। नाकामूरा के 13.5 अंक हैं। प्रज्ञानानंदा 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं जबकि अलीरेजा उनसे एक अंक पीछे चौथे स्थान पर हैं। करूआना नौ अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि लिरेन सिर्फ 4.5 अंक के साथ अंतिम पायदान पर हैं। महिला वर्ग में चीन की विश्व चैंपियन वेनजुन जू ने स्वीडन की पिया क्रेमलिंग के खिलाफ जीत से 14.5 अंक के साथ बढ़त बना ली है। उन्हें वैशाली के खिलाफ मुजिचुक की हार से भी फायदा मिला। यूक्रेन की मुजिचुक 13 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनसे 1.5 अंक पीछे वैशाली 11.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से तीसरे पायदान पर हैं। भारत की कोनेरू हंपी को हराने वाली चीन की टिंगजी लेई भी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

हंपी 161000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में आठ अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि क्रेमलिंग (4.5 अंक) अंतिम पायदान पर हैं। पुरुष वर्ग में तीनों क्लासिकल बाजी ड्रॉ रही जिसके बाद आर्मागेडोन (सडन डेथ) बाजी खेली गई। कार्लसन ने आर्मागेडोन बाजी में प्रज्ञानानंदा को हराया।आर्मागेडोन बाजी में सफेद मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को 10 जबकि काले मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को सात अंक मिलते हैं। सफेद मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को हालांकि बाजी जीतनी होती है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।